निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, शनिवार 15 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 178 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

घाटशिला में जीत से उत्साहित झामुमो कार्यकर्ता।

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

झारखण्ड 25 अनंत संभावनाओं की ओर

स्कैन करें और झारखण्ड राज्य के रजत पर्व उत्सव के सहभागी बनें!

दिनांक: 15 नवम्बर, 2025 | समय: अपराह्न 02.00 बजे
स्थान: मोरहाबादी मैदान, रांची

मुख्य अतिथि
श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

अध्यक्षता
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि
श्री के. राजू
ए.आई.सी.सी. के सी. डब्ल्यी.सी. के स्थायी आमंत्रित सदस्य एवं झारखण्ड प्रभारी

सम्मानित अतिथि

श्री संजय सेठ — माननीय केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री
श्री राधा कृष्ण किशोर — माननीय मंत्री, झारखण्ड सरकार
श्री संजय प्रसाद यादव — माननीय मंत्री, झारखण्ड सरकार
श्री दीपक प्रकाश — माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा
श्रीमती महुआ माजी — माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा
श्री आदित्य प्रसाद साहु — माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा
श्री प्रदीप कुमार वर्मा — माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा
श्री चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह — माननीय सदस्य, झारखण्ड विधान सभा

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR. 366134 (IPRD) 25-26

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

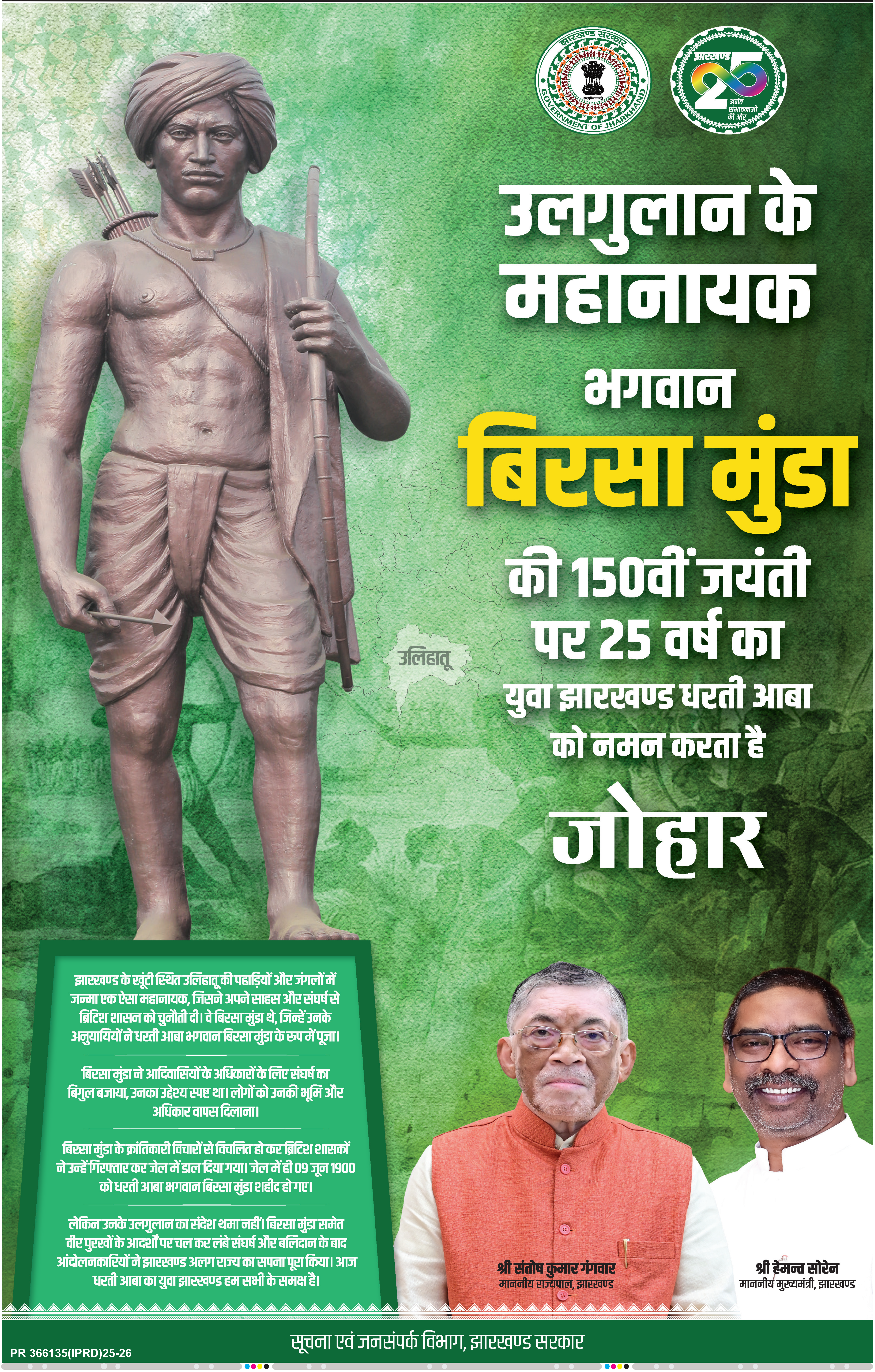

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND
झारखण्ड 25
अनंत संभावनाओं की ओर
उलगुलान के महानायक
भगवान
बिरसा मुंडा
की 150वीं जयंती पर 25 वर्ष का
युवा झारखण्ड धरती आबा
को नमन करता है
जोहार
उलिहातू
झारखण्ड के खूंटी स्थित उलिहातू की पहाड़ियों और जंगलों में जन्मा एक ऐसा महानायक, जिसने अपने साहस और संघर्ष से ब्रिटिश शासन को चुनौती दी। वे बिरसा मुंडा थे, जिन्हें उनके अनुयायियों ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के रूप में पूजा।
बिरसा मुंडा ने आदिवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष का बिगुल बजाया, उनका उद्देश्य स्पष्ट था। लोगों को उनकी भूमि और अधिकार वापस दिलाना।
बिरसा मुंडा के क्रांतिकारी विचारों से विचलित हो कर ब्रिटिश शासकों ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। जेल में ही 09 जून 1900 को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा शहीद हो गए।
लेकिन उनके उलगुलान का संदेश थमा नहीं। बिरसा मुंडा समेत वीर पुरखों के आदर्शों पर चल कर लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद आंदोलनकारियों ने झारखण्ड अलग राज्य का सपना पूरा किया। आज धरती आबा का युवा झारखण्ड हम सभी के समक्ष है।
श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार
PR 366135(IPRD)25-26

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, शनिवार 15 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 178 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

घाटशिला में जीत से उत्साहित झामुमो कार्यकर्ता

झारखंड स्थापना दिवस : मुख्य समारोह स्थल पुलिस छावनी में तब्दील

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड स्थापना दिवस को लेकर आधी राजधानी को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। मोरहाबादी मैदान के आसपास के सभी रास्तों का बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया गया। मोरहाबादी मैदान में पूरी तरह से पुलिस का पहरा है। हजारों की संख्या में राज्य स्थापना दिवस में शामिल होने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से लोग रांची पहुचेंगे। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस की जिम्मेवारी भी बढ़ गई है। झारखंड स्थापना दिवस समारोह को लेकर पूरी राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। 1000 से ज्यादा जवानों को मोरहाबादी मैदान सहित अन्य जगहों पर सुरक्षा के लिए तैनात किया गया है। दिल्ली में हुए विस्फोट की वजह से भी समारोह स्थल की सुरक्षा को बेहद पुख्ता बनाया गया है। पूरे मैदान की निगरानी ड्रोन कैमरे से शुरू कर दी गई है। वहीं सुरक्षा में रैपिड एक्शन पुलिस, जैप, जिला पुलिस, टियर गैस टीम और फायर ब्रिगेड को भी तैनात किया गया है। गृह सचिव सहित राज्य पुलिस के आला अधिकारी देर रात तक मोरहाबादी मैदान का निरीक्षण करते नजर आए। यहां पर चारों तरफ सादे लिबास में भी पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है। मैदान में प्रवेश के लिए जो लोग लाइन में लगे होंगे उनकी जांच भी स्पेशल ब्रांच के द्वारा मेटल डिटेक्टर से की जाएगी। झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह को लेकर रांची रेंज के आईजी मनोज कौशिक खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। रांची रेंज के आईजी के द्वारा पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा

व्यवस्था की तैयारी का जायजा भी लिया गया है। आईजी मनोज कौशिक ने बताया कि राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था के लिए हर तरह के इंतजाम किए गए हैं। राज्य के लोगों को बेहतर सुरक्षा के बीच स्थापना दिवस के दौरान होने वाले तमाम कार्यक्रमों का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा। आज 15 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले समारोह की सुरक्षा में एक हजार जवानों के अलावा सुरक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग के लिए रांची में तीन आइपीएस, आधा दर्जन डीएसपी सहित कई अधिकारियों की तैनाती की गई है। वैसे तो मुख्य समारोह रांची के मोरहाबादी मैदान में दोपहर बाद होना है लेकिन मैदान की सुरक्षा को लेकर सुबह 6 बजे से ही जवान मुस्तैद रहेंगे। मोरहाबादी स्थित मुख्य आयोजन स्थल की सुरक्षा तीन लेयर में होगी। इसके अलावा बम निरोधक दस्ता, जैप, एटीएस और झारखंड जगुआर की टीम को भी तैनात किया जा रहा है। सुरक्षा में किसी भी तरह का व्यवधान उत्पन्न न हो इसे देखते हुए पूरे शहर की निगरानी सीसीटीवी से की जाएगी। साथ ही सादे लिबास में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। समारोह स्थल में जाने वाले हर वाहन को चेकिंग के बाद ही स्थल तक जाने दिया जाएगा। समारोह स्थल के चारों तरफ सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। साथ ही दो ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया जाएगा। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से पूरे समारोह की निगरानी की जाएगी। इसके लिए कंट्रोल रूम में आधा दर्जन से अधिक पुलिस अधिकारी की तैनाती की जा रही। उन्हें निर्देश दिया गया है कि वे पल-पल की रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को देंगे। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने वालों की मेटल डिटेक्टर से जांच होगी। इसके लिए प्रवेश मार्ग पर मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं। इसके अलावा मेटल स्कैनर से भी जांच की जाएगी। पूरी तलाशी के बाद ही लोगों को कार्यक्रम स्थल तक प्रवेश करने दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

खूंटी(नबिटा ब्यूरो)। चाईबासा-खूंटी मुख्य पथ पर सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों युवकों की पहचान मुरहू थाना क्षेत्र के सिद्धू गांव निवासी 35 वर्षीय विनोद सिंह और 28 वर्षीय जगन ढोडराय के रूप में हुई है। मुरहू थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-75ई पर सिद्धू मोड़ के समीप गुरुवार की रात एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

महिला की सिर काटकर हत्या

गिरिडीह (नबिटा ब्यूरो)। जिले के धनवार थाना क्षेत्र के अम्बाटांड़ (पलंगी) में गुरुवार देर रात 62 वर्षीय महिला की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। हमलावरों ने महिला शांति देवी का सिर धड़ से अलग कर दिया। मृतका स्थानीय गंगा सिंह की पत्नी थीं। घटना के बाद गांव में अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल धनवार थाना पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही धनवार थाना प्रभारी सत्येंद्र कुमार पाल के नेतृत्व में घोड़थम्भा, जमुआ और हीरोडीह थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

घरेलू विवाद के बाद युवक ने की आत्महत्या

धनबाद (नबिटा ब्यूरो)। थाना क्षेत्र के न्यू विष्णुपुर दुर्गा मंदिर के पास 28 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान नितम यादव के रूप में हुई है, जो पेशे से गार्ड था। यह घटना गुरुवार देर रात हुई। बताया जा रहा है कि नितम यादव ने घरेलू विवाद के बाद यह कदम उठाया। घटना से एक दिन पहले पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था। विवाद बढ़ने पर नितम की पत्नी अपने एक वर्षीय बेटे को लेकर मायके चली गई थी।

इलेक्ट्रिशियन की संदिग्ध अवस्था में मौत

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। थाना क्षेत्र के सुभाष चौक के पास निर्माणाधीन इमारत में कार्यरत इलेक्ट्रिशियन लक्ष्मण कुमार महतो (35) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने बिल्डिंग के मुंशी नगेंद्र सिंह पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतक लक्ष्मण कुमार महतो इचातु प्रखंड के दुलमी गांव निवासी जटलू महतो के पुत्र थे। परिवार के सदस्यों के अनुसार वह पिछले दो वर्षों से इसी निर्माणाधीन इमारत में इलेक्ट्रिशियन के तौर पर काम कर रहे थे।

गोदाम के तालाब में मिला गार्ड का शव

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। गल्फरबाड़ी ओपी क्षेत्र के दूधियापानी स्थित बिनोद दास के कचरा गोदाम में शुक्रवार सुबह 65 वर्षीय गार्ड सुशील सिन्हा का शव गोदाम के भीतर बने तालाब से बरामद हुआ। मृतक गाड़ीखाना का निवासी था और पिछले दो वर्षों से इस गोदाम में गार्ड के रूप में कार्यरत था। बताया गया है कि गुरुवार रात सुशील सिन्हा कथित तौर पर नशे की हालत में काम पर पहुंचे थे। देर रात वह गोदाम की तालाब की ओर गए जिसके बाद उन्हें फिर नहीं देखा गया।

घाटशिला उपचुनाव : झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन ने मारी बाजी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन की जीत हुई है। उन्हें 1,04794 मत मिले। सोमेश चंद्र सोरेन ने भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन को 38,524 वोट से हराया। 20 राउंड की काउंटिंग में सोमेश चंद्र सोरेन ने शुरू से ही बढ़त बनाए रखी। वहीं झारखण्ड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के उम्मीदवार रामदास मुर्मू तीसरे नंबर पर हैं। उन्हें 11,542 मत प्राप्त हुए। जमशेदपुर के को-ऑपरेटिव कॉलेज मतगणना केंद्र में शुक्रवार को 20 राउंड में मतों की गिनती पूरी हुई। मतगणना के लिए हर टेबल पर एक मतगणना पर्यवेक्षक, एक मतगणना सहायक और एक माइक्रो ऑब्जर्वर की नियुक्ति की गई थी। घाटशिला विधानसभा में उपचुनाव जेएमएम के गद्दावर नेता और प्रदेश के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के आकस्मिक निधन के बाद खाली हुई सीट की वजह से हुआ। 11 नवंबर को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान सम्पन्न हुआ। शाम 5 बजे तक कुल 74.63 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। इधर, घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की ओर से पूर्व सीएम चंपाई सोरेन

के बेटे बाबूलाल सोरेन और झामुमो से दिवंगत विधायक रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश चंद्र सोरेन आमने-सामने थे। 2024 के विधानसभा चुनाव में इस सीट पर झामुमो के रामदास सोरेन ने बाबूलाल सोरेन को शिकस्त दी थी। विधानसभा चुनाव में रामदास सोरेन को 98,356 वोट मिले थे। जबकि बाबूलाल सोरेन को 75,910 मत प्राप्त हुआ था। बताते चलें कि झारखंड राज्य बनने के बाद साल 2005 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान घाटशिला सीट पर कांग्रेस के प्रदीप कुमार बलमुचू ने जीत दर्ज कराई थी। 2009 के इलेक्शन में जेएमएम के टिकट पर रामदास सोरेन की जीत हुई थी। 2014 के चुनाव में भाजपा के लक्ष्मण टुडू यहां से विधायक चुने गए थे। 2019 के चुनाव में जेएमएम के रामदास सोरेन ने जीत दर्ज की। 2024 के विधानसभा चुनाव में भी जेएमएम के रामदास सोरेन जीते और पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के पुत्र भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन दूसरे नंबर पर रहे थे।

ट्रेड फेयर में शामिल होने के लिए दिल्ली गये मंत्री सुदिव्य कुमार

झारखंड की तरफ भी आकर्षित होंगी कंपनियां

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। दिल्ली के प्रगति मैदान में इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फ़ेयर का आयोजन शुक्रवार से शुरू है। यह ट्रेड फ़ेयर 14 से 29 नवंबर तक चलेगा। 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यपार मेला में 12 देश और 30 राज्य के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस मेला के स्टेट पार्टनर बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र हैं जबकि झारखंड को फोकस राज्य का दर्ज़ा दिया गया है। इस ट्रेड फ़ेयर में झारखंड को भी ट्रेड और इंडस्ट्री में बेस्ट एचीवर का अवार्ड मिला है। ऐसे में झारखंड सरकार की तरफ से नगर विकास सह तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार शुक्रवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। शुक्रवार को गिरिडीह हवाई अड्डे से मंत्री विशेष विमान पर सवार होकर निकले हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम पर आयोजित इस ट्रेड फ़ेयर में मंत्री सुदिव्य झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। गिरिडीह से दिल्ली रवाना होने के क्रम में मंत्री सुदिव्य ने पत्रकारों से बात की और ट्रेड

फ़ेयर की जानकारी दी। उन्होंने ट्रेड फ़ेयर के महत्व के बारे में बताया। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि 'इंटरनेशनल ट्रेड फ़ेयर में झारखंड ने भी अपनी बेहतरीन भागीदारी की है। फ़ेयर में झारखंड का एक पवेलियन है और झारखंड को भी ट्रेड में, इंडस्ट्री में बेस्ट एचीवर का अवार्ड मिला है। हम इन चीजों को शो केस करना चाहते हैं और चाहते हैं कि झारखंड की तरफ भी निवेशक, काम करने वाली अच्छी कंपनियां आकर्षित हो। इसलिए मुख्यमंत्री के आदेश पर ट्रेड फ़ेयर के उदघाटन कार्यक्रम में जा रहा हूं।

स्वास्थ्य मुख्यालय के निकट फेंकी मिली दवाइयां, जांच के बाद होगी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। शहर के नामकुम में राज्य के स्वास्थ्य मुख्यालय के करीब बड़ी मात्रा में दवाइयां फेंकी हुई मिली है। नियमों को ताक पर रखकर फेंकी गई इन दवाओं को लेकर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। ड्रग एंड कॉस्मटिक्स एक्ट-1940 के तहत दवाइयों को इस तरह से डिस्पोज नहीं किया जा सकता। ऐसे में किसने और क्यों रात के अंधेरे में ये दवाइयां सड़क के किनारे फेंकी, यह सवाल बना हुआ है। बड़ी संख्या में दवाइयां फेंके जाने की तहकीकात की। इस दौरान यह देखने को मिला कि सभी दवाइयां एक निजी कंपनी की है। इसमें बड़ी मात्रा में कफ सिरप, आई ड्रॉप, विटामिन की दवाइयों के साथ-साथ एंटीबायोटिक्स और इंजेक्शन भी हैं। इसमें से कई दवाइयां एक्सपायर्ड हैं तो कई के एक्सपायरी में अभी दो से तीन

महीने का समय बाकी है। कोई भी सीएनएफ दवाइयों का डिस्पोजल मेडिकल डिस्पोजल ट्रीटमेंट प्लांट में होना चाहिए। इस तरह से दवाओं को फेंकना न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है बल्कि लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ भी है। ड्रग इंस्पेक्टर अरूप रतन ने बताया कि पूरे मामले में सैंपल लेकर जांच की जाएगी और यह पता लगाया जाएगा कि जिस कंपनी की दवा है उसका सी एंड एफ किसके पास है। वहीं स्थानीय मंटू लाला ने बताया कि रात के अंधेरे में यह काम किया गया है। उन्होंने कहा कि तीन चार साल पहले भी इसी तरह की घटना घटी थी।

झारखंड की युवा शक्ति सबसे बड़ी ताकत : राज्यपाल

डीपीएस बोकारो के वार्षिकोत्सव में 392 मेधावी छात्र किए गए सम्मानित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। डीपीएस बोकारो के वार्षिकोत्सव 'नक्षत्र' में शुक्रवार को 392 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राज्यपाल गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड की युवा शक्ति इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों, जनजातीय परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर से समृद्ध यह राज्य युवाओं के नवाचार, उद्यमिता और नैतिक नेतृत्व से देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रहित में सक्षम, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। राज्यपाल ने

उपस्थित छात्रों को परीक्षा को तनाव के बजाय उत्सव की तरह लेने की सलाह दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'परीक्षा पे चर्चा' से प्रेरणा लेने को कहा। राज्यपाल गंगवार ने डीपीएस बोकारो की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा की प्रशंसा करते हुए इसे देश के सर्वोत्तम संस्थानों में से एक बताया। उन्होंने दीपांश शिक्षा केंद्र और कोशिश महिला प्रशिक्षण केंद्र जैसी सामाजिक उत्थान की पहलों की भी सराहना की। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने विद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'डिप्स रिफ्लेक्शन' का विमोचन किया। उन्होंने 'डिप्स वार्तालाप' पॉडकास्ट स्टूडियो और 'अभिनव बिंद्रा शूटिंग रेंज' का भी शुभारंभ किया जिन्हें छात्रों के कौशल और व्यक्तित्व विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया। वार्षिकोत्सव में वंदे मातरम के 150वें वर्ष पर आधारित आकर्षक साज-सज्जा और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी को मंत्रमुग्ध किया। इस समारोह में आईजी सुनील भास्कर, डीसी अजय नाथ झा, एसपी हरविंदर सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ हुआ।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश आर महादेवन ने बैद्यनाथ धाम में परिवार संग की पूजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। जिले के बाबा मंदिर में आए दिन वीआईपी और खास लोग पूजा करने पहुंचते हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश आर महादेवन भी देवघर पहुंचे हैं। देवघर पहुंचने के बाद जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने उनका स्वागत किया। जस्टिस आर महादेवन गुरुवार देर शाम को ही देवघर पहुंच गए थे और रात्रि विश्राम के बाद वह सुबह में मंदिर पहुंचे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश होने के नाते मंदिर में प्रोटोकॉल का भी विशेष ख्याल रखा गया। मंदिर परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कराए गए। जस्टिस आर महादेवन के पूजा करने के दौरान थोड़ी देर के लिए आम लोगों को पूजा करने से रोक दिया गया था। जस्टिस आर

महादेवन के साथ उनकी धर्मपत्नी भी मौजूद रहीं। दोनों ने पहले तीर्थ पुरोहितों के माध्यम से संकल्प किया, फिर उसके बाद भगवान भोलेनाथ के ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक कर पूरे देश और अपने जनों के बेहतर भविष्य की कामना की। पूजा करने के बाद देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा और पुलिस अधीक्षक सौरव कुमार ने न्यायाधीश को सम्मान देते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट की। पूजा के बाद न्यायाधीश महादेवन को सर्किट हाउस में विश्राम के लिए लाया गया जहां से वह देर शाम तक देवघर से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। जस्टिस महादेवन के आने से पहले ही पुलिस कर्मियों की तैनाती मंदिर परिसर में कर दी गई थी। जिले के सभी पदाधिकारी मंदिर में मौजूद थे। उन्हें न्यायाधीश के आगमन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दे दिया गया था। वहीं बिहार में मतगणना को देखते हुए सुरक्षा को लेकर सर्किट हाउस और एयरपोर्ट पर भी सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। इसलिए जिला प्रशासन पूरे शहर में विशेष निगरानी बनाकर रखी हुई है।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

CMYK

डिमांड ऐसी कि पहले से करनी होती बुकिंग

अमेरिका तथा अरब तक जाता है घनबेरिया का पेड़ा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। बिहार विधानसभा चुनाव का पहला चरण का मतदान हो चुका है। दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होना है। सभी पार्टियां चुनावी शोर थमने से पहले मतदाताओं को अपने पाले में करने के लिए कड़ी मशक्कत करती नजर आ रही हैं। हवा राजनीतिक किस्से और चर्चे जोरों पर हैं तो चुनाव परिणाम से पहले ही मिठाइयों की दुकानों पर तैयारियां जोरों पर हैं। अब जब मिठाई की बात हो रही हो तो घनबेरिया गांव के पेड़े और खैरा बाजार की बालूशाही का जिक्र न हो, ऐसा तो मुमकिन ही नही है।

गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जमुई में एक जनसभा को संबोधित करते हुए घनबेरिया के पेड़े और खैरा का बालूशाही का जिक्र किया। अमित शाह ने कहा- मैं पटना में था तो वहां मुझे बताया गया कि अमित जी जमुई में घनबेरिया का पेड़ा और खैरा की बालूशाही बड़ी प्रसिद्ध है। जमुई के लोगों आप हमारे सभी प्रत्याशियों को जिता दो। मैं श्रेयसी सिंह को कहता हूं कि 14 के बाद घनबेरिया का पेड़ा और खैरा बाजार की बालूशाही लेकर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुंह मीठा कराएंगे।

जमुई जिले के खैरा प्रखंड अंतर्गत घनबेरिया गांव का पेड़ा केवल आसपास के जिले ही नहीं बल्कि विदेशों में भी फेमस है। डेरी उद्योग के लिए फेमस इस गांव का पेड़ा उत्पादन में काफी आगे निकल गया है। डेयरी उत्पाद के रूप में पेड़ा का व्यवसाय इस गांव के लोगों का मुख्य पेशा बना है। दो दशक पहले पेड़ा बनाने की यहां शुरूआत हुई थी और पेड़ा की पहली दुकान गांव में ही मुख्य सड़क र शुरू हुई थी। इसके बाद एक-एक कर गांव के अन्य लोगों ने पेड़ा बनाना शुरू कर दिया और पेड़ा की कई दुकान लगने लगी।

आज यहां एक दर्जन से अधिक दुकानें हैं, जिसमें प्रतिदिन क्विंटल के हिसाब से पेड़ा की सप्लाई होती है। स्थानीय दुकानदार संजय रावत बताते हैं कि यहां के पेड़ा की खासियत है कि इसमें दूध की शुद्धता को बरकरार रखा जाता है। इस कारण लोग यहां का पेड़ा खाना पसंद करते हैं। इसके अलावा यहां खोवा भी बड़े पैमाने पर तैयार किया जाता है, जो बिना चीनी का होता है। एक-एक दुकान में प्रतिदिन 30 से 50 किलो तक पेड़ा की सप्लाई होती है और पूरे साल यहां के सभी दुकानों से करीब 2 करोड़ के पेड़ा का कारोबार किया जाता है।

कभी-कभी इतनी ज्यादा डिमांड होती है कि दिन रात लगातार काम करने के बावजूद भी हम लोग डिमांड पूरा नहीं कर पाते हैं। पर्व-त्योहार के मौके पर पेड़े की एडवांस बुकिंग होती है। लोग दो-दो दिन पहले ही बुकिंग करा जाते हैं। दुकानदार राकेश कुमार सिंह और प्रमोद सिंह बताते हैं कि जमुई में यहीं का पेड़ा बेचा जाता है। कई वेंडर्स हैं, जो गांव और शहरों में घूम-घूम कर यहां का पेड़ा बेचते हैं। इतना ही नहीं, पटना और देवघर जैसे शहरों में भी यहां के पेड़े के स्टॉल लगते हैं।

अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात जैसी जगहों पर रहने वाले प्रवासी भी जब भारत आते हैं तो यहां का पेड़ा न सिर्फ खाते हैं, बल्कि अपने साथ भी लेकर जाते हैं।

सन 1995 में गांव के लालबहादुर सिंह ने यहां पेड़ा बनाने की शुरूआत की थी। बकुल लाल बहादुर सिंह बताते हैं कि उस वक्त एक किलोग्राम पेड़ा 60 रुपये में बेचते थे। अब पेड़ों का रेट 300 रुपये से शुरू होता है।

खास बात यह है कि कोरोना महामारी के दौरान जब लॉकडाउन लगा, तब रोजी-रोटी के लिए अन्य राज्यों में रहे युवा वापस लौटे तो वे भी पेड़ा व्यवसाय से जुड़ गए। आज घर में रहकर युवा अच्छी आमदनी कमा रहे हैं। इतना ही नहीं, पेड़ा का व्यवसाय चला तो गांव के चौक की जमीन की कीमत भी बढ़ गई है।

झारखंड के 25वें स्थापना दिवस पर प्रखण्डों में ग्राम संगठन स्तर पर रजत जयंती समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। झारखंड राज्य स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आज दिनांक 14 नवंबर 2025 को राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (पलाश) के अंतर्गत खूँटी जिले के सभी प्रखंडों में कुल 644 ग्राम संगठनों में रजत जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

अड़की प्रखण्ड के पिस्काहातु गाँव स्थित मां भवानी महिला ग्राम संगठन में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने हेतु जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती मनीषा साँचा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत सभी प्रतिभागियों के परिचय से की गई।

महिलाओं के सशक्तिकरण एवं सामाजिक जागरूकता पर शपथ- ग्रामीण महिलाओं में जागरूकता और नेतृत्व को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कार्यक्रम में जेंडर शपथ, स्वास्थ्य शपथ तथा समूह संचालन के दस सूत्रों पर ग्राम संगठन की अध्यक्ष श्रीमती कविता तिवारी द्वारा सभी दीदियों को शपथ दिलाई गई।

25 वर्षों के बदलाव पर चर्चा- कार्यक्रम के दौरान विगत 25 वर्षों में गांव में आए सकारात्मक परिवर्तनों पर विस्तृत चर्चा की गई। दीदियों ने साझा किया कि–पहले गांव में बिजली, पानी, शौचालय और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएँ सीमित थीं।

अब स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने के बाद न केवल सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण बढ़ा है बल्कि गांव में बिजली आपूर्ति, स्वच्छ पेयजल, शौचालय निर्माण, और

सड़क संपर्क जैसी सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। परिवारों की आर्थिक स्थिति में भी महत्वपूर्ण बदलाव आया है।

अगले 5 वर्षों की सपनों की रूपरेखा दीदियों ने आपसी विचार-विमर्श के दौरान गांव और अपने परिवार के अगले 5 वर्षों के लक्ष्यों को साझा किया।

इनमें प्रमुख रूप से–शिक्षा एवं स्वास्थ्य में सुधार, सभी परिवारों के लिए सुरक्षित आवास, हिंसा मुक्त गांव का निर्माण, आय बढ़ाने हेतु आजीविका गतिविधियों से 100% परिवारों का जुड़ाव जैसी प्राथमिकताएँ शामिल रहीं।

उत्कृष्ट समूह और कार्यकताओं का सम्मान कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समूहों एवं कार्यकताओं को सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट समूह- जय श्री महिला समिति - प्रथम, विश्वकर्मा महिला समिति - द्वितीय तथा अन्नपूर्णा महिला समिति -तृतीय उत्कृष्ट कार्यकर्ता: कविता तिवारी (सक्रिय महिला) को उत्कृष्ट सक्रिय महिला के रूप में चयनित कर प्रशस्ति पत्र एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महज 27 मतों से जीते जदयू के राधाचरण साह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के चुनावों के परिणाम आने शुरू हो गए हैं। भोजपुर में बिहार का सबसे रोमांचक और नजदीकी मुकाबला हुआ है। जिले के संदेश विधानसभा क्षेत्र में जदयू प्रत्याशी राधाचरण साह केवल 27 वोट से चुनाव जीत गए हैं।

28 राउंड की मतगणना के दौरान कई बार मामला आगे-पीछे होता रहा। हालांकि, अधिकांश समय राजद के दीपू सिंह आगे रहे, लेकिन अंतिम के चार-पांच चरणों में जदयू प्रत्याशी ने अच्छी रिकवरी की। 28 में राउंड की मतगणना के बाद राजद यहां से 36 मतों से आगे था। उसमें पोस्टल बैलट जोड़े गए तो जदयू प्रत्याशी 27 वोटों से आगे हो गए।

इस खबर को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं।

हम लेटेस्ट और ब्रेकिंग न्यूज को तुरंत ही आप तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रारंभिक रूप से प्राप्त जानकारी के माध्यम से हम इस समाचार को निरंतर अपडेट कर रहे हैं।

बाल दिवस पर मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा/मांझी। रिद्धि-सिद्धि सेंट्रल स्कूल, नचाप में बाल दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर शुक्रवार को अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी सह मेधा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति की गई।

समारोह की शुरूआत देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन परमेश्वर सिंह ने पंडित जवाहर लाल नेहरू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों के प्रति उनके लगाव एवं लोकप्रियता को रेखांकित करते हुए उन्हें चाचा नेहरू के नाम से प्रसिद्धि प्राप्त करने को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

इस दौरान आयोजित अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी में आगत अभिभावकों का स्वागत विद्यालय के प्राचार्य दशरथ साह ने किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के निदेशक राकेश कुमार सिंह एवं संचालन संयुक्त निदेशक मुकेश कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर अर्द्धवार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को प्रगति पत्रक व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर पुरस्कृत व सम्मानित किया गया। स्कूल प्रबंधन द्वारा अभिभावकों से छात्र-छात्राओं को प्रतिदिन स्कूल भेजने व बदलते मौसम में उनके स्वास्थ्य एवं परिधान का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई।

वहीं कार्यक्रम में मौजूद रुचि सिंह, हरिशंकर गुप्ता, मुकेश्वर कुमार सिंह, साक्षी सिंह आदि अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण

विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे शिक्षक व अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ है।

समारोह को सफल बनाने में स्कूल के प्राचार्य दशरथ साह, शिक्षक-शिक्षिकाओं क्रमशः वीर सिंह राजपूत, सूरज कुमार शर्मा, ममता, गायत्री कुमारी, ब्रजेश कुमार सिंह, ज्योति यादव, महमूद आलम, संतोष कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार यादव, मोहम्मद नईम खान, बसंत कुमार राय, मनोरमा कुमारी, संतोष कुमार ठाकुर, तेजप्रताप सिंह, निकिता कुमारी, प्रिंस कुमार, अरविंद श्रीवास्तव, चंदन पंडित, अर्जुन राय, विक्की कुमार सिंह, मल्लिकार्जुन कुमार सिंह, अभिषेक कुमार सिंह, अतुल तिवारी, शैलेश कुमार महतो, अंजलि भारद्वाज, पूजा सिंह, संतोष कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, सुहानी सिंह, नुपुर श्रीवास्तव, नैन्सी कुमारी आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

अब 18 नवम्बर तक भर सकेंगे फार्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर! बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने इंटर वार्षिक परीक्षा 2026 में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए आनलाइन परीक्षा फार्म भरने की तिथि बढ़ा दी है। विलंब शुल्क के साथ अब 18 नवंबर तक आवेदन किया जा सकता है।

मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी ही आनलाइन आवेदन समिति की वेबसाइट पर कर सकते हैं। परीक्षा समिति ने छात्र-छात्राओं के हित में तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया है। जिन विद्यार्थियों का परीक्षा फार्म शुल्क पूर्व से जमा है, लेकिन परीक्षा आवेदन नहीं भरा जा सका है, उनका आवेदन भी इस विस्तारित तिथि से किया जा सकता है।

विद्यालय प्रधान ही विद्यार्थी से शुल्क लेकर जमा करेंगे। ऐसा नहीं करने वाले फार्म भरने से वंचित रह जाएंगे। सत्र 2024-26 में इंटर के वैसे छात्र-छात्रा जिनका हस्ताक्षरित घोषणा युक्त डमी सूचीकरण प्रमाण पत्र समिति के पोर्टल पर अपलोड नहीं है, उनको इंटर वार्षिक परीक्षा के लिए आवेदन भरने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

परीक्षा समिति ने स्पष्ट किया है कि हस्ताक्षरित घोषणा युक्त डमी सूचीकरण कार्ड समिति के पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। सिर्फ उन विद्यार्थियों का ही मूल सूचीकरण प्रमाण पत्र समिति की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। इसके साथ ही उक्त वेबसाइट पर इंटर परीक्षा आवेदन पत्र भी अपलोड कर दिया गया है। दो प्रकार के आवेदन पत्र का प्रपत्र पोर्टल पर अपलोड किया गया है। सत्र 2024-26 के लिए सूची नियमित एवं स्वतंत्र कोटि के विद्यार्थियों के लिए यह प्रपत्र दो खंडों यथा खंड ए एवं खंड बी में है।

खंड ए में क्रमांक एक से 17 तक विद्यार्थी का विवरण भरा हुआ है, जो विद्यार्थी के सूचीकरण विवरणों के आधार पर है। उसमें विद्यार्थी द्वारा कोई भी छेड़छाड़ परिवर्तन नहीं किया जाना है। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है, केवल मान्यता प्राप्त प्लस टू विद्यालयों के प्रधान द्वारा वैध छात्र-छात्राओं का ही परीक्षा आवेदन भरा जाएगा एवं शुल्क जाम किया जाएगा।

एनिमिया के शिकंजे में जिले की 64 फीसदी महिलाएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। जिले में 06 से 59 माह के 69.5 प्रतिशत बच्चे एवं 58.3 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं समेत प्रजनन आयु वर्ग की 63.6 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से ग्रसित हैं। इस बीमारी से बचाव के लिए स्वास्थ विभाग के एक अभियान के तहत छह विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं व बच्चों को लक्षित किया गया है।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एनीमिया जैसे गंभीर रोगों से उनका बचाव करना है। इस कार्यक्रम के तहत एनीमिया में प्रतिवर्ष तीन प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है।

कुपोषण से लड़ने की राह में एनीमिया एक गंभीर बीमारी व बाधा के रूप में उभरी है। खासकर महिलाएं और प्रसूताओं को इस बीमारी से ज्यादा परेशानी हो रही है। थोड़ी सी भी लापरवाही जान को जोखिम में डाल सकती है।

इसलिए लोगों को इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। व्यक्ति के शरीर में आयरन की कमी के कारण जब हीमोग्लोबिन का बनना सामान्य से कम हो जाता है, तब शरीर में खून की कमी होने लगती है।

इस स्थिति को ही एनीमिया कहा जाता है। इस बीमारी से बचाव के लिए लोगों को जीवनशैली में बदलाव और आयरनयुक्त आहार का सेवन करने की जरूरत है। जिले में स्वास्थ्य विभाग केंद्र सरकार द्वारा संचालित एनीमिया मुक्त भारत निर्माण योजना को प्रभावी बनाने के प्रयासों में जुट गया है।

सिविल सर्जन डॉ. एसके सिन्हा ने बताया कि एनीमिया का शुरूआती लक्षण थकान, कमजोरी, त्वचा का पीला होना, दिल की धड़कन में बदलाव, सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना, सीने में दर्द होना, हाथों और पैरों का ठंडा होना, सिरदर्द आदि हैं।

ऐसे लक्षण अगर आपको दिखाई दें तो तत्काल अपनी जीवनशैली में बदलाव करें और डाक्टर के पास जाकर इलाज करवाएं।

तेघरा में भाजपा ने खत्म की सीपीआई की बादशाहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को 25 राउंड की गिनती के बाद तेघड़ा विधानसभा सीट के नतीजे की घोषणा की। यहां पर सीपीआई का राज खत्म हुआ और राम रतन सिंह के लगातार दूसरी बार विधायक बनने की उम्मीदें टूट गईं। भाजपा प्रत्याशी रजनीश कुमार ने राम रतन सिंह को 35364 वोटों से शिकस्त दी। रजनीश कुमार को कुल 112770 वोट मिले। याद हो कि 2020 में सीपीआई ने तेघड़ा सीट जीती थी। तब राम रतन सिंह विधायक बने थे।

तेघड़ा विधानसभा सीट बेगुसराय लोकसभा सीट के अंतर्गत आती है। पता हो कि 1951 में हुए चुनाव में यहां कांग्रेस के राम चरित्र सिंह ने चुनाव जीता। वहीं, 2020 में सीपीआई के राम रतन सिंह इस सीट से विधायक बने थे।

गौरतलब है कि पहले तेघड़ा विधानसभा का नाम बरौनी हुआ करता था, बाद में इसे बदल कर तेघड़ा किया गया। तेघड़ा में राजेन्द्र सेतु, धर्मराज घाट अयोध्या और सिमारिया घाट, बरौनी जैसे प्रसिद्ध स्थल हैं।

बता दें कि तेघड़ा सीट के लिए 17 लोगों ने आवेदन किया था, जिसमें से 16 के नाम पर मंजूरी मिली थी। एक ने अपना नाम वापस लिया था। मगर 13 लोगों को चुनाव लड़ने का मौका मिला। बहुजन समाज पार्टी ने मोहम्मद सकील को चुनावी मैदान में उतारा। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने रजनीश कुमार पर भरोसा जताया।

जनता क्रांति पार्टी (राष्ट्रवादी) ने अवधेश कुमार को मैदान में उतारा जबकि समता पार्टी ने अविनाश भारती पर विश्वास जताया। जनशक्ति जनता दल ने चंद्र प्रकाश सिंह को अपना दावेदार बनाया। जन सुराज पार्टी ने राम नंदन सिंह पर भरोसा किया। कम्यूनिस्?ट पार्टी ऑफ इंडिया ने राम रतन सिंह को जिम्मेदारी सौंपी। केदारनाथ भास्कर, बसंत कुमार, मृणाल वरुण, राम कुमार, राम पुकार ठाकुर और सुधा भारती निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में उतरी।

इस प्रकार से तेघड़ा सीट पर प्रदेश की चार प्रमुख पार्टियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। इनके अलावा कुछ अन्य दलों ने भी अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं।

धान की फसल हुई तैयार, किसानों में जागी नई सरकार से नई उम्मीदें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। धन का कटोरा कहे जाने वाला करगहर प्रखंड में धान पककर पूरी तरह तैयार हो गया है। किसान चुनाव बीतने का इंतजार कर रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव का मतगणना समाप्त होने के बाद ही धान की कटाई में तेज रफ्तार पकड़ ले।

धान की कटाई से पूर्व रवि बुवाई के लिए किसान अभी से ही खाद खरीदना शुरू कर दिए हैं। छठ के दौरान हुई भारी वर्षा से अधिकांश जगहों पर धान की फसल खेतों में गिर गई है।

जिसके कारण खेतों का पानी विलंब से सूख रहा है। खेतों में गिरे धान के कारण विलंब से कटाई होना स्वाभाविक है। फिर भी जो भी धान खड़े हैं इसका उत्पादन अच्छी होने की संभावना जताई जा रही है। अधिकांश जगहों पर खेत गीला होने के कारण हार्वेस्टर से धान की कटाई करना संभव नहीं लग रहा है। दूसरी ओर हाथ से धान की कटाई करने के लिए पर्याप्त मजदूर भी नहीं मिल पा रहे हैं। अधिकांश मजदूर अन्य प्रदेशों के कंपनियों में काम करते हैं। 20 पंचायत के इस प्रखंड में धान की खेती अच्छी होती है। सबसे अधिक ठोरसन पंचायत में 1559 हेक्टेयर एवं सबसे कम करगहर पंचायत में 561 हेक्टेयर धान की रोपाई हुई है। खैरा शाहमल पंचायत में 993.78, सेमरी में 1203.38, बड़हरी में 934.64, अकोढ़ी में 1266.25, सेन्दुआर में 1144.47, समरडीहां में 1291.12, खड़ारी में 1369.59, रुपैठा में 886.26, भोखरी में 1524.35, रीवा में 1407.41, करगहर में 561.54, कल्याणपुर में 1482.66, डुमरा में 1195.06, बभनी में 1075, रामपुर में 1011.90, शिवन में 1227.44, ठोरसन में 1559.89, बसडीहां में 1336.66, बकसड़ा में 1531.99 एवं अररुआं में 1338.57 हेक्टेयर खेत में धान की रोपाई की गई है।

अरवल के परवल की बाजारों में धूम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। जिले में परवल की खेती आर्थिक समृद्धि का नया रास्ता बना रही है। सोन नदी के बालू वाले क्षेत्रों में उपजने वाला परवल स्वाद, गुणवत्ता और बाजार में मांग के लिए जाना जाता है। जिले में लगभग 200 एकड़ क्षेत्र में परवल की खेती होती है, जिसमें परासी, रामपुर वैना, पिपरा बांग्ला और ओझा बीघा के किसान सबसे अधिक सक्रिय हैं।

किसानों का कहना है कि परवल की खेती कम लागत में अधिक मुनाफा देती है। रामपुर वैना के किसान संजय कुमार, मुन्ना चौधरी, बाल्मीकि वर्मा और मनोज सिंह के अनुसार, एक बीघा परवल की खेती में लगभग 15 से 20 हजार रुपये की लागत आती है, जबकि मुनाफा 80 हजार से डेढ़ लाख रुपये तक होता है। इस प्रकार कम निवेश में उच्च उत्पादन और बेहतर आर्थिक लाभ सुनिश्चित होता है।

सोन नदी के बालू पर उगने वाला परवल अन्य जगह के परवल की तुलना में पतला, लंबा और फूल लगा हुआ होता है, जिससे इसका स्वाद अत्यंत अच्छा होता है। यही कारण है कि भोजपुर, औरंगाबाद और पटना के व्यापारी अरवल के परवल की ओर विशेष रुचि दिखा रहे हैं। परवल की रोपाई अक्टूबर में होती है और दिसम्बर के अंतिम सप्ताह या जनवरी से फलन शुरू होकर बरसात तक चलता है।

किसानों ने बताया कि अरवल में परवल के साथ ही हजारों एकड़ में ककड़ी, खीरा, नेनुआ, भिंडी, लौकी, करेला जैसी अन्य सब्जियों की खेती भी बड़े पैमाने पर की जाती है। इन सब्जियों की खेती से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है और पलायन रुक गया है।

हालांकि, जिले में सरकारी मंडी न होने के कारण किसान अपने उत्पाद का उचित मूल्य नहीं पा पा रहे हैं। बिचौलियों के कारण मेहनत करने वाले किसानों को कम लाभ मिलता है। किसानों की मांग है कि जिले में सरकारी मंडी बनाई जाए, ताकि सब्जी और परवल उत्पादक किसानों को उचित मूल्य और आर्थिक उन्नति मिल सके।

अरवल के परवल की इस खेती ने न सिर्फ किसानों की आय बढ़ाई है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार भी सृजित किया है। कम लागत, अच्छा उत्पादन और स्वादिष्ट उपज के कारण यह जिले की प्रमुख आर्थिक गतिविधियों में शुमार हो चुका है।

अरवल। जिले में परवल की खेती आर्थिक समृद्धि का नया रास्ता बना रही है। सोन नदी के बालू वाले क्षेत्रों में उपजने वाला परवल स्वाद, गुणवत्ता और बाजार में मांग के लिए जाना जाता है। जिले में लगभग 200 एकड़ क्षेत्र में परवल की खेती होती है, जिसमें परासी, रामपुर वैना, पिपरा बांग्ला और ओझा बीघा के किसान सबसे अधिक सक्रिय हैं।

किसानों का कहना है कि परवल की खेती कम लागत में अधिक मुनाफा देती है। रामपुर वैना के किसान संजय कुमार, मुन्ना चौधरी, बाल्मीकि वर्मा और मनोज सिंह के अनुसार, एक बीघा परवल की खेती में लगभग 15 से 20 हजार रुपये की लागत आती है, जबकि मुनाफा 80 हजार से डेढ़ लाख रुपये तक होता है। इस प्रकार कम निवेश में उच्च उत्पादन और बेहतर आर्थिक लाभ सुनिश्चित होता है।

सोन नदी के बालू पर उगने वाला परवल अन्य जगह के परवल की तुलना में पतला, लंबा और फूल लगा हुआ होता है, जिससे इसका स्वाद अत्यंत अच्छा होता है। यही कारण है कि भोजपुर, औरंगाबाद और पटना के व्यापारी अरवल के परवल की ओर विशेष रुचि दिखा रहे हैं। परवल की रोपाई अक्टूबर में होती है और दिसम्बर के अंतिम सप्ताह या जनवरी से फलन शुरू होकर बरसात तक चलता है।

किसानों ने बताया कि अरवल में परवल के साथ ही हजारों एकड़ में ककड़ी, खीरा, नेनुआ, भिंडी, लौकी, करेला जैसी अन्य सब्जियों की खेती भी बड़े पैमाने पर की जाती है। इन सब्जियों की खेती से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है और पलायन रुक गया है।

भाजपा कार्यालय में बिहार में एनडीए की जीत पर जश्न, बांटी गई मिठाइयां, लोगों ने एक-दूसरे को दी बधाई

बिहार के विकास की रफ्तार और तेज होगी : डॉ. दिलीप जायसवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की रिकॉर्ड जीत के बाद बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में जमकर जश्न मनाया गया। इस जीत की खुशी में मिठाइयां बांटी गईं और लोगों ने एक-दूसरे को जीत की बधाई दी। एनडीए प्रत्याशियों की जीत पर भाजपा कार्यालय में होली और दिवाली का नजारा एक साथ नजर आया। कार्यकर्ताओं ने इस मौके पर जमकर आतिशबाजी की। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने इस जीत को लेकर मतदाताओं और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने बिहार की महिलाओं और युवाओं का आभार जताते हुए कहा कि बिहार के मतदाताओं ने विकास के चलने का निश्चय दोहराया है। उन्होंने इस जीत को एनडीए कार्यकर्ताओं की जीत बताया और इस जीत को उन्हें समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह परिणाम यह साबित करता है कि अब यहां की जनता किसी भी परिस्थिति में 'जंगल राज' की पुनर्वापसी नहीं चाहती और सुशासन और न्याय के साथ विकास के साथ चलना चाहती है। उन्होंने कहा विकास, सुशासन, स्थिरता और प्रगति के मार्ग पर पुनः विश्वास जताते हुए बिहार के लोगों ने बहुमूल्य मत देकर एनडीए की नीतियों, दृष्टि और संकल्प को अटूट समर्थन प्रदान किया है। यह जनादेश केवल एक विजय नहीं, बल्कि बिहार की आकांक्षाओं, उम्मीदों और उज्ज्वल भविष्य में आपके अडिग विश्वास की पुनर्पुष्टि है। उन्होंने इस प्रचंड बहुमत के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा बिहार के सर्वाधिक लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हृदय से धन्यवाद एवं विनम्र आभार प्रकट करते हुए कहा कि दूरदर्शी मार्गदर्शन, अदम्य संकल्प और निरंतर प्रोत्साहन ने इस विजय को संभव बनाया है। उन्होंने भाजपा के निष्ठावान, कर्मठ, अनुशासित एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को हृदय तल से बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनके दिन-रात की परिश्रम, संगठनात्मक शक्ति और अटूट समर्पण से इस सफलता को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। बिहार की इस ऐतिहासिक जीत को हम विनम्रता, सेवा-भाव और जनकल्याण की प्रतिबद्धता के साथ स्वीकार करते हैं। उन्होंने संकल्प दोहराते हुए कहा कि बिहार के विकास की रफ्तार और तेज होगी, सुशासन और सुदृढ़ होगा और जनता का विश्वास हमारे हर निर्णय का मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने एनडीए में शामिल सभी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं का भी आभार जताया और जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जनादेश डबल इंजन की सरकार के किए जा रहे कार्यों पर मुहर है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार में किए गए कार्यों को जनता ने स्वीकारा है जिसका यह परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह जीत देवतुल्य कार्यकर्ताओं का समर्पण एवं जनता के भरोसे की जीत है। बिहार भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने एनडीए कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि बिहार में मतदाताओं ने परिवारवादी पार्टियों और भ्रष्टाचारियों पार्टियों को पूरी तरह नकार दिया। जनता ने साफ संकेत दे दिया कि जनता विकास के साथ चलेगी। उन्होंने कहा कि जनता ने विपक्ष के अहंकार को नकारा है और डबल इंजन की सरकार को स्वीकारा है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मनाए जा रहे जश्न में बड़ी संख्या में प्रदेश पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और भाजपा के पक्ष में नारे लगाए। इधर, इस जीत के बाद कार्यकर्ता पूरी तरह जोश में नजर आए।

बिहार की जीत पीएम मोदी और सीएम नीतीश पर भरोसा : सम्राट चौधरी

बिहार की जनता ने अहंकारी, भ्रष्टाचारी नेतृत्व को नकारा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में एनडीए की अभूतपूर्व और ऐतिहासिक जीत के बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय में जमकर जश्न मनाया गया। इस जीत की खुशी में मिठाइयां बांटी गईं और लोगों ने एक-दूसरे को जीत की बधाई दी। इस खुशी के मौके पर बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के नेता सम्राट चौधरी ने इस जीत को लेकर बिहार के लोगों, मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने बिहार विधानसभा 2025 में मिली एकतरफा और ऐतिहासिक जीत के लिए देवतुल्य बिहारवासियों का दिल से आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह प्रचंड विजय लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में बिहार की नारीशक्ति के आशीर्वाद, बढ़ती पेंशन से प्रसन्न बुजुर्गों के स्नेह, रोजगार के अपार अवसरों पर युवाओं के भरोसे और किसानों की उम्मीदों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जन-जन के इस विश्वास ने सुशासन और विकास की ताकत को एक बार फिर प्रमाणित किया है। भरोसा देते हुए उन्होंने कहा कि अब बिहार नई गति, नए संकल्प और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगा और भी मजबूत और भी सक्षम होगा। उन्होंने बिहार चुनाव में एनडीए को मिली जीत को प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भरोसा बताया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं था। बिहार के नौजवानों को नौकरी देने की बात कर रहे थे, लेकिन उनके पास कोई प्लान नहीं था। उन पर जनता का कोई विश्वास नहीं था। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए की जीत से साफ है कि बिहार ने अहंकारी और भ्रष्टाचारी नेतृत्व को नकारा है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश एनडीए पर विश्वास पर मुहर है। उन्होंने कहा कि बिहार के मतदाताओं ने परिवारवादी पार्टियों और भ्रष्टाचारी पार्टियों को पूरी तरह नकार दिया। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि एनडीए ने लोगों का दिल जीता है। एनडीए ने लोगों के लिए काम किया है। एनडीए के शासन में लोग, खासकर महिलाएं, सुरक्षित महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने इस जनादेश से साफ कर दिया कि अब वे जंगलराज और माफियाराज कभी नहीं आने देंगे। लोगों में बिहार को आगे बढ़ते देखने की चाह है, इसलिए उन्होंने बढ़-चढ़कर एनडीए को वोट दिया है।

एनडीए बिहार के विकास की रफ्तार को और बढ़ाएगा : विनोद तावड़े

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े ने आज विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत को लेकर बिहार के मतदाताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि युवा, किसान और महिलाओं ने दिल खोलकर एनडीए को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि लोगों के कल्याण के लिए काम करते रहिए, जनता आशीर्वाद देगी, यही एनडीए की नीति है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और नीतीश सरकार कल्याणकारी योजनाओं के जरिये लोगों का प्रमाणिकता के साथ विकास करती रही। ऐसा नहीं है कि ये योजनाएं चुनाव के समय लाए गए। आज के नतीजे को देखें तो कहा जाता है कि 30 सीटें ऐसी हैं जो मुस्लिम और यादव बहुल हैं और वहां पर एनडीए जीती है। अति पिछड़ा समाज बहुल 110 सीटें जीती हैं। बिहार की जनता ने विकास की राजनीति पर अपनी मुहर लगाई है। यह जीत बिहार को आगे ले जाएगी। उन्होंने कहा कि बिहार में पलायन कम हुआ है, लोगों ने यह भी देखा है। लालू यादव और तेजस्वी यादव का सभी परिवारों को नौकरी देने का नारा लोगों ने नकार दिया। इस चुनाव में किसी प्रकार की हिंसा नहीं हुई और किसी भी बूथ पर पुनर्मतदान नहीं हुआ। यह जनता के भरोसे का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता सच जानती है। यही कारण है कि यहां की जनता झूठे नारों के पीछे नहीं भागी। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के वोट चोरी को भी नकार दिया। उन्होंने आश्वस्त करते हुए कहा कि एनडीए विकास की रफ्तार को और बढ़ाएगी। इस प्रेस वार्ता में भाजपा के सांसद भीम सिंह और प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल भी मौजूद रहे।

पॉलिसीधारक ऑनलाइन माध्यमों से प्रीमियम कर सकते हैं जमा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में एलआइसी के स्टॉल का उद्घाटन जे. पी. एस. बजाज, क्षेत्रीय प्रबंधक, उत्तर क्षेत्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर एलआइसी के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। 14 दिनों की अवधि में चलने वाले इस मेले में निगम की विभिन्न योजनाओं तथा एजेंट के रूप में भर्ती के लिए उपलब्ध करियर अवसरों की जानकारी दी जाएगी। एलआइसी की इ-सेवाओं एवं अन्य ऑनलाइन सेवाओं के बारे में भी जानकारी साझा की जाएगी। एलआइसी ने कार्यालय को पेपरलेस बनाने की दिशा में भी आगे कदम बढ़ाए हैं। बदलते परिवेश में निगम ने विभिन्न साधनों को अपनाकर पॉलिसी सर्विसिंग को और अधिक आसान एवं सुलभ बना दिया है। पॉलिसीधारक विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों से प्रीमियम जमा कर सकते हैं। ग्राहक अपनी पॉलिसियों से संबंधित जानकारी एलआईसी की वेबसाइट पर जाकर वर्चुअल असिस्टेंट 'एलआईसी मित्र' के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा वे 022-68276827 नंबर पर डायल करके आइवीआरएस के माध्यम से भी यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सभी पॉलिसीधारक एलआइसी के व्हाट्सएप नंबर पर भी अपनी पॉलिसियों से संबंधित सूचनाएं और सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। इस वर्ष एलआईसी अपना 69वां स्थापना दिवस मना रहा है। देश की प्रमुख वित्तीय संस्थाओं में से एक होने के नाते, इसने बड़ी संख्या में लोगों की बीमा आवश्यकताओं को पूरा किया है। एलआइसी ने बीमायोग्य जनसंख्या की बदलती प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर नवीन उत्पाद बाजार में प्रस्तुत किए हैं। बीमा के साथ-साथ, एलआइसी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का भी निर्वहन एलआइसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन के माध्यम से करता है जो शिक्षा, चिकित्सा और अन्य सामाजिक सेवाओं में योगदान देता है। एलआइसी राष्ट्र-निर्माण परियोजनाओं में भी महत्वपूर्ण योगदान देता रहा है।

दोनों गठबंधनों की तीखी भिड़ंत में तीसरे मोर्चे को नहीं मिली कोई जगह, जन सुराज को भारी नुकसान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का रुझान इस बार इतना स्पष्ट और तीव्र ध्रुवीकृत रहा कि राजनीतिक मुकाबला पूरी तरह एनडीए और महागठबंधन के बीच सिमट गया। दोनों गठबंधनों की सीधी टक्कर ने चुनाव को द्विपक्षीय मुकाबले का रूप दे दिया जिसमें किसी तीसरे विकल्प के लिए जनता ने बिल्कुल भी स्थान नहीं छोड़ा। पूरे बिहार में जो मतदान पैटर्न उभरकर सामने आया, उसने यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया कि मतदाता इस चुनाव में अपने वोट को निर्णायक परिणाम देने वाले गठबंधनों तक ही सीमित रखना चाहते थे। चुनाव परिणामों ने महागठबंधन और विशेषकर राष्ट्रीय जनता दल के सामने बड़ा झटका खड़ा किया है। सत्ता वापसी की आस में लगी आरजेडी को उम्मीद से काफी कम सीटें मिलीं, लेकिन सबसे बड़ा नुकसान उन नेताओं और दलों को हुआ जिन्होंने इस चुनाव को त्रिकोणीय मुकाबले के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की थी। प्रशांत किशोर का जन सुराज इस श्रेणी में सबसे प्रमुख रहा जिसे पूरे बिहार में एक भी सीट हासिल नहीं हो सकी। व्यापक प्रचार, गांव-गांव जन संवाद और बड़े दावों के बावजूद जन सुराज जनता के मूड को भांपने में पूरी तरह विफल रहा। राज्य के अधिकांश विधानसभा क्षेत्रों में देर शाम तक आए रुझानों ने दिखा दिया कि वोटों का बंटवारा लगभग पूरी तरह एनडीए और महागठबंधन के बीच ही हुआ। किसी अन्य दल या तीसरे मोर्चे के प्रत्याशियों को महज कुछ हजार वोटों से संतोष करना पड़ा। कई सीटों पर तीसरे स्थान पर रहे प्रत्याशियों को 5 से 10 हजार वोट भी नहीं मिल पाए जो इस बात का संकेत है कि मतदाताओं का मूड बिल्कुल साफ था—या तो सरकार बदलो या सरकार बनाओ, लेकिन मध्य का रास्ता नहीं। मतदान ट्रेंड स्पष्ट रूप से बताता है कि लोग इस बार 'वोट की बर्बादी' नहीं चाहते थे। बिहार की जनता ने इस चुनाव में छोटे दलों, नए प्रयोगों और तीसरे विकल्पों को नजरअंदाज करते हुए अपना समर्थन सीधे बड़े गठबंधनों की ओर मोड़ दिया। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह ध्रुवीकरण उस माहौल की देन है जिसमें जनता एक स्थिर और निर्णायक सरकार देखना चाहती थी और यही कारण है कि तीसरे विकल्प की संभावनाएं पूरी तरह ध्वस्त हो गईं। बिहार चुनाव के इस परिणाम ने साफ कर दिया है कि राज्य की राजनीति अभी भी दो बड़े राजनीतिक खेमों के इर्द-गिर्द ही घूमती है। तीसरी शक्ति बनने की कोशिशें तब तक सफल नहीं होंगी जब तक कोई संगठन जनता के बीच व्यापक पैठ और भरोसा नहीं बनाता। इस चुनाव में जन सुराज और अन्य छोटे दलों का प्रदर्शन इस सच्चाई को और मजबूती से सामने लाता है।

सीयूएसबी के गार्गी सदन गर्ल्स हॉस्टल में सांस्कृतिक संध्या अद्वयम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी(गयाजी)। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के गार्गी सदन गर्ल्स हॉस्टल में सांस्कृतिक संध्या अद्वयम का आयोजन शुक्रवार को किया गया जिसमें लड़कियों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अपने संबोधन की शुरुआत विश्वविद्यालय की लड़कियों की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए की। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियों के भीतर प्रतिभा असीमित विस्तार है बस जरूरत है उसे सही मार्गदर्शन और दिशा देने की। पढ़ाई, खेल-कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में इनकी भागीदारी देखकर मन में एक आश्वस्ति आती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सीयूएसबी की छात्राएं जहां भी रहेंगी अपने विश्वविद्यालय, समाज एवं राष्ट्र के नाम को और ऊंचाई पर ही ले जाएंगी। ये हमारी धरोहर हैं इसलिए इन्हें अवसर की स्वतंत्रता देनी चाहिए। इनके भीतर के गुण को बाहर आने देने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होना जरूरी है। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम के औपचारिक उद्घाटन के पश्चात चीफ वार्डेन श्रीमती रेणु के द्वारा कुलपति को अंग वस्त्र एवं पौधा देकर सम्मानित किया एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद स्वागत नृत्य की प्रस्तुति हुई। हॉस्टल में रहने वाली अलग-अलग राज्य की छात्राओं ने अपने यहां के पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने संगीत, नृत्य, नाटक और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का मनमोहक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सुनीता सिंह के साथ विश्वविद्यालय प्रशासन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे जिनमें प्रो. प्रणव कुमार (प्रॉक्टर), प्रो. पवन कुमार मिश्रा (डीएसडब्ल्यू), डॉ. मंगलेश मंगलम (डिप्टी प्रॉक्टर), रश्मि त्रिपाठी (वित्त अधिकारी), प्रो उषा तिवारी (विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग), डॉ. मंजीत सिंह (चीफ वार्डन), डॉ. अबोध कुमार(सहायक प्रॉक्टर), डॉ. रचना विश्वकर्मा (सहायक प्रॉक्टर) तथा प्रतिश दास (उप कुलसचिव) के साथ डॉ. आनंद और डॉ. अनुज कुमार सिंह (सहायक प्रोफेसर), मैत्रेयी सदन की वार्डन डॉ. प्रीति राय, डॉ.तारा काशव शामिल रही। इस आयोजन में गार्गी सदन गर्ल्स हॉस्टल की सभी समितियों के सदस्य और छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आर. एल. उद्धृष्णा देओरी ने आयोजन में शामिल सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार प्रकट किया। इस पूरे आयोजन में छात्रावास की विभिन्न समितियों की छात्राओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हॉस्टल अध्यक्ष सुषमा, मेस अध्यक्ष वर्षा और ईशा, सजावट टीमः साक्षी और दीपाली, सांस्कृतिक टीम में अनामिका महतो, सुहानी, श्रेयश्नि और नंदिनी, अनुशासन टीम श्रृंखला और आभा, वित्त समितिः महविश, मेमेंटो डिजाइनिंग, अनुष्का और ईशा के साथ अन्य सभी छात्रों का योगदान उल्लेखनीय रहा।

प्रचंड जनादेश के लिए जनता का आभार : राजीव रंजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने एनडीए को मिले प्रचंड जनादेश के लिए जनता के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सुशासन, विकास और रोजगार के क्षेत्र में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हासिल उपलब्धियों को जनता ने सराहा। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ग्यारह वर्ष के शासन के दौरान राज्य को मिली केंद्रीय सहायता ने भी इस अभूतपूर्व जीत का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने विपक्ष को रचनात्मक भूमिका में आने की सलाह देते हुए कहा कि उन्हें गलतियों से सबक लेना चाहिए।

बिहार कांग्रेस ने मनायी पूर्व प्रधानमंत्री पंडित नेहरू की 136 वीं जयंती

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आधुनिक भारत के निर्माता और देश के पहले प्रधानमंत्री स्व. पंडित जवाहरलाल नेहरू की 136 वीं जयंती प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में उनके आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण करके मनाई गई। जयंती कार्यक्रम में माल्यार्पण के पश्चात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रो रामजतन सिन्हा ने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माणकर्ता देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने देश को प्रगति पथ पर अग्रसर होने की आधारभूत संरचना के अर्जन में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। पंडित नेहरू ने देश की एकता, अखंडता और सम्प्रभुता को मजबूती और स्थिरता प्रदान की। उन्होंने देश में समता और संवैधानिक प्रतिबद्धता का सृजन किया।जयंती कार्यक्रम में ब्रजेश प्रसाद मुनन, राजेश राठौड़, नरेन्द्र कुमार, कृपानाथ पाठक, संजीव सिंह, डॉ अजय कुमार सिंह, नागेन्द्र कुमार विकल, डा. संजय यादव, अफरोज खान, कुमार आशीष, आशुतोष शर्मा, संतोष कुमार श्रीवास्तव, वैद्यनाथ शर्मा, रौशन कुमार सिंह, चन्द्रभूषण राजपूत, अरविन्द लाल रजक, निधि पाण्डेय, राजीव मेहता, प्रदुम्न कुमार, उदय शंकर पटेल, मृणाल अनामय, मनोज शर्मा, वसी अख्तर, विमलेश तिवारी, अभिषेक कुमार, रामाशंकर पाण्डे सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद थे।

निशुल्क कानूनी सहायता शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी(गयाजी)। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के विधि एवं शासन प्रणाली पीठ के अंतर्गत संचालित विधिक सहायता क्लिनिक के द्वारा मिल्खा सिंह खेल परिसर में निशुल्क कानूनी सहायता शिविर का आयोजन शुक्रवार को किया। विधिक सहायता क्लिनिक के अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार, डीन, एसएलजी के देखरेख में क्लिनिक के समन्वयक डॉ. सुरेंद्र कुमार, सह-समन्वयक डॉ. आनंद प्रकाश नारायण और डॉ. चंदना सुबा के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रो. अशोक कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि कानूनी साक्षरता केवल विधि शिक्षा तक सीमित नहीं है, यह प्रत्येक नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि वे विधिक ज्ञान को अपने जीवन के हर क्षेत्र में व्यावहारिक रूप से लागू करें।

पटना में आज लगेगा चौथा नि:शुल्क थैलेसीमिया एचएलए टेस्ट कैंप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे बच्चों के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए नारायणा हेल्थ बेंगलुरु, मां वैष्णो देवी सेवा समिति और मां ब्लड सेंटर पटना की ओर से चौथा निःशुल्क थैलेसीमिया एचएलए मैचिंग कैंप आज 15 नवंबर शनिवार को लगेगा। यह महाराणा प्रताप भवन पटना में सुबह 9 बजे से शुरू होगा। समिति के सदस्य मुकेश हिसारिया ने बताया कि इस बार कैंप में करीब 300 थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों का 800 से ज्यादा भाई बहन माता पिता के साथ बच्चों कैंप में जांच कराएंगे। यह जांच बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए सही डोनर खोजने में मदद करती है जिससे बच्चों को नई जिंदगी मिल सकती है। कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। समिति के सदस्य कन्हैया अग्रवाल 'कन्नू' के नेतृत्व में करीब 1500 लोगों के लिए भोजन और नाश्ते की व्यवस्था की जा रही है। बच्चों के मनोरंजन के लिए खेल, जादू शो और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी योजना है, ताकि माहौल सहज, पारिवारिक और उत्साहपूर्ण रहे। इस कैंप में नारायणा हेल्थ बेंगलुरु से प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. सुनील भट्ट और विक्की राय भी विशेष रूप से शामिल हो रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में थैलेसीमिया उपचार और बोन मैरो ट्रांसप्लांट से संबंधित नवीनतम जानकारियां साझा की जाएंगी। समिति के अध्यक्ष जयप्रकाश सरावगी, सचिव संजय तोतला, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल सहित सभी कार्यकर्ता इस मानवीय प्रयास में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। मुकेश हिसारिया ने बताया कि अगर शादी से पहले एचबीए2 (थैलेसीमिया माइनर) टेस्ट को अनिवार्य कर दिया जाए तो इस बीमारी से पीड़ित बच्चों के जन्म को रोका जा सकता है। यह समाज के लिए एक बड़ी सेवा होगी। बिहार में यह अब तक का चौथा बड़ा कैंप है। पहला कैंप 23 फरवरी 2020, दूसरा 14 नवंबर 2022 और तीसरा 5 जनवरी 2024 को लगा था। इन प्रयासों से अब तक 57 बच्चों को बोन मैरो ट्रांसप्लांट के माध्यम से नया जीवन मिल चुका है। इस बार भी बिहार के अलावा उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और नेपाल से करीब करीब 300 थैलीसीमिया पीड़ित बच्चे 1500 से ज्यादा लोग पटना पहुंच रहे हैं। उनके रहने और खाने की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी।

जानिए क्या है थैलेसीमिया

थैलेसीमिया एक वंशानुगत रक्त रोग है जिसमें शरीर में हीमोग्लोबिन बनने की प्रक्रिया बाधित हो जाती है। इससे शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और व्यक्ति एनीमिया का शिकार हो जाता है। इसके दो प्रमुख प्रकार हैं— थैलेसीमिया माइनर और थैलेसीमिया मेजर। माइनर रूप में व्यक्ति को कोई गंभीर परेशानी नहीं होती, लेकिन यदि पति-पत्नी दोनों माइनर हैं तो उनके बच्चे को थैलेसीमिया मेजर होने की संभावना रहती है। थैलेसीमिया मेजर से ग्रसित बच्चे को जीवनभर नियमित रूप से रक्त चढ़ाने की आवश्यकता पड़ती है। इस रोग का एकमात्र स्थायी इलाज बोन मैरो ट्रांसप्लांट है जबकि शादी से पहले एचबीए2 टेस्ट करवाकर इस बीमारी को अगली पीढ़ी में जाने से पूरी तरह रोका जा सकता है। पटना कमिश्नर अनिमेष पराशर, बिहार सरकार के विकास आयुक्त सीनियर आईएएस डॉ एस सिद्धार्थ, बिहार सरकार राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव, सीनियर आईएएस दीपक कुमार और सीनियर आईपीएस आलोक राज जी 15 नवंबर(शनिवार)को सुबह थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों को नई जिंदगी की उम्मीद देने और हौसला बढ़ाने के लिए महाराणा प्रताप भवन आ रहे। इस नेक कार्य में पटना के कई स्वयं सेवी संस्थाएं, डॉक्टर्स और समाजसेवीयों ने भी दिल से सेवा करने की सहमति जताई है।

संपादकीय

हर साल वही धुआं, वही बहाने- सांस नहीं, सजा मिल रही है

जब यह लगभग साफ है कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण का गहराता संकट जितना मौसम की मार है, उससे ज्यादा यह सरकार की अनदेखी और लापरवाही का नतीजा है। वरना क्या कारण है कि पिछले कुछ वर्षों की तरह इस बार भी दिल्ली में प्रदूषण की समस्या गंभीर होने को लेकर तमाम पूर्वानुमान सामने आए, लेकिन चंद औपचारिक घोषणाओं के अलावा कुछ भी ऐसा नहीं किया गया, जिससे राजधानी की हवा को थोड़ा साफ रखा जा सके।अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले कई दिनों से लगातार दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 'खराब' या फिर 'बेहद खराब' श्रेणी में बना हुआ है, लेकिन इससे निपटने के लिए ठोस कदम नहीं दिख रहे हैं। उल्टे कई स्तर पर स्थिति बिगड़ने के अनुमानों के बावजूद उदासीनता का आलम कायम है। सवाल है कि दिल्ली में सांस लेने के लिए भी हवा अगर सुरक्षित नहीं बची है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है और लगातार गहराती इस समस्या का समाधान क्या है।यों हर वर्ष ठंड की आहट के साथ ही वायुमंडल में हवा के घनीभूत होने की वजह से धुआं सहित अन्य कारक दिल्ली में वायु गुणवत्ता को बुरी तरह प्रभावित करते हैं। मगर इस वर्ष दिवाली के मौके पर सर्वोच्च न्यायालय की ओर से हरित पटाखों के मामले पर दी गई राहत का बेलगाम तरीके से दुरुपयोग किया गया।नतीजतन, दिवाली के अगले ही दिन स्थिति जिस कदर बिगड़ी देखी गई, वह मौसम की वजह से कम और सरकार से लेकर आम लोगों के स्तर पर बरती गई बहुस्तरीय लापरवाही का नतीजा ज्यादा थी। उसके बाद से दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार या तो 'खराब' या फिर 'बेहद खराब' श्रेणी में बना हुआ है।हालत यह है कि यहां के बहुत सारे लोगों की सेहत के सामने सांस से संबंधित परेशानियों सहित कई तरह की मुश्किलें पैदा हो रही हैं, लेकिन अब भी प्रदूषण को कम या दूर करने के लिए कोई ईमानदार इच्छाशक्ति नहीं दिखती। हालांकि दिल्ली में इस समस्या पर काबू पाने के मकसद से कृत्रिम बारिश कराने के लिए 'क्लाउड सीडिंग' कराने की खबर आई, लेकिन मौसम के साथ नहीं देने की वजह से वह भी कामयाब नहीं हुई।सवाल है कि आज दिल्ली जिस हालत से गुजर रही है, यहां की हवा जिस स्तर तक खराब हो चुकी है, क्या उसके कारणों को सूचीबद्ध करके सार्वजनिक करने की कोशिश सरकार ने की है? उन कारणों पर काबू पाने के लिए क्या व्यवस्था की गई? हकीकत यह है कि प्रदूषण के चिंताजनक स्तर तक पहुंच जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट को केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से हलफनामा दर्ज करने के लिए कहना पड़ रहा है कि प्रदूषण को गंभीर होने से रोकने के लिए क्या कदम उठाने का प्रस्ताव है।

विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर कई विकासशील एवं अविकसित देशों पर लगातार बढ़ रहे ऋण के दबाव के चलते इन देशों की अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव स्पष्टतः दिखाई दे रहा है। इन देशों द्वारा अपने नागरिकों को लम्बे समय तक मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराना जारी रखा गया है एवं यहां की सरकारों द्वारा अपने आय के साधनों में पर्याप्त वृद्धि नहीं की गई है। नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाओं को ऋण लेकर भी जारी रखना अब इन देशों के लिए आत्मघाती निर्णय साबित होता हुआ दिखाई दे रहा है, और आज यह देश दिवालिया होने के मुहाने पर खड़े हैं।

ऋण के जाल में फंसे देशों से भारत के राज्यों को मिलती है सीख

(प्रह्लाद सबनानी)

इन्हें अपना सामान्य प्रशासन चलाने के लिए खर्च करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक आंकलन के अनुसार, अक्टूबर 2025 में वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद का 98.9 प्रतिशत सार्वजनिक ऋण बकाया है, जो वर्ष 2030 तक 102.3 प्रतिशत तक बढ़ जाने की सम्भावना है। विभिन्न देशों के सार्वजनिक ऋण, आय से अधिक खर्च करने की प्रवृति, अधिक ब्याज दर, आय में कम वृद्धि होना, आदि कारकों के चलते लगातार बढ़ता जा रहा है। विकासशील एवं अविकसित देश अपनी आय में वृद्धि नहीं कर पाते हैं परंतु, उन्हें अपने नागरिकों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए खर्च लगातार बढ़ाते रहना होते हैं। इन्हीं कारणों के चलते श्रीलंका, अर्जेंटीना, सूडान, ग्रीस, मालदीव, सेनेगल, आदि देशों में तो आर्थिक आपातकाल की घोषणा करनी पड़ी थी एवं विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं अन्य वैश्विक वित्तीय संस्थानों द्वारा इन देशों की मदद के लिए आगे आना पड़ा था, अन्यथा यह देश लगभग दिवालिया घोषित होने की स्थिति में पहुंच गए थे। वर्ष 2025 में विश्व के प्रथम 10 देशों में, जिनका ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत सबसे अधिक है, शामिल हैं- जापान (229.6 प्रतिशत), सूडान (221.5 प्रतिशत), सिंगापुर (175.6 प्रतिशत), ग्रीस (146.7 प्रतिशत), बहरीन (142.5 प्रतिशत), इटली (136.8 प्रतिशत), मालदीव (131.8 प्रतिशत), अमेरिका (125 प्रतिशत), सेनेगल (122.9 प्रतिशत) एवं फ्रान्स (116.5 प्रतिशत)।

ग्रीस, घाना, हैती, मोजांबीक, पाकिस्तान, जाम्बिया, फिलिपींस, श्रीलंका, कीन्या, अर्जेंटीना, आदि देशों द्वारा अधिक मात्रा में लिए गए ऋण के चलते इनकी वित्तीय स्थिति डावांडोल हो चुकी है। इन देशों द्वारा अपने खर्चों को व्यवस्थित तरीके से नहीं किया गया था एवं केवल जनता को मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराना लम्बे समय तक जारी रखा गया था तथा साथ में आय बढ़ाने के साधनों पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया। इससे इन देशों का बजटीय घाटा लगातार बढ़ता रहा तथा मजबूरी में इन्हें अपने साधारण सरकारी कामकाज चलाने के लिए भी ऋण लेते रहना पड़ा है। वर्ष 2001 में युगांडा में वित्तीय संकट खड़ा हो गया था एवं उस समय पर युगांडा अपने सामान्य खर्चों को जारी रखने के स्थिति में भी नहीं था।

भारत में भी कुछ राज्य फ्रीबी के नाम पर कुछ ऐसी योजनाएं चला रहे हैं जिनके अंतर्गत राज्य की जनता के बिजली एवं पानी के बिल समय समय पर माफ किये जा रहे हैं। किसानों, बुजुर्गों एवं मातृशक्ति के बैंक खातों में सीधे ही कुछ राशि प्रति माह जमा की रही है। जबकि, इन राज्यों की वित्तीय स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि इनके बजट इस अतिरिक्त खर्च को वहन कर सकें। कुछ राज्य तो आज मजबूरी में इन योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए बाजार से ऊंची ब्याज दर पर ऋण भी लेने लगे हैं। जिसका प्रभाव इन राज्यों की वित्तीय स्थिति पर विपरीत रूप से पड़ रहा है। यदि समय पर ये राज्य नहीं चेते एवं इन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं किया तो ये राज्य अपने भारी भरकम ऋणों पर ब्याज अदा करने में चूक करने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। जाहिर तौर पर जब राज्यों की आर्थिक स्थिति की चर्चा होती है तो इसका असर राज्यों के विकास और इन राज्यों में निवास कर रहे नागरिकों के जीवन पर भी पड़ता है। लोकलुभावन राजनीति इन राज्यों की वित्तीय स्थिति को बहुत बुरे तरीके से प्रभावित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के वार्षिक प्रतिवेदन में भी राज्यों की वित्तीय स्थिति को लेकर कई गंभीर पहलु और सवाल खड़े किए गए हैं। विशेष रूप से पंजाब, केरल, झारखंड, राजस्थान और पश्चिम बंगाल आदि राज्य बढ़ते कर्ज के बोझ तले दबे जा रहे हैं और इन राज्यों की अर्थव्यवस्था संकट के दौर से गुजर रही है। हाल ही के समय में पंजाब, केरल, राजस्थान, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की वित्तीय सेहत बहुत बिगड़ी है।

सभी राज्यों की वित्तीय सेहत का विस्तार से आकलन करने पर ध्यान में आता है कि कई राज्यों द्वारा अनियंत्रित रूप से चलाई जा रही मुफ्त योजनाओं, लोकलुभावन घोषणाओं, अत्यधिक सब्सिडी देने एवं पुरानी पेंशन योजना बहाली से इन राज्यों की वित्तीय सेहत बहुत बुरी तरह से बिगड़ रही है। राज्य, विशेष रूप से सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से, कई लोकलुभावन घोषणाएं करते हैं जैसे कि बिजली एवं पानी मुफ्त में उपलब्ध कराने का वादा, उर्वरकों पर सब्सिडी प्रदान करने का वादा आदि जिसका सीधा असर राज्य की माली हालत पर पड़ता है। पंजाब की आर्थिक स्थिति पूर्व में ही बहुत गम्भीर अवस्था में पहुंच चुकी है फिर वहां नई सरकार ने किए गए चुनावी वादे अर्थात मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के अपने वादे पर कार्य करना शुरू कर दिया है जिससे पंजाब की स्थिति निश्चित रूप से और अधिक बिगड़ने जा रही है और पंजाब को ऋण की किश्त एवं ऋणों पर ब्याज अदा करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है। किन परिस्थितियों में, कितने प्रकार की, कितनी और किस स्तर तक लोक लुभावन घोषणाएं की जानी चाहिए, इस सम्बंध में अब नियम बनाने का समय आ गया है। वैसे यदि ऋण को उत्पादक कार्यों पर खर्च किया जाय तो अधिक ऋण-सकल घरेलू अनुपात अपने आप में बुराई नहीं है परंतु जब ऋण लेकर इसे अनुत्पादक कार्यों जैसे मुफ्त बिजली एवं मुफ्त पानी उपलब्ध कराने जैसे कार्यों पर खर्च किया जाता है तो इसका राज्य की आर्थिक व्यवस्था पर बहुत ही बुरा असर पड़ता है। चुनावों के वादे पूरे करने के लिए राज्यों द्वारा ऋण लिए जा रहे हैं। इन्हीं कारणों के चलते पंजाब की आर्थिक हालत आज बहुत ही दयनीय स्थिति में पहुंच गई हैं। देश के कई राज्य आज ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं कि इन राज्यों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक मदद यदि समय पर नहीं पहुंचाई जाती तो इन राज्यों की स्थिति भी आर्जेंटीना, श्रीलंका अथवा ग्रीस जैसी बनती दिखाई देती। कुछ राज्यों की स्थिति तो यह है कि इनके रोजमर्रा के खर्चे चलाने के लिए उनकी कुल आय का 90 प्रतिशत भाग इन खर्चों पर उपयोग हो जाता है जिसके परिणाम स्वरूप राज्य के विकास कार्यों पर खर्च करने को कुछ बचता ही नहीं है। अब इन राज्यों की आय कैसे बढ़े? इन राज्यों द्वारा लगातार की जा रही लोक लुभावन घोषणाओं के कारण इन राज्यों के खर्चे लगातार अनियंत्रित रूप से बढ़ते जा रहे हैं। इस तरह के खर्चों को करने के लिए नित नए ऋण लिए जा रहे हैं और इन ऋण राशि का उपयोग उत्पादक कार्यों में नहीं लगा पाने के कारण ये राज्य अपनी आय में वृद्धि भी नहीं कर पा ररही हैं। इस प्रकार ये राज्य डेट ट्रैप की स्थिति में फंसते जा रहे हैं। आय का 25 से 30 प्रतिशत भाग ऋण का ब्याज भुगतान करने में ही खर्च हो रहा है। पंजाब तो अब आर्थिक मदद के लिए केंद्र सरकार से लगातार गुहार लगा रहा है। इसी तरह राजस्थान, केरल, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की स्थिति भी बिगड़ रही है। अगर राज्य पूंजीगत खर्च नहीं कर रहे हैं तो अपना भविष्य अंधकारमय बना रहे हैं। इस प्रकार तो भविष्य में इन राज्यों की विकास दर भी रुक जाने वाली है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा आगे बढ़कर इस सम्बंध में कुछ नियम जरूर बनाए जाने चाहिए। यदि इन राज्यों की वित्तीय स्थिति लोक लुभावन घोषणाओं को पूरा करने की नहीं है तो, इस प्रकार की घोषणाएं चिन्हित राज्यों द्वारा नहीं की जानी चाहिए, ऐसे नियम बनाए जाने चाहिए। सहायता की राशि केवल चिन्हित व्यक्तियों को ही प्रदान की जानी चाहिए न कि राज्य की पूरी जनता को उपलब्ध करायी जाय। जैसा कि बिजली माफी योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। राज्य के समस्त परिवारों को 330 यूनिट बिजली मुफ़्त में उपलब्ध कराए जाने के प्रयास हो रहे हैं। यदि राज्य की आर्थिक हालत बिगड़ रही है तो इसका खामियाजा भी अंततः उस प्रदेश की जनता को ही भुगतना पड़ता है। यह राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, आदि मदों पर होने वाले खर्च में कटौती करते हैं, जो राज्य के आर्थिक विकास एवं भविष्य में आने वाली पीढ़ी के लिए ठीक नहीं है। राज्य में आर्थिक विकास की गति कम होने से इन राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे है। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

हाथी को जू के बाड़े नहीं, जंगल की मिट्टी और साथी चाहिए

(प्रीतंभरा प्रकाश)

सिर्फ 26 महीने का था शंकर, जब 1998 में जिम्बाब्वे से उड़ान भरकर भारत आया। छोटा, मासूम, नाजुक- एक जीवन जो अभी दुनिया की हवा नहीं सूंघ पाया था। पूर्व प्रेजिडेंट डॉ. शंकर दयाल शर्मा को डिप्लोमैटिक गिफ्ट के तौर पर मिले इस छोटे हाथी का नाम भी उन्हीं के नाम पर रखा गया। दिल्ली जू के बाड़े में कदम रखते समय उसके साथ उसकी साथी मादा हाथी बोंबाई भी थी। लेकिन 2001 में बोंबाई के गुजर जाने के बाद शंकर की दुनिया वीरान हो गई। अफ्रीकी हाथी, जो खुले मैदानों में 20 से 50 किलोमीटर रोज़ चलना पसंद करते हैं, जो सूंडों से रिश्ते जोड़ते हैं और जंगल की गहराई में अपने कुनबे के साथ घूमते हैं, वह शंकर अब 4,930 वर्ग मीटर की कंक्रीट सी दुनिया में बंधा था। उसके पांव जंजीरों में जकड़े गए और अकेलापन उसके भीतर घुसकर बैठ गया। पिछले आठ साल से शंकर विवादों में रहा। एनिमल राइट्स एक्टिविस्टों ने बार-बार चेताया, पिटिशन दायर की, सेंट्रल जू अथॉरिटी ने भी जंजीरों में बंधे हाथी को देखकर आपत्ति जताई। वर्ल्ड असोसिएशन ऑफ जू एंड एक्वेरियम ने दिल्ली जू की सदस्यता सस्पेंड कर दी। तमाम कोशिशों के बावजूद शंकर के लिए कोई साथी नहीं मिल सका। वह अकेले बाड़े में घुटता रहा, जैसे समय उसके लिए ठहर गया हो। 17 सितंबर को उसने खाना छोड़ दिया और शाम तक अपने बाड़े में गिर पड़ा। डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन 29 साल की उम्र में शंकर की सांसें थम गईं। जबकि अफ्रीकी हाथियों की औसत उम्र 70 साल होती है। उस समय उसका वजन करीब 4,000 किलो था, जबकि 1998 में जब उसने पहली बार भारत की मिट्टी छुई थी, केवल 450 किलो था।

बड़ी लापरवाही: अभी अभी आई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में ही खुलासा हुआ है कि दिमाग और दिल की मांसपेशियों में आई सूजन के कारण उसकी मौत हुई थी। समय पर शंकर की हालत खराब होने की जानकारी दिल्ली जू प्रशासन को नहीं मिल पा रही है। यह बड़ी लापरवाही मानी जा रही है। इसने एक बार फिर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

रिहैबिलिटेशन की कोशिशें: एनिमल वेलफेयर एक्टिविस्ट गहरे शोक में हैं। वे लंबे समय से शंकर की रिहैबिलिटेशन की कोशिश कर रहे थे। दिसंबर 2021 में वेट्स डॉ. मणिलाल वल्लियते, डॉ. मिनी अरविंदन और डॉ. नितिन कृष्णगौड़ा ने अध्ययन किया। उनके अनुसार शंकर के बर्ताव में साफ झलकता है कि वह पैरों की बीमारी, लंगड़ापन और गहरे अकेलेपन के कारण गंभीर 'स्टिरियोटिपिक बिहेवियर' झेल रहा था। कोर्ट में पेश की गई तस्वीरों के आधार पर यह भी सामने आया कि शंकर की त्वचा सूखी और घावों से भरी दिख रही थी। यह इसका संकेत है कि उसे मिट्टी और रेत में नहाने का मौका तक नहीं मिल रहा था। हाथियों के लिए यह नहाना उनकी सेहत और खुशहाली का हिस्सा होता है, लेकिन शंकर से यह बुनियादी सुख भी छीन लिया गया था। यूके, कनाडा और केन्या की शोध टीमों ने दुनिया भर के जू में बंद हाथियों का सर्वे किया। परिणाम भयावह था- जू में बंद हाथियों की सेहत धीरे-धीरे बिगड़ती है, उनका जीवन छोटा हो जाता है और प्रजनन रुक जाता है। उनकी मौत के पीछे अक्सर ऐसी बीमारियां होती हैं जो जंगली जीवन में शायद ही आतीं- ओबेसिटी, दिल की बीमारी और गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं। अब दुनिया भर के चिड़ियाघर प्रयास कर रहे हैं कि हाथियों को ऐसे खुले, बड़े क्षेत्र मिलें जहां वे घूम सकें, आपस में मिल सकें और प्रकृति के करीब रह सकें। ऑस्ट्रेलिया में इस साल जू में बंद हाथियों को बड़े खुले एरिया में शिफ्ट किया जा रहा है। जबकि हमारे देश में 2,500 से ज्यादा हाथी अभी कैद में जीवन जी रहे हैं।

सीजेडए की गाइडलाइंस: साल 2009 में सीजेडए (सेंट्रल जू अथॉरिटी) ने साफ निर्देश दिया था कि अब चिड़ियाघरों में हाथियों को नहीं रखा जाएगा। ज्यादातर चिड़ियाघरों में हाथियों के लिए पर्याप्त जगह नहीं है, जिससे तनाव बढ़ता है और प्रजनन रुक जाता है। जो पहले से जू में हैं, उन्हें फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की निगरानी में नैशनल पार्क, वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी, टाइगर रिजर्व या पुनर्वास केंद्रों में स्थानांतरित किया जाएगा। पर यह नीति कागजों तक ही सीमित रही। सुपर्णा कहती हैं कि सिविल सोसाइटी को आगे आना होगा, ताकि नीतियों का पालन हो और जू से हाथियों को छुटकारा मिल सके। बड़े पब्लिक कैंपेन की जरूरत है ताकि शंकर जैसी दुख भरी ज़िंदगी किसी और हाथी की न हो।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

शिशु सुरक्षा के लिए उठाने होंगे ठोस कदम

(रमेश सर्राफ धमोरा)

देश में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और शिशु जन्म दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। 2023 की नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) रिपोर्ट के मुताबिक देश में शिशु मृत्यु दर न्यूनतम 25 पर आ गई है। 2013 में 40 के मुकाबले इसमें 37.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

हर साल 07 नवम्बर को शिशुओं के स्वास्थ्य और कल्याण की सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए शिशु सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रारंभिक स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, टीकाकरण और माता-पिता की शिक्षा को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर को कम करने पर केंद्रित है। दुनिया भर में लाखों शिशु अभी भी संक्रमण, कुपोषण और चिकित्सा सुविधा की कमी जैसे रोकथाम योग्य कारणों से मर जाते हैं। यह दिवस समाज और सरकारों को यह याद दिलाता है कि वे हर बच्चे के जीवन में एक स्वस्थ शुरुआत के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए और अधिक ठोस कदम उठाएँ।

भारत और कई अन्य देशों में शिशु संरक्षण दिवस मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी पहलों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। जननी सुरक्षा योजना और पोषण अभियान जैसे कार्यक्रम शिशुओं की प्रारंभिक देखभाल में सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। यह दिवस माता-पिता को स्वस्थ विकास सुनिश्चित करने के लिए उचित आहार, स्वच्छता और टीकाकरण के नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। नवजात शिशुओं की उचित सुरक्षा ना हो पाने के कारण दुनिया में बहुत सारे बच्चे मौत के आगोश में चले जाते है। हालांकि सरकार ने इसे रोकने कि दिशा में सार्थक प्रयास किये है। जिनकी बदौलत देश में शिशु मृत्यु दर में कमी आयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के अनुसार देश 2030 तक सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) प्राप्त करने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत में नवजात बच्चों की मौतों के मामलों में सरकार के लिए बीते 77 साल बड़ी चुनौती भरे रहे हैं। हालांकि इसमें लगातार कमी आ रही है।

देश में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और शिशु जन्म दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। 2023 की नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) रिपोर्ट के मुताबिक देश में शिशु मृत्यु दर न्यूनतम 25 पर आ गई है। 2013 में 40 के मुकाबले इसमें 37.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं शिशु जन्म दर में पिछले 10 साल में 14 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। 2013 में ये दर 21.4 प्रतिशत थी अभी ये 18.4 प्रतिशत है। आइएमआर एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संकेतक है, जिसे एक वर्ष से कम आयु के पैदा होनेवाले प्रति 1,000 शिशुओं पर होनेवाली मौतों की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह संख्या जितनी कम होगी स्वास्थ्य सेवा की पहुंच उतनी ही बेहतर मानी जाएगी।

एसआरएस रिपोर्ट के मुताबिक 1971 में शिशु मृत्यु दर के मुकाबले 2023 में 80 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा बाल मृत्यु दर प्रति हजार पर 37 दर्ज की गई है। वहीं मणिपुर में ये आंकड़ा तीन का है। 21 राज्यों में केरल ही एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जहां शिशु मृत्यु दर इकाई में दर्ज की गई है। राज्य में ये आंकड़ा 5 का है और मणिपुर के बाद ये दूसरे नंबर पर है।

रिपोर्ट में ग्रामीण क्षेत्रों में ये आईएमआर 44 से घटकर 28 पर आ गई है। वहीं शहरी इलाकों में 27 से घटकर 18 पर आंकी गई है। इस तरह 10 साल में इस दर में 36 प्रतिशत और 33 प्रतिशत की गिरावट क्रमशः दर्ज की गई है। शिशु जन्म दर में भी गिरावट का रुख रिपोर्ट में शिशु जन्म दर में भी गिरावट का रुख दर्ज किया गया है। ये दर जनसंख्या वृद्धि का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। इसके तहत सालभर में प्रति हजार जनसंख्या पर जीवित शिशुओं की संख्या बताई जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच दशकों में जन्म दर में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ये दर 1971 के 36.9 प्रतिशत से गिरकर 2023 में 18.4 प्रतिशत पर आ गई है। इस दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में शिशु जन्म दर करीब-करीब बराबर हो गई है। पिछले 10 वर्ष में जन्म दर 21.4 प्रतिशत से गिरकर 2023 में 18.4 प्रतिशत पर आ गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दशक में जन्म दर में लगभग 14 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2013 में 21.4 से घटकर 2023 में 18.4 हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 11 प्रतिशत घटकर 22.9 से 20.3 हो गई है। वहीं शहरी क्षेत्रों में यह 17.3 से घटकर 14.9 हो गई है, जो लगभग 14 प्रतिशत है। बिहार में 2023 में सबसे ज्यादा जन्म दर 25.8 दर्ज की गई, जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह 10.1 के साथ सबसे कम पर था। रिपोर्ट में कहा गया है कि चंडीगढ़ में सबसे कम मृत्यु दर 4 और छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा 8.3 दर्ज की गई।

भारत ने पिछले सात दशकों में भले ही चिकित्सा क्षेत्र में प्रगति करते हुए शिशु मृत्यु दर पर काबू पाया है। लेकिन आज भी शिशुओं की मौत बड़ा सवाल है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम रिपोर्ट 2023 के अनुसार देश में शिशु मृत्यु दर में काफी सुधार देखा गया है। ये साल 2013 में हर 1000 जन्मे बच्चों में से 40 से घटकर अब 25 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई है। यानी कि मृत्युदर में 37.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। देश में स्वास्थ्य सम्बन्धी चीजों की कमी के कारण यह समस्या और बढ़ जाती है। सरकारों ने इस समस्या से निपटने के लिए बहुत सी योजनायें लागू की है। मगर बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी तथा जागरूकता की कमी के कारण शिशुओं की मृत्यु दर में पूर्णतया कमी नहीं आई है। उचित पोषण के भाव में अब भी कई बच्चे दम तोड़ देते है। ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की कमी एवं प्रशिक्षित नर्सो व दाइयों की कमी के कारण भी विभिन्न प्रकार की समस्यायें उत्पन्न होती है। 2025-26 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का अनुमानित व्यय 99,859 करोड़ रुपए है। यह 2024-25 के संशोधित अनुमानों से 11त्न अधिक है। जो 2025-26 के लिए केंद्र सरकार के कुल बजट का लगभग 1.97 प्रतिशत है। यह राशि कम है इसे बढ़ाना होगा तभी भारत में नवजात शिशुओं की मौत पर रोक लगायी जा सकती है। शिशु सुरक्षा सिर्फ सरकार की ही नहीं वरन सभी की जिम्मेदारी है। सभी को एकजुट होकर इसके लिए आगे आना होगा तब जाकर हम अपने देश के शिशुओं की सुरक्षा के मामले में अन्य देशों की तुलना में ऊपरी पायदान पर आ पाएंगे। शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार शिशु जन्म के एक घंटे के भीतर मां का दूध पिलाना चाहिए। मा के गाढ़े पीले दूध में सर्वाधिक मात्रा में संक्रमण-रोधी तत्त्व मौजूद होता है। जिसे कोलोस्ट्रम कहा जाता है। इसमें बड़ी मात्रा में विटामिन ए के साथ 10 प्रतिशत तक प्रोटीन होता है। जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम होता है। 6 माह तक शिशुओं को केवल स्तनपान कराया जाना चाहिए। जिसमें मां के दूध के अलावा कोई अन्य दूध, खाद्य पदार्थ,पेय पदार्थ और यहां तक पानी भी नहीं पिलाना चाहिए। इससे शिशु डायरिया, निमोनिया,अस्थमा एवं एलर्जी से बचा रहता है। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में भारत के स्वास्थ्य खर्च को दुनिया के औसत और अन्य विकासशील और विकसित देशों से काफी नीचे छोड़ देता है। भारत का खर्च नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों से तो ज्यादा है। मगर यूनाइटेड किंगडम, न्यूज़ीलैंड, फ़िनलैंड, नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की तुलना में जो अपने कुल सकल घरेलू उत्पाद का 9 प्रतिशत से अधिक स्वास्थ्य पर खर्च करते हैं उनसे भारत बहुत पीछे है। इसी तरह, जापान, कनाडा, स्विट्जरलैंड, फ्रांस, जर्मनी स्वास्थ्य सेवाओं पर अपनी कुल जीडीपी का कम से कम 10 प्रतिशत खर्च करते हैं। वहीं अमेरिका अपनी जीडीपी का करीब 16 फीसदी स्वास्थ्य पर खर्च करता है। बजट में स्वास्थ्य आवंटन में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली और प्रौद्योगिकी में सुधार पर जोर देना चाहिए। स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं)

धमदाहा का निर्णायक घोष : जनता ने विकास को चुना, भ्रम की राजनीति ध्वस्त

55,000 से अधिक मतों से लेशी सिंह की प्रचंड विजय–सोशल मीडिया योद्धाओं को जनता का तिरस्कारपूर्ण उत्तर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धमदाहा/पूर्णिया। धमदाहा विधानसभा ने इस चुनाव में जो फैसला सुनाया है, वह सिर्फ एक सीट का परिणाम नहीं बल्कि राजनीतिक आकाश पर उकेरा गया एक वैदिक-सा स्पष्ट मंत्र है—सत्यं एव जयते, न कि डिजिटल कोलाहल। लेशी सिंह की 55,000 से अधिक मतों की विशाल जीत ने यह स्थापित कर दिया कि जनता के विश्वास की जड़ें उस धरती में समाई हैं जहां काम की सुगंध होती है, न कि उन आभासी बादलों में जहां अफवाहें तैरती हैं।

इस चुनावी महासंग्राम में एक ओर जमीन से जुड़े मुद्दे, विकास की योजना, और जनता के बीच सतत संवाद था; दूसरी ओर थी व्हाट्सऐप और फेसबुक की कृत्रिम राजनीति—जहां कुछ उम्मीदवार जीत की कल्पना में इतने खो गए कि वर्चुअल दुनिया को ही जनादेश मान बैठे। मतगणना ने मिनटों में इस भ्रम को चकनाचूर कर दिया। लेशी सिंह ने अपनी विजय पर प्रतिक्रिया देते हुए जिस धारदार स्वर में सत्य को सामने रखा, वह राजनीतिक गलियारों में गूंजता हुआ एक शक्तिशाली संदेश बन गया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग फोन की स्क्रीन पर युद्ध लड़ रहे थे और पोस्टों में खुद को विजयी घोषित कर रहे थे, लेकिन जनता ने साबित कर दिया कि राजनैतिक भाग्य इंटरनेट की आंधी से नहीं, ईवीएम की अमिट चुप्पी से तय होता है। मदाहा के इस जनादेश में एक अद्भुत स्थिरता और परिपक्वता दिखाई देती है। मतदाताओं ने प्रचार की चकाचौंध और अफवाहों की शक्ति को नकारते हुए उस नेतृत्व को अपना समर्थन दिया जिसने कठिन समय में उनके द्वार पर दस्तक दी, जो समस्याओं के समाधान में संलग्न रहा, और जिसने विकास को केवल वादों में नहीं, जमीन पर उतारकर दिखाया। यह जीत बताती है कि जनता अब भी राजनीति को एक पवित्र दायित्व मानती है—जहां दिखावे की नहीं, कार्य की परीक्षा होती है।प्रचार के दौर में जहां विरोधी सोशल मीडिया पर तस्वीरें, हवाई वादे और डिजिटल शोर में उलझे रहे, वहीं लेशी सिंह खेतों की मेड़ों से लेकर गांव की चौपाल तक जनता के बीच उपस्थित रहीं। उनकी इस जमीनी सक्रियता ने धमदाहा के मन में वह भरोसा जगाया जिसकी परिणति आज ऐतिहासिक जीत के रूप में सामने है। उनके नेतृत्व में क्षेत्र में हुए कार्य, संकट के समय दिखाई गई तत्परता और विकास के प्रति दृढ़ता ने जनता के मन में स्पष्ट कर दिया कि विकल्पों के बीच सही निर्णय कौन है।अपनी विजय के बाद लेशी सिंह ने कहा कि यह जीत मेरे लिए उत्सव नहीं, बल्कि एक और बड़े दायित्व का उद्घाटन है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि धमदाहा के विकास की गति में कोई विराम नहीं आएगा, बल्कि यह यात्रा और अधिक व्यापक और सशक्त रूप लेगी। जनता की आस्था, उम्मीद और प्रेम ही उनका सबसे बड़ा संबल है—यह उन्होंने स्पष्ट कर दिया। धमदाहा का यह फैसला आज के समय की राजनीति को एक गहरी सीख देता है—जनता का निर्णय न तो स्क्रीन की चमक से प्रभावित होता है और न ही डिजिटल भ्रमों से डिगता है। लोकतंत्र की शक्ति अब भी मिट्टी, पसीने और सच्चे संवाद में बसती है। यह परिणाम एक संदेश है कि राजनीति का केंद्र जनता ही है, और उसका निर्णय सबसे ऊपर। धमदाहा ने इस बार केवल एक नेता को नहीं चुना—बल्कि उस सत्य को स्थापित किया जो सदियों से राजनीति का आधार है: भरोसा यदि जीवित हो, तो जनादेश भी दिव्य होता है।

पूर्णिया ने फिर दोहराया भरोसा, खेमका की लगातार तीसरी जीत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ तीन बार की प्रचंड विजय–वोटरों ने विकास, विश्वसनीयता और जमीन से जुड़े नेतृत्व को दिया जनादेश

पूर्णिया। पूर्णिया सदर विधानसभा की राजनीतिक फिजा ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि जनता जब किसी नेता पर भरोसा कर लेती है, तो वह केवल वोट नहीं देती, जनादेश देती है। यही वजह है कि विजय कुमार खेमका ने इस बार भी निर्णायक बढ़त के साथ जीत दर्ज करते हुए पूर्णिया की सीट पर लगातार तीसरी बार अपना परचम फहराया। भाजपा प्रत्याशी खेमका ने कांग्रेस उम्मीदवार जितेंद्र कुमार को 31,182 वोटों के भारी अंतर से मात देकर पूरे राजनीतिक परिदृश्य को स्पष्ट संदेश दिया है कि पूर्णिया विकास की राह पर किसी तरह का प्रयोग नहीं चाहता—वह सिर्फ स्थिर, जवाबदेह और भरोसेमंद नेतृत्व चाहता है।

विजय खेमका ने जीत के बाद अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं,

यह पूर्णिया की जनता की जीत है। उन्होंने मेरे काम पर विश्वास जताया है। मैं वादा करता हूँ कि विकास की हर योजना को और तेज गियर में आगे बढ़ाया जाएगा। पूर्णिया सिर्फ जिले का नाम नहीं, मेरी जिम्मेदारी है—और यह जिम्मेदारी तीसरी बार और भी बड़ी हो गई है।'

खेमका की इस हैट्रिक जीत ने यह भी साबित किया है कि जनता केवल नारों और वादों से नहीं, बल्कि जमीन पर उतरे कामों से प्रभावित होती है। सड़क से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा से लेकर सुरक्षा—हर मोर्चे पर खेमका का संतुलित और व्यावहारिक राजनीतिक व्यवहार मतदाताओं के हिस्से भरोसे में बदला। यही कारण है कि इस चुनाव में न तो कोई विरोधी लहर दिखी, न ही किसी नई राजनीतिक कोशिश का असर पड़ा। पूर्णिया का यह परिणाम बताता है कि जहां विकास आधारित राजनीति ईमानदारी से की जाती है, वहां जनता किसी नेता को केवल चुनती नहीं—लगातार चुनती है। विजय खेमका की यह तीसरी जीत उसी भरोसे, उसी निष्ठा और उसी स्थिर जनभावना का राजनीतिक प्रमाण है।

बनमनखी में कृष्ण कुमार ऋषि की छठी जीत, 43,741 मतों से ऐतिहासिक जीत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ लगातार छठी बार विधायक बनकर पूर्णिया जिले में भाजपा की साख को दिया नया आयाम

बनमनखी/पूर्णिया। बनमनखी (रउ) विधानसभा सीट पर शुक्रवार को घोषित परिणामों में भाजपा के कृष्ण कुमार ऋषि ने शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने कुल 1,17,587 वोट हासिल किए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के देव नारायण रजक को 73,846 वोट मिले — इस तरह जीत का मतों का अंतर 43,741 रहा।

यह जीत केवल इस चुनाव का नतीजा नहीं है बल्कि एक लंबी राजनीतिक यात्रा का प्रतीक भी है। कृष्ण कुमार ऋषि 2005 के बाद

से लगातार इस सीट से विधायक बनते आ रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उनका यह छठा कार्यकाल है, जिसे वे इस जीत के साथ सुनिश्चित कर चुके हैं। विजय के तुरंत बाद उन्होंने कहा, 'बनमनखी की जनता ने एक बार फिर अपना भरोसा मुझे दिया है, मैं इस विश्वास को कभी तोड़ने नहीं दूँगा।

जनता के विकास और कल्याण के लिए मैं हर दिन, हर पल काम करता रहूँगा।' उनकी इस लगातार सफलता ने स्थानीय राजनीतिक नक्शे पर भाजपा की स्थिति को और मजबूत किया है। बनमनखी में अब उनकी जनाधार एवं पार्टी की रणनीति दोनों ने मिलकर एक स्पष्ट संदेश दिया है कि राज्य-लोकसभा की थकावट के बीच भी यहां भाजपा व ऋषि पर भरोसा कायम है। इस जीत के साथ बनमनखी में जनप्रतिनिधित्व का एक नया अध्याय खुल गया है — जहाँ मतदाता ने इकबार फिर अनुभव, संगठन व विकास-वादा तीनों को चुनते हुए अपना मत सौंपा।

अमौर का फैसला गूंजा : अख़्तरुल इमाम की प्रचंड विजय ने खोल दिया राजनीति का नया मोर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ 38 हजार से अधिक मतों की रिकॉर्ड बढ़त, जेडीयू की सबा जाफर बहुत पीछे; विजयी उम्मीदवार बोले–'यह जीत अमौर की जनता की है, अब बदलाव सिर्फ वादा नहीं, अभियान बनेगा।'

अमौर। अमौर विधानसभा ने इस चुनाव में ऐसा जनादेश दिया है जिसे देखकर सीमांचल की राजनीति के गलियारों में हलचल मचना स्वाभाविक है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के उम्मीदवार अख़्तरुल इमाम ने जिस भारी अंतर से जीत दर्ज की है, वह केवल जीत नहीं, बल्कि जनता की स्पष्ट और तेज आवाज है। लगभग 38,928 मतों की लीड ने पूरे मुकाबले को एकतरफा और निर्णायक बना दिया, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी सबा जाफर (जेडीयू) अंतिम दौर तक भी अंतर को कम करने के करीब नहीं पहुँच सके।

मतगणना के शुरूआती राउंड से ही माहौल साफ था कि अमौर की हवा किस दिशा में बह रही है। हर राउंड में बढ़त का ग्राफ ऊपर जाता गया और अंत में यह फासला इतना बड़ा हो गया कि चुनावी विश्लेषकों को भी इसे 'अमौर का ऐतिहासिक जनादेश' कहना पड़ा। जनता ने इस बार किसी प्रयोग या समीकरण पर भरोसा नहीं किया—उन्होंने सीधे तौर पर नेतृत्व और ईमानदारी पर विश्वास जताया। विजयी उम्मीदवार अख़्तरुल इमाम ने जीत के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा, 'यह जीत मेरी नहीं, अमौर की जनता की है। लोगों ने विकास, सम्मान और जवाबदेही की मांग पर जो भरोसा मुझ पर जताया है, मैं उसे कभी टूटने नहीं दूँगा। अब अमौर बदलेगा—और तेजी से बदलेगा।' उनके इस बयान ने माहौल को और भी स्पष्ट कर दिया कि आने वाले समय में अमौर केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि राजनीतिक हस्तक्षेप की नई परिभाषा लिखने जा रहा है। लोगों का उत्साह भी इस बात का प्रमाण है कि उन्होंने इस चुनाव को केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि अपने भविष्य की दिशा तय करने वाले जनादेश के रूप में देखा। अमौर के इस नतीजे ने क्षेत्रीय राजनीति में एक मजबूत संदेश दे दिया है—जनता अब भाषणों से नहीं, कामों से प्रभावित होती है; और जब विश्वास टूटता है, तो जनादेश की चोट गहरी होती है। अख़्तरुल इमाम की यह जीत उसी चोट की गूंज और नई उम्मीद की शुरूआत है।

कसबा का जनादेश : पहली ही पारी में नितेश सिंह ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत, 12,220 मतों से विपक्ष पर भारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कसबा/पूर्णिया। कसबा विधानसभा ने इस बार जिस राजनीतिक कथा को जन्म दिया है, वह आने वाले वर्षों तक बिहार की चुनावी राजनीति में उदाहरण के तौर पर उद्धृत की जाएगी। पहली बार मैदान में उतरे नितेश कुमार सिंह ने न केवल परंपरागत समीकरणों को तोड़ा, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि जनता जब भरोसा करती है, तो अनुभव नहीं—नियत और ऊर्जा जीतती है। परिणाम साफ है: 12,220 मतों के भारी अंतर से निर्वाचित, और कसबा को नई राजनीतिक दिशा देने का स्पष्ट जनादेश।

अंतिम मतगणना में नितेश कुमार सिंह को 86,059 वोट मिले, जबकि दूसरे स्थान पर रहे कांग्रेस प्रत्याशी मोहम्मद इरफान आलम 73,839 वोट पर सिमट गए। यह अंतर सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि कसबा की बदलती जनभावना का संकेत है—जनता ने पुराने ढांचे से आगे बढ़कर एक नए नेतृत्व को मौका दिया है। नितेश सिंह की राजनीतिक यात्रा भी कम दिलचस्प नहीं। यही पहला चुनाव, यही पहली चुनौती और इसी पारी में निर्णायक विजय। राजनीतिक कैरियर की शुरूआत विधानसभा चुनाव से करना और उसी में जीत दर्ज कर लेना, यह कसबा की राजनीति में दशकों बाद देखने को मिला है। इस जीत ने उन्हें सीधे कसबा के

केंद्रीय राजनीतिक मंच पर ला खड़ा किया है—जहाँ जनादेश उम्मीदें भी जोड़ता है और ज़िम्मेदारियाँ भी। चुनावी मैदान में नितेश सिंह का अभियान युवाजन ऊर्जा, सामाजिक जुड़ाव और विकास के ठोस विमर्श पर आधारित रहा। पूरे क्षेत्र में चुनाव के दौरान यह सवाल बार-बार उठता रहा कि 'क्या नए चेहरे को मौका मिलेगा?' आज परिणामों ने उस सवाल को जवाब में बदल दिया है। जनता ने बताया है कि वह बदलाव चाहती है, लेकिन जिम्मेदार और सक्षम नेतृत्व के साथ। कसबा का यह फैसला सिर्फ एक सीट का परिणाम नहीं, बल्कि एक संदेश है—नए विचार, नई ऊर्जा और नए नेतृत्व को जनता पूरा अवसर देने को तैयार है। अब कसबा की निगाहें इस बात पर होंगी कि नितेश सिंह इस विश्वास को विकास में कैसे तब्दील करते हैं। जनादेश साफ है, अब कसबा बदलाव की राह पर कदम रख चुका है।

रुपौली में ऐतिहासिक जीत : कलाधर प्रसाद मंडल ने सीमांचल में सबसे बड़ी बढ़त के साथ रचा रिकॉर्ड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ पहली बार विधानसभा पहुँचे, कहा 'जनता ने सेवा का मौका दिया है, अब रुपौली बदला दिखेगा'

रुपौली। रुपौली विधानसभा क्षेत्र ने इस बार बिहार चुनाव की चुनावी राजनीति को एक तीखा और साफ संदेश देते हुए इतिहास रच दिया। जदयू प्रत्याशी कलाधर प्रसाद मंडल ने 73,164 मतों के अभूतपूर्व अंतर से जीत हासिल कर सीमांचल की राजनीति में एक नया मानदंड कायम कर दिया। यह जीत सिर्फ एक प्रत्याशी की जीत नहीं, बल्कि उस जनभावना की जीत है जिसने विकास, भरोसा और राजनीतिक स्थिरता के पक्ष में निर्णायक फैसला लिया।

चुनावी तराजू पर जब मतों के आंकड़े सामने आए, तो रुपौली का

परिणाम पूरे सीमांचल में सबसे ऊँचा और सबसे प्रभावशाली मतांतर के रूप में दर्ज हुआ। 73 हजार से अधिक मतों का अंतर सिर्फ परिणाम नहीं, बल्कि जनता द्वारा दिया गया स्पष्ट जनादेश है— कि रुपौली अब बदलाव की तेज धारा पकड़ चुका है। पहली बार विधायक बने कलाधर प्रसाद मंडल ने जीत के तुरंत बाद कहा— 'यह जीत मेरी नहीं, रुपौली की जनता की है। मेरे लिए यह पद सत्ता नहीं, सेवा का अवसर है। जनता ने जो ऐतिहासिक भरोसा दिया है, मैं उसे विकास से सिद्ध करके दिखाऊँगा। रुपौली का हर घर, हर रास्ता और हर परिवार बदलाव महसूस करेगा— यही मेरी पहली प्रतिबद्धता है।' उन्होंने आगे कहा— 'लंबे समय बाद रुपौली ने इतना बड़ा जनादेश दिया है। मैं इस विश्वास को धूमिल नहीं होने दूँगा। राजनीति की नहीं, काम की बात होगी और रुपौली को सीमांचल का सबसे विकसित क्षेत्र बनाना अब मेरा लक्ष्य है। इस चुनावी परिणाम ने स्पष्ट कर दिया कि सीमांचल की जनता अब सिर्फ वादों की राजनीति नहीं, बल्कि काम और विश्वसनीयता पर भरोसा कर रही है। अन्य सीटों के मुकाबले रुपौली की यह सबसे बड़ी जीत ने पूरे राजनीतिक परिदृश्य को झकझोर दिया है। 73,164 मतों की रिकॉर्ड-ब्रेकिंग जीत सिर्फ आंकड़ा नहीं— यह जनादेश का तूफान है जो कलाधर मंडल को सीधे राजनीति की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर चुका है।

चप्पे-चप्पे पर तैनात रहे बिहार पुलिस और बीएसएफ जवान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों को लेकर पूरे प्रदेश में गहमागहमी है। इसी क्रम में कटिहार जिले की सभी सातों विधानसभा सीटों के वोटों की गिनती शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कटिहार के तीनगछिया स्थित बाजार समिति परिसर में सुबह 8 बजे शुरू हो गई थी।

मतगणना केंद्र की सुरक्षा चाक-चौबंद रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अभूतपूर्व व्यवस्था की गई है। मतगणना केंद्र को तीन स्तरों में विभाजित किया गया है। सबसे भीतरी घेरे में केंद्रीय अर्धसैनिक बल बीएसएफ के जवान तैनात हैं, जिनकी निगरानी में इवीएम रखी गई थी और मतगणना की प्रक्रिया चल रही थी। दूसरे घेरे में बिहार सशस्त्र पुलिस के जवान और बाहरी घेरे में जिला पुलिस बल के जवानों की तैनाती की गई है।मतगणना के शांतिपूर्ण संचालन के लिए तीनगछिया बाजार समिति के आसपास धारा 116 लागू कर दी गई थी। किसी भी प्रकार की भीड़ या विजय जुलूस निकालने पर पूर्ण प्रतिबंध था।

मतगणना प्रांगण में केवल पास धारक अभ्यर्थी, उनके एजेंट, चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारी और मीडियाकर्मियों को ही प्रवेश की अनुमति दी गई है। बिना पास के किसी भी व्यक्ति को परिसर में जाने नहीं दिया जा रहा था।मतगणना सुबह 8 बजे से सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती के साथ शुरू हुई। इसके बाद, ईवीएम में दर्ज मतों की गणना शुरू की गई। हर विधानसभा क्षेत्र के लिए वोटों की गिनती के लिए अलग-अलग टेबल लगाए गए थे। ?शुरूआती रुझानों में कटिहार जिले की कुछ सीटों पर कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से नियंत्रण में है और मतगणना की प्रक्रिया शांतिपूर्वक जारी है।

बच्चों ने चाचा नेहरू को किया याद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में छात्र-छात्राओं के द्वारा बाल दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर हफलागंज के स्थानीय एल. एस. किंडरगार्टन स्कूल में छात्राओं के बीच खेलकूद कार्यक्रम आयोजित किया गया और सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व पंडित जवाहरलाल नेहरू के तेल चित्र पर छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दिया और केक काटकर उनके जन्म दिवस को मनाया। खेलकूद प्रतियोगिता में दौड़, बिस्किट दौड़,कुर्सी दौड़, पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिले की छह सीटों पर एनडीए व एक सीट पर महागठबंधन को मिली जीत

कही खुशी, कही गम का दिखा माहौल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। विधानसभा चुनाव का मतगणना शुक्रवार को जिले के तीनगछिया बाजार समिति के प्रांगण में हुआ। शुरूआती दौर से ही परिणाम आने के साथ ही कहीं खुशी तो कहीं गम का माहौल देखने को मिला। जिले की 7 सीटों में 6 सीट पर एनडीए के प्रत्याशी की जीत हुई है। जबकि महज एक सीट पर महागठबंधन के प्रत्याशी को जीत मिली है। जानकारी हो कि राज्य में हुए मतदान में सबसे ज्यादा मत प्रतिशत कटिहार जिले का रहा था। ऐसे में अब जिले वासियों की निगाह मतगणना के दिन पर टिकी हुई थी। शुरूआती दौर से आ रहे रूझान के बाद परिणाम जानने के लिए लोगों में काफी दिलचस्पी देखी गई। लेकिन दिन ढलने के साथ ही कहीं खुशी तो कहीं गम का माहौल देखा गया।

बरारी विधानसभा क्षेत्र से जदयू के उम्मीदवार विजय सिंह निषाद ने अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के तौकीर आलम को 10984 मतों से पराजित किया । वहीं कदवा विधानसभा से जदयू प्रत्याशी पूर्व सांसद दुलालचन्द्र गोस्वामी ने दो बार के विधायक डॉक्टर शकील अहमद खान को 18368 मतों से पराजित किया है। जबकि जिले का सबसे हॉट सीट माने जाने वाला कटिहार सदर से भाजपा के चार बार से विधायक तारकिशोर प्रसाद ने पांचवीं बार भी जीत हासिल की है। तारकिशोर प्रसाद को 100255 मत मिले जबकि उनके निकटतम प्रत्याशी वीआईपी पार्टी के सौरव कुमार अग्रवाल को 78101 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार से तारकिशोर प्रसाद ने अपने निकटतम प्रत्याशी को 22154 मत से पराजित किया। साथ ही कोढा के राजनीतिक इतिहास में इस बार कोई उलट फेर नहीं हुआ है । निवर्तमान विधायक कविता देवी पर एक बार फिर से विधानसभा वासियों ने अपना भरोसा जताया है और उन्हें 123945 मत मिले हैं जबकि उनके निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस की उम्मीदवार पूनम कुमारी को 101238 मत प्राप्त हुए हैं। कविता देवी ने अपने निकटतम प्रत्याशी को 22257 मतों से पराजित किया है।

बाल दिवस के रूप में मना पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। प्रखंड के मध्य विद्यालय हरिप्रसाद में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय परिसर में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के तेल चित्र पर माल्यार्पण,पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक मुहम्मद कमरुल हक ने कहा कि 14 नवंबर को प्रत्येक साल भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया जाता हैं।

पंडित जवाहरलाल नेहरू को बच्चों से काफी लगाव था वे छोटे-छोटे बच्चों से काफी प्रेम करते थे। इसलिए हर साल 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक मुहम्मद कमरूल हक,मामून

रशीद, शरदेंदु चौधरी, कुमार गौरव, नजीर अहमद, हजरत अली,अब्दुल बारी, नीलू, नुसरत, बबीता, बेबी, सीमा, शाहीन, विकास, अभय कुमार,गौतम कुमार निशि सलोनी, नंदन, शालू सिंह, आंचल,उमेश,लव आदि अन्य शिक्षक, शिक्षिकाए उपस्थित रहे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतों की गणना सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

परिणाम में एनडीए को 6 सीटों पर मिली सफलता

कटिहार। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जिले के सातो विधान सभा क्षेत्र में हुए चुनाव की गिनती शहर के कृषि उत्पादन बाजार समिति तिनगछिया परिसर में निर्धारित समय पर शुरू हुई। मतदान के चार पॉच चरण की मतगणना परिणाम के बाद तक दोनों हीं गठबंधन के खेमें उत्साह का माहौल रहा।

पीछे चल रहे गठबंधन के कार्यकर्ता विपक्षी मतों वाले क्षेत्र की गिनती होने की बात बताकर उत्साहित थे कि अगले राउंड से उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी। मनिहारी विधानसभा को छोड़कर सभी विधानसभा की गिनती में एनडीए को बढत मिलती दिखी।सबसे अहम बात रही कि जन सुराज किसी भी विधानसभा में जमानत बचाने की स्थिति में भी नहीं दिखाई दे रहा था। जबकि एआईएमआईएम बलरामपुर में दूसरे और प्राणपुर में अपनी दमदार उपस्थिति देते हुए दूसरे और तीसरे नंबर पर रही है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी मनेश कुमार स्वयं मतगणना कार्य की निगरानी करते देखे गये।सबसे पहले कोढा विधानसभा का परिणाम घोषित हुआ है,जो एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी कविता देवी के पक्ष में गया। पूर्व विधायक कविता देवी 32 हजार से भी अधिक मतों से अपने निकटतम प्रत्याशी महागठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी पूनम कुमारी को पराजित कर दिया है।वहीं सदर विधानसभा से लगातार पांचवी बार अपनी सीट पर सौरव अग्रवाल को 22154 मतों से हराया। वहीं 23 वें राउंड की गिनती में कदवा विधानसभा में एनडीए प्रत्याशी पूर्व सांसद दुलाल चंद्र गोस्वामी को 93,709 और महागठबंधन प्रत्याशी डा.शकील अहमद खॉ को 69849 मत प्राप्त हुआ है।जबकि बरारी विधानसभा में एनडीए प्रत्याशी बिजय सिंह अपने निकटतम प्रत्याशी से 12,500 मतों से आगे हैं। बलरामपुर विधान से एलजेपी प्रत्याशी सुनीता देवी, एआईएमआईएम प्रत्याशी के बीच तीन अंको का फासला है। बरारी से विजय सिंह जदयू, मनिहारी से कांग्रेस के उम्मीदवार विजयी हुए। जिले के सात विधानसभा में से छह एनडीए के खाते में गया। एक महागठबंधन का सीट बचा पाये।

राज्य स्थापना दिवस पर जलाशय किनारे पौधरोपण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड राज्य के गौरवपूर्ण 25वें स्थापना दिवस समारोह के तहत जिले में विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में झारखंड राज्य जलछाजन मिशन एवं भूमि संरक्षण विभाग द्वारा रेवारातू गांव स्थित तालाब के किनारे पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी ने आम, अमरूद, संतरा, कटहल आदि फलदार पौधे लगाये। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को पौधरोपण करने के बाद पौधों की नियमित सुरक्षा सुनिश्चित करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन ने कहा कि झारखंड राज्य के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है और इस अवसर पर जिलेभर में कई जनहितकारी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जलछाजन योजनाएं ग्रामीण झारखंड की भूमि, आजीविका और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं तथा एक समृद्ध और टिकाऊ भविष्य का निर्माण कर रही है। कार्यक्रम में स्टेट नोडल ऑफिसर अरूण कुमार बोस ने भी जलछाजन के तालाबों के किनारे पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। परियोजना क्रियान्वयन एजेंसी भूमि संरक्षण पदाधिकारी श्याम बिंद ने बताया कि जिले के जलछाजन से निर्मित तालाबों/ जलस्रोतों के किनारे नियमित रूप से पौधरोपण किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आय सृजन के अवसर बढ़ेंगे और मिट्टी कटाव में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से पर्यावरण संरक्षण के दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर स्थानीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक रंगोली बनाकर पौधरोपण एवं जल संरक्षण का संदेश दिया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आये प्रतिभागियों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही उनका उत्साहवर्धन किया गया। मौके पर सतबरवा के प्रखंड विकास पदाधिकारी, स्थानीय स्कूली विद्यार्थी, तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। इधर, वन विभाग की ओर से पांकी के जोटांग गांव में भी कार्यक्रम आयोजित की गई।

महिलाओं ने निकाली जागरूकता रैली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड राज्य के 25 वां स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को महिला ग्राम संघटन के महिला दीदियों द्वारा जागरूकता रैली निकाल कर सरकार द्वारा महिला हित मे संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। इस मौके पर सरजा पंचायत के जीसीआरपी विनीता देवी ,लहलहे क्लस्टर के कम्प्यूटर ऑपरेटर सोनी देवी पी आर पी मीणा देवी के अलावे सभी ग्राम संगठन के पदाधिकारी समूह के सभी सदस्य शामिल हुए। इस मौके पर जीसीआरपी विनिता देवी ने कहा कि महिलाएं अब किसी भी क्षेत्र में पीछे नही है।महिलाओं को संगठित होकर काम करने की जरूरत हैं। उन्होंने कहा कि सरकार कई कार्यक्रम महिलाओं के हित मे संचालित कर रही है।

प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की मनाई गई जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती गरिमापूर्ण ढंग से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत जिला कांग्रेस कार्यालय में नेहरू जी के चित्र पर माल्यार्पण और श्रद्धांजलि के साथ हुई। तत्पश्चात कांग्रेसजनों ने प्रखंड नवाबाजार के बाना गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय पहुंकर बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया, केक काटा, मिठाई वितरित की और नेहरू जी के जीवन, आदर्शों एवं बाल-स्नेह के बारे में बच्चों को प्रेरित किया। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, उल्लास और प्रेरणादायी वातावरण देखने को मिला।जिला अध्यक्ष बिमला कुमारी ने कहा कि नेहरू जी ने आधुनिक भारत की आधारशिला रखी। उनके लोकतांत्रिक मूल्यों, वैज्ञानिक सोच और बच्चों के प्रति अपार प्रेम को याद करना हमारे लिए गर्व का विषय है। बाल दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि नेहरू जी के सपनों को साकार करने का संकल्प है। वरिष्ठ कांग्रेसी श्याम नारायण सिंह ने कहा कि "नेहरू जी का विज़न सिर्फ स्वतंत्र भारत का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक शिक्षित, प्रगतिशील और मजबूत राष्ट्र के निर्माण का था। आज हमें उनके आदर्शों और संविधानिक मूल्यों को जीवन में उतारने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में रामाशीष पांडे, मिथलेश सिंह, सत्यानंद दुबे, रेखा सिंह, ईश्वरी प्रसाद सिंह, नसीम खान, सिद्धनाथ गुप्ता, घूरा तिवारी, सतेंद्र सिंह, मुन्ना खान, संतोष चौबे, रामचंद्र दीक्षित, अशोक सिंह, सुनील पांडे, मो. गुलाम नबी, मीर खुर्शीद आलम, विश्राम दुबे, जितेंद्र कमलापुरी, बसंत सर, विनय कुमार, जहांगीर अंसारी, गोल्डन शाह, जावेद अख्तर, सुल्तान अंसारी, शाहनवाज अख्तर, कौलेश मेहता, एहसान अंसारी सहित अनेक कांग्रेसजन एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

नवादा से सभी क्षेत्रों के परिणाम हुए घोषित, प्रमाण पत्र का इंतजार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। नवादा जिले के सभी पांच विधानसभा क्षेत्र के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। चुनाव परिणाम में एक महागठबंधन और चार एनडीए के प्रत्याशी विजय घोषित हुए हैं। हिसुआ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी अनिल सिंह ने कांग्रेस प्रत्याशी व निवर्तमान विधायक नीतू सिंह को पराजित कर सफलता हासिल की है। वही, रजौली सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र से लोजपा आर टिकट पर चुनाव लड़ने वाले विमल राजवंशी ने राष्ट्रीय जनता दल के प्रत्याशी पिंकी भारती को पराजित कर सफलता हासिल की है। नवादा विधानसभा क्षेत्र से जदयू प्रत्याशी विभा देवी ने पूर्व विधायक व राजद प्रत्याशी कौशल यादव को लगभग 30 हजार मतों के अंतर से पराजित कर सफलता हासिल की है। वारसलीगंज विधानसभा क्षेत्र से सरदार अशोक महतो की पत्नी व राजद प्रत्याशी अनिता कुमारी ने निवर्तमान विधायक अखिलेश सरदार की पत्नी अरुणा देवी को पराजित कर सफलता हासिल की है। गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र से लोजपा आर की प्रत्याशी भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल मेहता की पत्नी विनीता मेहता ने गोविंदपुर की पूर्व विधायक राजद प्रत्याशी पूर्णिमा यादव को काफी मतों से पराजित कर जीत दर्ज करने में सफलता प्राप्त की है। रिजल्ट आने के बाद सारे प्रत्याशी प्रमाण पत्र लेने के लिए मतगणना केंद्र के अंदर इंतजार कर रहे हैं।

अपनी सीट बचाने में सफल रही नवादा विधायक विभा देवी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिले के सभी पांच विधानसभा क्षेत्र पर परिणाम उलट फेर हुए हैं। पहले के सारे विधायक चुनाव हार चुके हैं, परंतु सिर्फ और सिर्फ नवादा विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित रही विभा देवी अपना सीट बचाने में सफल रही। नवादा विधानसभा क्षेत्र से राजद की विधायक रही पूर्व राज्य मंत्री राजबल्लभ प्रसाद की पत्नी विभा देवी पार्टी को छोड़ने के बाद सत्ताधारी पार्टी जनता दल यूनाइटेड की सदस्यता ग्रहण की और जदयू के टिकट पर ही विधानसभा चुनाव लड़ी। ऐसे तो जातीय समीकरण के अनुसार उन्हें पहले यादव और मुसलमान का वोट मिलता रहा है। परंतु, पार्टी बदलने के साथ ही इन दोनों जातियों की वोट उन्हें कम मात्रा में प्राप्त हुई। एनडीए गठबंधन में शामिल होने से उन्हें एनडीए का एक बहुत बड़ा वोट बैंक उनके हिस्से में प्राप्त हुआ। बाजार और फॉरवर्ड क्लास की वोट उन्हें प्राप्त हुई, जिससे वे नवादा विधानसभा की सीट पर रिनुअल कराने में सफल रहे। लगभग 30 हजार से अधिक मतों से चुनाव जीतने पर उनके समर्थकों में काफी खुशी देखी जा रही है। विभा देवी की जीत को पूर्व मंत्री राजवल्लभ प्रसाद ने नवादा की जनता की जीत बताया है तथा कहा है कि अन्याय के खिलाफ मैं हमेशा लड़ा हूं और आगे भी लड़ता रहूंगा। जो भी विकास कार्य बाकी होगा उसे पूरा करने का हर कदम प्रयास करूंगा ।

बिहारशरीफ में एनडीए की प्रचंड विजय पर झूमे कार्यकर्ता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की प्रचंड विजय पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश कुमार के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बिहारशरीफ में खुशियां मनाते हुए एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर लड्डू खिलाते हुए खूब जयकारे लगाए। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि यह जनता की जीत है, बिहार की मां बहनों और सम्मानित जनता जनार्दन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एन डी ए सरकार को अपना भरपूर आशीर्वाद दिया है। जिस प्रकार एनडीए सरकार ने बिहार को जंगलराज के बदहाली से निकालकर विकास के पथ पर लाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनकल्याणकारी योजनाओं ने बिहार की माताओं, बहनों सहित समस्त जनता के हितों का ख्याल किया। उसी के फलस्वरूप यह जीत एक सुखद परिणाम है। हम बिहार के समस्त जनता का आभार व्यक्त करते हैं साथ यह विश्वास जताते हैं कि एन डी ए सरकार आगे भी जनकल्याण में दिन रात मेहनत करते हुए बिहार का सर्वांगीण विकास कर करेगी। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश्वर प्रसाद सिंह, जिला उपाध्यक्ष अरविंद पटेल, सुधीर कुमार, डा अशुतोष कुमार, तेजस्विता राधा, जिला महामंत्री विरेन्द्र गोप, जिला मंत्री अमरेश कुमार, प्रवीण सिंह, रंजू कुमारी, कार्यालय मंत्री गोपाल कुमार, आइटी सेल संयोजक अमित शान, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष विकास कुमार चंद्रवंशी, अनूसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष मणिकांत पासवान, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरव जैन, नीतीश कुमार पिंटू, प्रवीला देवी, अमरकांत भारती, मुन्ना पांडेय, मुरली मनोहर,प्रशांत भदानी, प्रेम सागर पासवान, राजवीर सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

अनिल सिंह ने की वापसी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिले का हिसुआ विधानसभा क्षेत्र भूमिहार बाहुल्य क्षेत्र माना जाता है। यहां मुख्य मुकाबला मुख्य रूप से कांग्रेस प्रत्याशी नीतू सिंह और भाजपा प्रत्याशी अनिल सिंह के बीच हो रहा था। अपने-अपने गढ़ किला को बचाने के लिए दोनों ओर से जी तोड़ मेहनत किया गया। तीन बार के विधायक रहे अनिल सिंह को हराकर विधायक बनी नीतू देवी फिर से सीट हासिल कर पाने में सफलता नहीं प्राप्त की। वही तीन बार के विधायक के बाद हार का झटका से उबरे अनिल सिंह ने फिर से हिसुआ विधानसभा पर अपना कब्जा जमा कर किला मजबूत करने में सफलता हासिल की। लोग तरह-तरह के अनुमान लगा रहे थे, वोटों का बिखराव को लेकर भी कई चर्चाएं हुई, परंतु जिले के सभी पांच विधानसभा क्षेत्र पर मुख्य रूप से एनडीए गठबंधन और महागठबंधन के बीच मुकाबला हो रहा था। अपने समर्थ को और वोटरों को गोल बंद करने में अनिल सिंह सफल रहे और एक बार फिर से अपना गद्दी को हासिल किया। वहीं काफी तिकड़म, माफीनामा के बाद भी मतदाताओं ने नीतू कुमारी पर भरोसा जताने से परहेज किया और उनका रिन्यूवल नहीं हो पाया। इस तरह के कई मामले पूरे बिहार में देखने को मिल रहे हैं। लेकिन हिसुआ की राजनीति भूमिहार के दो ध्रुवीकरण के बीच हो

एनडीए की जीत पर बांटी मिठाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। एनडीए की धुआंधार जीत एवं नवादा विधायक विभा देवी की जीत पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस ब्रिगेड के अध्यक्ष व वरिष्ठ समाजसेवी मनीष कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में प्रजातंत्र चौक नवादा में मिठाई का वितरण सभी लोगों के बीच किया गया। सभी ने नीतीश कुमार जिंदाबाद, एनडीए गठबंधन जिंदाबाद, विभा देवी जिंदाबाद के नारे लगाए। इस कार्यक्रम में विष्णु कुमार सिंह, संजीव सिन्हा, अविनाश सिन्हा, लल्लू सिन्हा, भारत भूषण सिन्हा मंटू कुमार साजन कुमार पंकज वर्मा अमरदीप सिन्हा पवन कुमार रजनीश अकेला दिलीप यादव इत्यादि संगठन के सदस्यों ने खुशी में कहा कि नीतीश कुमार चौहान बिहार का विकास की गति बढ़ाएंगे कि हम सभी लोगों का विश्वास है। समाजसेवी मनीष कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार में सुख शांति से निधि और विकास की सरकार का फिर से आना यह साबित करता है कि बिहार अब पूरी तरह बदल

एनडीए से विमल राजवंशी ने 3,953 वोट से जीत दर्ज की

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। रजौली विधानसभा 235 (सुरक्षित) से कुल 11 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे,जिनमें 8 विभिन्न दलों से एवं 3 निर्दलीय शामिल थे।इनमें एनडीए के लोजपा (राम विलास) से विमल राजवंशी को 90272,महागठबंधन के राजद से पिंकी भारती को 86319, बहुजन समाज पार्टी से अखिलेश कुमार को 3832,जनसुराज पार्टी से नरेश चौधरी को 3321,जनशक्ति जनता दल से प्रकाश वीर को 2856, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी से प्रतिमा कुमारी 2262, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से चन्दन राजवंशी 2160,आम आदमी पार्टी से रंजीत कुमार को 1206 एवं निर्दलीय से गोरेलाल चौधरी को 1013, रामानंदन चौधरी को 1054 एवं विजय कामेश्वर पासवान को 2120 वोट प्राप्त हुआ।वहीं नोटा में 4286 मतदाताओं ने वोट किया।

रजौली विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 330746 है,जिनमें पुरुषों की संख्या 172306, महिलाओं की संख्या 158427 एवं ट्रांसजेंडर की संख्या 17 है। कुल मतदाताओं में लगभग 60% से कुछ अधिक मतदान हुआ,जिनमें कुल मतदाताओं में 200701 वैध मत रजौली विधानसभा से मतदगणना में शामिल था। एनडीए के विमल राजवंशी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी महागठबंधन की पिंकी भारती से 3953 वोट अधिक लाकर विजई घोषित हुए। क्षेत्र के विकास के नाम पर जीत दर्ज होने के बाद नवनिर्वाचित विधायक विमल राजवंशी को फोन,मैसेज एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बधाइयां देने वालों का तांता लगा रहा। वहीं समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर एवं पटाखे फोड़कर खुशी जताई।

सीमांचल में न पप्पू चले न तेजस्वी, ओवैसी का करिश्मा, एनडीए ने भी मारी बाजी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। सीमांचल की हृदयस्थली पूर्णिया में एनडीए का जादू चला है तो दूसरी ओर एआईएमआइएम ने भी अपने 2020 के चुनाव परिणाम को बरकरार रखने में सफलता हासिल कर लिया है। कुल 7 विधानसभा क्षेत्र में से 5 सीट एनडीए के खाते में तो 2 सीट पर एआईएमआईएम ने कब्जा जमाया है। महागठबंधन का यहां तो सूपड़ा ही साफ हो गया। हैरानी की बात यह है कि निर्दलीय सांसद पप्पू यादव जो सीमांचल में कांग्रेस के संकटमोचक माने जा रहे थे, सीमांचल की छोड़िए पूर्णिया में कांग्रेस के चार प्रत्याशियों को जीत दिला पाने में नाकामयाब रहे। पप्पू यादव से भी अधिक बुरी स्थिति पूर्णिया के पूर्व सांसद जनसुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह की रही, जो अपने गृह जिले में भी जनसुराज प्रत्याशियों की जमानत नहीं बचा पाए। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या महागठबन्धन ने एआईएमआईएम के साथ समझौता नहीं कर बड़ी राजनीतिक भूल की है! क्या सांसद पप्पू यादव की लोकप्रियता का ग्राफ गिर रहा है और क्या जनसुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह का राजनीतिक अस्त हो चुका है। इन तमाम सवालों के जवाब विधानसभा चुनाव परिणाम में आसानी से ढूंढे जा सकते हैं।

पूर्णिया में कांग्रेस को जबरदस्त राजनीतिक नुकसान का सामना करना पड़ा है। 2020 चुनाव में जिले के कसबा सीट पर कांग्रेस के आफाक आलम ने जीत दर्ज किया था। इस बार वे बेटिकट हुए तो निर्दलीय मैदान में उतर गए। कांग्रेस ने पप्पू यादव के समर्थक माने जाने वाले मो। इरफान को अपना प्रत्याशी बनाया। लेकिन, वे एलजेपी प्रत्याशी नितेश सिंह के हाथों पराजित हो गए। इस प्रकार कांग्रेस ने जीती हुई सीट को गंवा दिया। इसके अलावा कांग्रेस ने अमौर, पूर्णिया सदर और बनमनखी (सु) सीट पर भी अपना प्रत्याशी खड़ा किया ,जिनकी हार हुई। राजद ने 2020 में यहां कोई सीट नही जीता था, लेकिन बायसी के एआइएमआइएम विधायक मो रुकनुद्दीन ने बाद में राजद का दामन थाम लिया था। लेकिन इस सीट पर भी उम्मीदवार बदले जाने के बावजूद राजद प्रत्याशी की हार हुई। इस प्रकार राजद जिले में अपना खाता खोलने से वंचित रह गया। उनके उम्मीदवार की बायसी, धमदाहा और रुपौली में हार हुई।

महागठबंधन ने जिले के 5 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज कर जबरदस्त सफ़लता हासिल किया है। उनकी जीत इसलिए भी उल्लेखनीय है कि एनडीए ने न केवल अपनी पूर्व की जीती हुई 3 सीटों पर कब्जा बरकरार रखा बल्कि कांग्रेस और निर्दलीय से एक-एक सीट छीनने में भी कामयाबी हासिल किया। जेडीयू की लेशी सिंह ने धमदाहा, भाजपा के कृष्ण कुमार ऋषि ने बनमनखी (सु) और विजय खेमका ने पूर्णिया सदर सीट को बरकरार रखा जबकि लोजपा के नितेश सिंह ने कांग्रेस से कसबा और जेडीयू के कलाधर मंडल ने निर्दलीय से रुपौली सीट को जीतने का काम किया। इस प्रकार एक तरह से महागठबंधन का जिले में सूपड़ा साफ हो गया, जो अब तक कि सबसे बड़ी हार मानी जा रही है।

वक्फ बिल और एसआइआर जैसे मुद्दे को दरकिनार कर पूर्णिया के अल्पसंख्यक बाहुल्य अमौर और बायसी सीट पर असदुद्दीन ओवैसी और एआइएमआईएम का जादू मतदाताओं के सिर चढ़कर बोला है। यहां मुस्लिम मतदाताओं ने राजद और कांग्रेस की तुलना में एआइएमआईएम को तरजीह दिया है। अमौर में कांग्रेस और बायसी में राजद प्रत्याशी को एआइएमआइएम उम्मीदवार के हाथों शिकस्त मिली है। अमौर में एआइएमआइएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमाम तो बायसी में एआईएमआइएम के गुलाम सरवर चुनाव जीत चुके हैं। गौरतलब है कि 2020 में भी अमौर से अख्तरुल ईमान विजयी हुए थे जबकि बायसी से एआईएमआइएम के मो रुकनुद्दीन विधायक बने थे जो बाद में राजद में शामिल हो गए थे। मो रुकनुद्दीन की जगह पार्टी ने मो गुलाम सरवर को प्रत्याशी बनाया, जो अब चुनाव जीत चुके है। इस प्रकार एआईएमआईएम की दोनों सीट बरकरार रह गई।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

(मुख्य परियोजना प्रबंधक) गति शक्ति इकाई पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1. ई–निविदा संख्या : 02R1-GSU-DHN-2025-26. 2. कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य परियोजना प्रबंधक) गति शक्ति इकाई) (सीपीएम/जीएसयू (धनबाद की परियोजनाओं के लिए सामान्य सलाहकार) जीसी (की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव हेतु अनुरोध) आरएफपी। (24 चौबीस महीने)। 3. कार्य की लगभग लागत (रूपये में) : ₹2,34,46,636.48, 4. ब्याने की राशि (रूपये में) : ब्याने की राशि (रूपये में) http://www.ireps.gov.in पोर्टल पर दिखाये राशि के अनुसार लागु। 5. निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख एवं समय : ई–निविदा बंद होने की तारीख 08.12.2025 को 11.00 बजे तक। 6. वेबसाईट का विवरण : http://www.ireps.gov.in ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जायेगी।

नोट :– (i) प्रत्याशित निविदादाताओ को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा की जारी होने की कोई भी परिवर्तन और शुद्धि पत्र की ओर ध्यान देने के लिए निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाईट http://www.ireps.gov.in अवलोकन करे।

मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति)/ पूमरे/धनबाद

पीआर/1288/डीएचएन/जीएस/टी/25–26/40

एमपीएस संविदाओं हेतु ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए ई-नीलामियां आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** एमपीएस संविदा। **श्रेणी:** एमपीएस। **नीलामी सूचीपत्र सं.:** क्रमांक 1 के लिए सीएटीजी 040 तथा क्रमांक 2 के लिए सीएटीजी 41। **लॉट/श्रेणी:** क्रमांक 1 के लिए एमपीएस-आद्रा-बीकेएससी-एमपीएस-5-25-1 (एमपीएस-बहु उद्देशीय स्टॉल) तथा क्रमांक 2 के लिए एमपीएस-आद्रा-बीक्यूए-एमपीएस-1-25-3 (एमपीएस-बहु उद्देशीय स्टॉल)। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** क्रमांक 1 के लिए 20.11.2025 को दोपहर 12:00:00 बजे एवं क्रमांक 2 के लिए 21.11.2025 को दोपहर 12:00:00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** क्रमांक 1 के लिए 20.11.2025 को दोपहर 12:30:00 बजे एवं क्रमांक 2 के लिए 21.11.2025 को दोपहर 12:30:00 बजे। **टिप्पणी:** प्रत्याशित बोलीदाताओं से आईआरईपीएस वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई-नीलामी पट्टा मोड्युल देखने का अनुरोध किया जाता है। पूछताछ/स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, के लिए कृपया अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से सम्पर्क करें।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आद्रा

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा
(PR-836)

पूर्व रेलवे

ई–नीलामी आमंत्रण सूचना

ई–नीलामी सूचना सं. : सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/25/46, दिनांक 12.11.2025, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ मंजिल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु अनुबंध प्रदान करने के लिए ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है।

कैटलॉग सं.: पीयूबी–एचडब्ल्यूएच–25–46

क्रम सं.: एए/1, लॉट सं.: एमएसएस–एचडब्ल्यूएच–एचडब्ल्यूएच–एमईडीएसटीएन–51–25–1 (स्टेशन में विविध–स्टैटिक–सेवाएँ–चिकित्सा सुविधाएँ), विवरण: हावड़ा स्टेशन (ओल्ड कॉम्प्लेक्स) में मेडिकल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए पाँच (05) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **क्रम सं.: एए/2, लॉट सं.: एमएसएस–एचडब्ल्यूएच–एचडब्ल्यूएच–एमईडीएसटीएन–52–25–1 (स्टेशन में विविध–स्टैटिक–सेवाएँ–चिकित्सा सुविधाएँ), विवरण:** हावड़ा स्टेशन (न्यू कॉम्प्लेक्स) में मेडिकल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए पाँच (05) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **क्रम सं.: एए/3, लॉट सं.: एमएसएस–एचडब्ल्यूएच–एनडीएई–एमईडीएसटीएन–53–25–1 (स्टेशन में विविध–स्टैटिक–सेवाएँ–चिकित्सा सुविधाएँ), विवरण:** हावड़ा मंडल के नबद्वीधाम स्टेशन में मेडिकल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए पाँच (05) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:** 27.11.2025 को 12.00 बजे।

HWH-398/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: टीआरडी–डब्ल्यूसी–टी–2025–26–10, दिनांक: 12.11.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस है और निम्नलिखित कार्य को करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा केस सं.: टीआरडी–डब्ल्यूसी–टी–2025–26–10, कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल–आसनसोल मंडल में लार्ज स्पैन जंपर/जी जंपर आदि का प्रतिस्थापन। **निविदा मूल्य:** रु. 1,84,64,132.58, **बयाना राशि:** रु. 2,42,300/–, **कार्य की समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 माह। **कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तिथि से 45 दिन। **खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 11.12.2025 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-239/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ट्रैक पर बढ़ा हाथियों का मूवमेंट

विभाग ने कई ट्रेनों को घंटों रोका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर रेल मंडल ने हाथियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए हावड़ा-मुंबई मुख्य रेल मार्ग पर तीन प्रमुख ट्रेनों का परिचालन करीब तीन घंटे तक रोक कर रखा। बंडामुंडा स्टेशन यार्ड के डी केबिन और के केबिन के समीप हाथियों के झुंड के विचरण की सूचना मिलते ही रेलवे कंट्रोल ने तुरंत सभी अप ट्रेनों को रोकने का निर्देश दिया, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना या हाथियों को नुकसान न हो।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार सबसे पहले सूचना रात 01:40 बजे के आसपास मिली। इसके बाद अप लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई। रेलवे ने ट्रेन नंबर 58659 हटिया-राउरकेला पैसेंजर को बंडामुंडा के के केबिन के पास रात 01:03 बजे से 03:15 बजे तक रोका रखा।

इसके बाद यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद उसे धीरे-धीरे आगे बढ़ाया गया। इसके अलावा 17322 जसीडीह-वास्को-द-गामा साप्ताहिक एक्सप्रेस को बंडामुंडा ए केबिन के निकट रात 01:42 बजे से 03:25 बजे तक रोका गया। इस दौरान रेलवे के ट्रैकमैन और रेंज कर्मियों की टीम भी ट्रैक के पास तैनात रही।

सबसे महत्वपूर्ण रोक हावड़ा-मुंबई 12810 मुंबई मेल की थी। इसे पहले महादेवशाल स्टेशन के समीप 01:59 बजे रोका गया। बाद में ग्रीन सिग्नल मिलने के बाद ट्रेन को बिसरा स्टेशन ले जाया गया, जहां इसे 02:45 बजे से 03:31 बजे तक रोके रखा गया।

कंट्रोल रूम के अनुसार, हाथियों का झुंड लाइन से धीरे-धीरे दूर हट गया। इसके बाद ट्रैकों की सुरक्षा जांच कर ट्रेनों को क्रमवार छोड़ा गया। लगभग तीन घंटे बाद हावड़ा-मुंबई मुख्य लाइन पर परिचालन सामान्य हो गया।

रेल मंडल ने बताया कि क्षेत्र में हाल के महीनों में हाथियों से जुड़ी कई दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें वन्यजीवों को नुकसान हुआ। इसके बाद से रेलवे ने नए प्रोटोकॉल लागू किए हैं, जिनमें लोको पायलटों को संवेदनशील जोन में स्पीड कम करने, नाइट मॉनिटरिंग बढ़ाने और कंट्रोल रूम से लगातार सूचना लेने की व्यवस्था शामिल है।

चक्रधरपुर रेल मंडल के अधिकारियों का कहना है कि हाथियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए बंडामुंडा यार्ड के आसपास ट्रैक चेकिंग बढ़ाई गई है और वन विभाग के साथ समन्वय मजबूत किया गया है। रेलवे ने बताया कि हाथियों का मूवमेंट बढ़ने की वजह से यह इलाका हाई-अलर्ट जोन में रखा गया है।

सड़कों की दयनीय स्थिति से लोग हो रहे हलकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कैरो। लोहरदगा जिला के कैरो प्रखंड के दर्जन भर से अधिक सड़कों की स्थिति बदहाल है। जर्जर सड़क में चलना लोगों के मुश्किल हो रहा है। सड़कों के निर्माण को लेकर न किसी प्रतिनिधि को चिंता है और न अधिकारियों को। जर्जर सड़क में इतने बड़े-बड़े गड्ढे हैं कि राहगीरों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है।

कैरो प्रखंड मुख्यालय से गुड़ी पंचायत के चोगड़े मोड़ तक कच्ची सड़क की स्थिति नारकीय हो गई है। बरसात के दिनों में तो सड़क की स्थिति और भी खराब हो जाती है। बरसात में उक्त सड़क से लोगों को आवागमन बंद कर देना पड़ता है।

सड़क का उपयोग कैरो प्रखंड मुख्यालय जाने के लिए बरवाटोली, नगड़ा, चिपो, बाघी सहित अन्य गांव के ग्रामीण करते हैं। सड़क में दो से तीन फीट तक गड्ढे हो गए हैं। अगर कोई अनजान व्यक्ति उक्त सड़क में आना-जाना करेगा तो, निश्चित रूप से दुर्घटना का शिकार होना पड़ेगा। सड़क के गड्ढे दूर से नहीं दिखाई देते हैं।

सड़क निर्माण को ले ग्रामीणों द्वारा कई बार अधिकारियों व प्रतिनिधियों से गुहार लगाई गई है। लेकिन इस पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसके अलावे पंचायत में पेयजल, स्वास्थ्य सहित अन्य समस्याएं हैं।

गुड़ी पंचायत के नगड़ा बरटोली गांव में विगत पांच वर्षों से लाखों की लागत से निर्मित पेयजलापूर्ति योजना खराब है। जिसके कारण लोगों को पेयजल समस्या उत्पन्न हो रही है। पंचायत के अन्य गांवों में भी पेयजल समस्या से लोग जूझ रहे हैं।

सबसे अधिक परेशानी गर्मी के दिनों में होती है। पंचायत में पेयजल के अलावे स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई आदि समस्याओं का अंबार है। ग्रामीणों द्वारा समस्या को ले प्रतिनिधि व अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई गई है, बावजूद इसपर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीण ज्ञानचंद भगत कहते हैं कैरो प्रखंड की दर्जनों सड़कें बदहाल है। लेकिन कैरो से चोगड़े मोड़ जाने वाली सड़क की स्थिति बदतर हो गई है। जहां राहगीरों को चलने में पसीना छूट जाता है। सड़क निर्माण हो जाने से प्रखंड मुख्यालय जाने के लिए आसन होता। सड़क निर्माण को ले किसी के भी द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है।

गुड़ी पंचायत के अंगनु उरांव कहते हैं चोगड़े मोड़ से कैरो प्रखंड जाने वाली सड़क की स्थिति नारकीय है। बरसात के दिनों में तो सड़क में चलना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावे पंचायत में और भी समस्याएं हैं, जिसका निराकरण को ले जिले के वरीय अधिकारियों को पत्राचार कर समस्या का समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।

कुएं में गिरकर दो बच्चों की मौत

घर में अकेले थे बच्चे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। कालूबथान ओपी क्षेत्र के एलाकेंद गांव में गुरुवार की शाम इसी गांव की शिवानी सोरेन की तीन साल की बेटी पल्लवी सोरेन और शिवानी के भाई हड़ाम हेम्ब्रम के साढ़े तीन साल के बेटा मनदीप हेम्ब्रम की मौत खेलने के दौरान कुएं में गिरकर हो गई।

घटना के समय दोनों के माता-पिता घर पर नहीं थे। शिवानी धनबाद में काम करने गई थी। वहीं हड़ाम हेंब्रम अपनी पत्नी का डिलीवरी कराने धनबाद एसएनएमएमसीएच गए थे। शाम को जब शिवानी घर लौटी तो बेटी को खोजते हुए कुएं के पास पहुंची। देखा कि दोनों बच्चों का कापड़ा कुएं के बगल में पड़ा है।

हल्ला मचाने पर ग्रामीण जुटे व कालूबथान ओपी पुलिस को सूचना दी। ओपी के एएसआइ दुवराज मोहली पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं ग्रामीणों के सहयोग से रस्सी व कांटा के सहारे दोनों बच्चे का शव कुएं से निकालवाया।

रात लगभग नौ बजे शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। हड़ाम हेम्ब्रम अभी भी पत्नी को लेकर धनबाद एसएनएमएमसीएच में ही है। इस घटना के बाद गांव के लोग शोकाकुल हैं।

हवा हुई प्रदूषित, सांस लेना हुआ दूभर

गढ़वा। प्रखंड मुख्यालय रमना और आसपास के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों हवा में प्रदूषण का असर बढ़ने लगा है। ऑनलाइन वायु निगरानी प्लेटफार्म्स के अनुसार रमना में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 105 से 110 के बीच दर्ज किया गया है, जो मध्यम श्रेणी में है।

मध्यम श्रेणी की हवा पूरी तरह स्वस्थ लोगों के लिए तो संतोषजनक है, लेकिन बच्चों, बुजुर्गों और सांस या हृदय संबंधी रोगियों के लिए परेशानी बढ़ा सकती है।

प्रखंड क्षेत्र में फोरलेन निर्माण, बढ़ते वाहनों की आवाजाही और खुले में ईंधन व कुड़ा-कचरा जलाने से हवा में धूलकण और सूक्ष्म कणों पीएम 2.5 की मात्रा लगातार बढ़ रही है। सुबह-शाम वातावरण में धुंध की परत देखी जा रही है।

स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से जुड़े जानकारों का मानना है कि वायु गुणवत्ता सूचकांक बढ़ाने या घटना से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है गले में खराश, सांस लेने में तकलीफ की शिकायतें और एलर्जी के मामले सामने आ सकते हैं।

हालांकि, यह आंकड़ा किसी सरकारी एजेंसी से प्रमाणित नहीं है।

एनडीए की जीत पर कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटी, जमकर फोड़े पटाखे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। बिहार विधानसभा चुनाव में जदयू-भाजपा गठबंधन की ऐतिहासिक जीत के बाद धनाबाद में उत्साह का माहौल देखने को मिला। परिणाम घोषित होते ही भाजपा, जदयू लोजपा (आर) कार्यकर्ता संयुक्त रूप से सड़कों पर उतरे और विजय जुलूस निकाला।

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं ने रणधीर वर्मा चौक पर पहुंचकर एक-दूसरे को गुलाल लगाकर बधाई दी और मिठाइयां खिलाकर खुशी का इजहार किया। जुलूस में शामिल नेताओं और समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों और नरेंद्र मोदी-नीतीश कुमार के समर्थन में लगाए गए नारों के बीच जीत का उल्लास मनाया।

जुलूस में झरिया की भाजपा विधायक रागिनी सिंह, धनबाद के भाजपा विधायक राज सिन्हा, भाजपा नेता संजय झा, संजीव अग्रवाल, मानस प्रसून, जदयू जिलाध्यक्ष पिंटू सिंह सहित बड़ी संख्या में गठबंधन के कार्यकर्ता शामिल हुए।

नेताओं ने कहा कि बिहार की जनता ने विकास, सुशासन और स्थिरता के पक्ष में मतदान किया है, और यह जीत एनडीए के प्रति लोगों के विश्वास का प्रमाण है।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा विधायक राज सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी ने बिहार के विकास के लिए जो काम किए हैं, जनता ने उसका भरपूर समर्थन दिया है। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि यह जीत सेवा, समर्पण और संगठन की मेहनत का परिणाम है।जदयू जिलाध्यक्ष पिंटू सिंह ने दावा किया कि बिहार में अब विकास की नई कहानी लिखी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अनुभव और विजन राज्य को आगे ले जाने में अहम भूमिका निभाएगा। लोगों में विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्रों में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिलेंगे। जीत के जश्न के साथ ही नेताओं ने लोगों को भरोसा दिलाया कि वे जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए निरंतर काम करते रहेंगे।

कबाड़ से मिले सैकड़ों आयुष्मान कार्ड की जांच में अब भी प्रशासन के हाथ खाली

नवबिहार टाइम्स संव्वाददाता

साहिबगंज। बरहेट में शनिवार को कबाड़ में सैकड़ों आयुष्मान कार्ड पाए गए। सभी आयुष्मान कार्ड पहाड़िया परिवारों के हैं। आशंका जताई जा रही है कि सभी संबंधित परिवारों को देने के लिए आए थे, लेकिन उनका वितरण नहीं किया गया।

बताया जाता है कि बरहेट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लिपिक पद पर कार्यरत अनू कुमारी का स्थानांतरण एक साल पहले सरायकेला कर दिया गया। सीएससी के सरकारी आवास में वह रहती थी। उसने अपना आवास अब तक खाली नहीं किया था। वह अपनी कार से पहुंची और बरहेट संथाली के कबाड़ी इम्तियाज अंसारी को अपने आवास पर बुलाया और काफी सामान बेच दिया। इसमें आयुष्मान कार्ड के साथ-साथ सरकारी दस्तावेज भी था। किसी ने इसकी सूचना प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चौधरी चंद्रशेखर प्रसाद चंद्र को दी। उन्होंने मामले की सूचना बरहेट थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बरहेट थाना के सअनि हरिश्चंद्र मंडल पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू की।

पुलिस को देखकर अनू कुमारी घर बंद कर अपनी कार से भाग गई। कबाड़ी वाले इम्तियाज अंसारी ने बताया कि अनू कुमारी ने इससे पहले उसके पास तीन बार सामान बेचा है। जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि आयुष्मान कार्ड कुसमा, चुकली, माको, पकड़ीगोड़ा सहित अन्य गांव के लोगों का है।

इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चौधरी चंद्रशेखर प्रसाद चंद्र ने कहा कि मामले से वरीय पदाधिकारी को अवगत कराया गया है। परंतु जांच की कार्रवाई अब भी वहीं के वहीं है।

पिछले दिनों सरकारी स्कूलों में मुफ्त मिलने वाली पुस्तकें कबाड़ में बेचने की बात सामने आयी थी। कोटालपोखर थाना क्षेत्र के बड़ा सोनाकड़ गांव दो सितंबर को बड़ी संख्या में ऐसी पुस्तक जब्त की गई थी।

कोटालपोखर थाना क्षेत्र के बड़ा सोनाकड़ गांव के मस्जिद के पास दो सितंबर की शाम एक कबाड़ी वाले की बाइक (जेएच 18 एल 0131) पंचर हो गई। कबाड़ी वाला पंचर बनवाने के लिए मिस्त्री की तलाश कर रहा था।

इसी क्रम में ग्रामीणों की नजर उसपर पड़ी। ग्रामीणों ने पूछताछ शुरू की तो वह मोटरसाइकिल छोड़कर भाग निकला। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी सूचना दी।

कोटालपोखर थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बाइक व उसपर लदे सामान को जब्त कर लिया। जब्त पुस्तक कक्षा एक से पांच तक की हिंदी, गणित और पर्यावरण अध्ययन की थी। एक बोरा तो पूरी तरह पैक था। उसपर नोटबुक कक्षा आठ लिखा हुआ था।

आशंका जताई जा रही है कि किसी स्कूल के प्रधानाध्यापक ने उन पुस्तकों को कबाड़ी वाले के हाथ बेच दिया। झारखंड शिक्षा परियोजना विभाग की ओर से सभी सरकारी विद्यालयों में बच्चों को पढ़ने के लिए निःशुल्क किताब मुहैया करायी जाती है।

कई बार यह भी बात सामने आ चुकी है कि स्कूलों में फर्जी नामांकन किया जाता है। ऐसे में बच्चों के नाम पर आने वाली पुस्तकें कबाड़ी वाले के हाथ बेच दी गई होंगी।

प्लस टू उच्च विद्यालय कोटालपोखर के प्रभारी प्रधानाध्यापक को सरकार द्वारा मुहैया कराई गई किताब को कबाड़ी वाला के पास बेचते विद्यालय के छात्रों ने रंगे हाथ पकड़ा था।

सिकंदरा से प्रफुल्ल तो झाझा से दामोदर हुए विजयी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। सिकंदरा सीट बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से एक है जो जमुई जनपद के अंतर्गत आती है। ये जमुई लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली कॉनस्टुएंसी है। इस बार सिकंदरा सीट के लिए चुनाव दूसरे चरण में 11 नवंबर को हुए थे। अब कुछ ही समय में इस सीट की वोटों की गिनती पूरी होते ही रिजल्ट की घोषणा की जाएगी। चुनाव आयोग की ओर से 28 राउंड की वोटों की गिनती पूरी कर ली गई है। मतगणना पूरी होने के बाद प्रत्याशी प्रफुल्ल कुमार को 23907 वोटों से विजयी घोषित किया गया है। आरजेडी के प्रत्याशी दूसरे नंबर पर रहे। सिकंदरा विधानसभा सीट पर जनता राष्ट्रीय जनता दल एवं हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के साथ ही राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के बीच मुकाबला था। जहां आरजेडी से उदय नारायण चौधरी, वहीं लअटर से पिछले बार के विधायक प्रफुल्ल कुमार मांझी अपनी किस्मत आजमा रहे थे। 2015 में यहां से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता सुधीर कुमार उर्फ बंटी चौधरी विधायक चुने गए हैं। 2020 में इस सीट से हम के प्रफुल्ल कुमार सिंह ने बाजी मारी थी।

इसी तरह झाझा जमुई जिले का विधानसभा क्षेत्र है और यह जमुई लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। झाझा में 11 नवंबर को दूसरे चरण के चुनाव संपन्न करवाए गए हैं। झाझा विधानसभा क्षेत्र के एमएलए जेडीयू पार्टी के प्रत्याशी दामोदर रावत हैं। उन्होंने साल 2020 में विधानसभा के चुनाव में आरजेडी को हराकर कुल 76972 वोट हासिल किए थे। हालांकि इस बार भी उन्होंने झाझा विधायक की गद्दी अपने नाम कर ली है।

झाझा में चुनावी प्रक्रिया कुल 30 राउंड में पूरी की गई है। इस बार भी जेडीयू के प्रत्याशी दामोदर रावत ने बाजी मारी है। बता दें, दामोदर रावत झाझा में दूसरी बार विधायक बने हैं। झाझा विधानसभा 2025 के चुनावों में उन्होंने कुल 108317 वोट हासिल किए हैं। उन्होंने आरजेडी के प्रत्याशी जय प्रकाश यादव को कुल 4262 वोटों से हराया है।

स्ट्रीट डाग्स की नगर निगम करा रही नसबंदी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। नगर निगम क्षेत्र में स्ट्रीट डाग्स के आतंक पर लगाम के लिए रांची नगर निगम की ओर से कई प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। वर्तमान में चुटिया स्थित स्ट्रीट डाग्स के शेल्टर होम में मात्र 15-20 स्ट्रीट डाग्स को ही रखने की क्षमता है।

जल्द ही इस शेल्डर होम को विकसित किया जाएगा, जहां 50 स्ट्रीट डाग्स रखे जाएंगे। इसके अलावा स्ट्रीट डाग्स के लिए एक बड़े शेल्टर होम का निर्माण कराने की भी योजना है। इसके लिए नगर निगम क्षेत्र में भूमि की तलाश की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शानुसार, शेक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, बस स्टैंडों, खेल परिसर व रेलवे स्टेशनों से स्ट्रीट डाग्स को हटाने व उन्हें आश्रयगृह भेजने का निर्देश दिया गया है। सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी डा. किरण कुमारी ने बताया कि संबंधित स्थलों से स्ट्रीट डाग्स को हटाने के लिए बड़े शेल्टर होम की आवश्यकता है।

यदि बड़ी संख्या में स्ट्रीट डाग्स पकड़े जाएंगे तो उन्हें रखने के लिए बड़े शेल्टर होम की आवश्यकता होगी। साथ ही उनके भोजन की भी व्यवस्था करनी होगी। पूर्व में नगर विकास विभाग की बैठक में इस मामले में विचार-विमर्श भी किया गया था।

फिलहाल रांची नगर निगम की ओर से प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक वार्ड में एक ऐसे जगह (फीडिंग क्षेत्र) को चिह्नित किया जाए, जहां संबंधित वार्ड क्षेत्र के स्ट्रीट डाग्स को भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

स्ट्रीट डाग्स के भोजन के लिए विभागीय स्तर से या रांची नगर निगम की ओर से राशि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि रांची शहरी क्षेत्र में स्ट्रीट डाग्स की संख्या क्या है, इसका सर्वे अब तक नहीं कराया गया है। यदि नगर विकास विभाग से सर्वे कार्य के लिए अनुमति प्रदान गई तो निगम स्तर से शहरी क्षेत्र में स्ट्रीट डाग्स का सर्वे भी कराया जाएगा।

स्ट्रीट डाग्स से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सात नवंबर को शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, बस स्टैंडों, खेल परिसरों व रेलवे स्टेशनों से स्ट्रीट डाग्स को हटाने व उन्हें आश्रयगृह भेजने का निर्देश दिया है। साथ ही राज्यों को निर्देश दिया है कि स्ट्रीट डाग्स को उसी जगह वापस नहीं छोड़ा जाना चाहिए, जहां से उन्हें उठाया गया था।

रांची नगर निगम की ओर से स्ट्रीट डाग्स के नसबंदी का कार्य होप एंड एनिमल ट्रस्ट को दिया गया है। प्रत्येक स्ट्रीट डाग की नसबंदी के लिए एजेंसी को चार सौ रुपये का भुगतान किया जाता है। स्ट्रीट डाग्स की नसबंदी, वैक्सीनेशन व स्वास्थ्य जांच के लिए दो चिकित्सक उपलब्ध हैं।

हालांकि रांची नगर निगम की ओर से एजेंसी को स्ट्रीट डाग्स के लिए वैक्सीन उपलब्ध नहीं कराया जाता है। सीसीएल व मिशन रेबीज के तहत उपलब्ध कराए जा रहे फंड से पिछले दो माह से होप एंड एनिमल ट्रस्ट की ओर से स्ट्रीट डाग्स का वैक्सीनेशन किया जा रहा है।

पूर्व में साल 2014 से 2019 तक होप एंड एनिमल ट्रस्ट ने मिशन रेबीज के तहत 25-30 हजार स्ट्रीट डाग्स का वैक्सीनेशन किया था। इसके बाद वैक्सीनेशन का कार्य बंद था। एजेंसी की ओर से सिर्फ स्ट्रीट डाग्स के नसबंदी का कार्य किया जा रहा है।

साल 2007 से अब तक एजेंसी की ओर से नगर निगम क्षेत्र स्थित एक लाख आठ हजार स्ट्रीट डाग्स की नसबंदी की जा चुकी है। सीसीएल की ओर से ही सीएसआर फंड से होप एंड एनिमल ट्रस्ट को स्ट्रीट डाग्स को पकड़ने के लिए एक वाहन उपलब्ध कराया गया है।

रांची नगर निगम की ओर से पूर्व में एजेंसी को उपलब्ध कराए गए दो वाहन कंडम हो चुके हैं। अब रांची नगर निगम की ओर से स्ट्रीट डाग्स को पकड़ने के लिए दो नए वाहन खरीदने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरा किया जा रहा है।

हरनौत सीट पर जदयू का रहा दबदबा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हरनौत (नालंदा)। हरनौत विधानसभा सीट पर जदयू का दबदबा कायम है। पूरी 30 राउंड की गिनती के बाद जदयू के हरी नारायण सिंह 48335 वोट से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के अरुण कुमार को शिकस्त दी। जन सुराज पार्टी के कमलेश पासवान तीसरे नंबर पर रहे।

हरनौत विधानसभा से जदयू विधायक हरि नारायण सिंह और महागठबंधन प्रत्याशी अरुण कुमार के बीच टक्कर थी। हालांकि, यहां जदयू का बोल-बाला रहा है। अब तक कुल 13 चुनावों में से तीन बार निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की, जबकि शेष सभी चुनाव नीतीश कुमार या उनकी पार्टी के उम्मीदवारों ने जीते हैं।

हरनौत विधानसभा क्षेत्र की स्थापना 1972 में हुई और 1977 में पहला चुनाव हुआ। यह एक सामान्य सीट है और नालंदा लोकसभा क्षेत्र के सात विधानसभा क्षेत्रों में से एक है। हरनौत विधानसभा क्षेत्र में तीन विकास खंड-हरनौत, चंडी और नगरनौसा शामिल हैं।

अब तक कुल 12 चुनावों में से तीन बार निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की, जबकि शेष सभी चुनाव नीतीश कुमार या उनकी पार्टी के उम्मीदवारों ने जीते हैं। किसी अन्य दल को आज तक यहां सफलता नहीं मिली है, जो इसे नीतीश कुमार का एक अभेद्य किला बना देता है। स्वयं नीतीश कुमार ने इस सीट से दो बार जीत और दो बार हार का अनुभव किया है।

बालू का अवैध खनन जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। सदर अंचल की नेपुरा पंचायत व सिमरडा पंचायत के बीच कझिया नदी से व्यापक पैमाने पर बालू का अवैध खनन कर परिवहन किया जा रहा है। लोगों का कहना कि ट्रैक्टर व जुगाड़ गाड़ी से बालू का अवैध खनन कर सिंचाई व्यवस्था को ध्वस्त करने के साथ ही प्राकृतिक डांड़ को नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवैध कार्य को रोकने के लिए अंचल, खनन व टास्क फोर्स से कोई पहल नहीं हो रही है।

इस बाबत दियारा गांव के समाजसेवी संतोष कुमार सिंह ने इंटरनेट मीडिया पर तस्वीर के साथ पूरे मामले को उठाया है। उन्होंने कहा कि कझिया नदी से निकलने वाली राज डांड़ जो अंग्रेज के समय से दियारा, सिमरडा, ककना मोलनाकित्ता, परासी से लेकर सैदापुर तक लगभग एक हजार एकड़ से ज्यादा जमीन पर खेती व पटवन होती है, वहां बालू चोरों की नजर लग गई है।

हावड़ा इस्पात सुपरफास्ट एक्सप्रेस को किया विस्तारित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर रेल मंडल से होकर गुजरने वाली ट्रेन 12871/12872 हावड़ा-टिटलागढ़- हावड़ा इस्पात सुपरफास्ट एक्सप्रेस का परिचालन अब ओडिशा के जूनागढ़ रोड स्टेशन तक किया जाएगा। इस संबंध में रेलवे बोर्ड के संयुक्त निदेशक (कोचिंग) विवेक कुमार सिन्हा ने अधिसूचना जारी कर नई समय सारणी भी जारी कर दी है।

हालांकि रेलवे बोर्ड की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि जूनागढ़ रोड तक विस्तार की शुरूआत किस तारीख से होगी। हालांकि रेलवे अधिकारियों ने संकेत दिया है कि परिचालन शीघ्र ही शुरू किया जाएगा। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 12871 हावड़ा-टिटलागढ़-जूनागढ़ रोड इस्पात एक्सप्रेस सप्ताह में तीन दिन हावड़ा स्टेशन से सुबह 06:30 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेन चक्रधरपुर रेल मंडल से गुजरते हुए शाम 07:35 बजे टिटलागढ़, रात 08:00 बजे केसिंगा, 08:35 बजे लांजीगढ़ रोड, 09:45 बजे भवानीपटना और 10:35 बजे जूनागढ़ रोड स्टेशन पहुंचेगी।वापसी में ट्रेन संख्या 12872 जूनागढ़ रोडझहावड़ा इस्पात एक्सप्रेस जूनागढ़ रोड स्टेशन से अहले सुबह 02:15 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन 03:00 बजे भवानीपटना, 03:55 बजे लांजीगढ़ रोड, 04:48 बजे केसिंगा, 05:05 बजे टिटलागढ़ पहुंचने के बाद चक्रधरपुर मंडल होते हुए शाम 06:30 बजे हावड़ा पहुंचेगी। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि ट्रेन का मौजूदा समय-सारणी और कोच संरचना पहले जैसी ही रहेगी। केवल इसका टर्मिनस स्टेशन अब टिटलागढ़ से बढ़कर जूनागढ़ रोड हो जाएगा।

इस तरह ट्रेन का संचालन हावड़ा से जूनागढ़ रोड और वापसी में जूनागढ़ रोड से हावड़ा तक किया जाएगा। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने रेलवे के इस फैसले का स्वागत किया है। लंबे समय से जूनागढ़ रोड तक इस्पात एक्सप्रेस के विस्तार की मांग की जा रही थी। अब यह ट्रेन यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगी। इससे व्यापार, पर्यटन और आवागमन को नई दिशा मिलेगी।दक्षिण पूर्व रेलवे ने आसनसोल-हटिया-आसनसोल एक्सप्रेस ट्रेन के कोच संरचना को संशोधित कर चलाने की घोषणा कर दी है। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार आज से लेकर 01 जनवरी 2026 तक आसनसोल से प्रस्थान करने वाली ट्रेन 13513 आसनसोल-हटिया में लगने वाले तीन जनरल चेयर कार कोच को हटा कर उसके स्थान में तीन जनरल कोच लगा कर चलाया जाएगा। 01 जनवरी तक हटिया से रवाना होने वाली ट्रेन 13514 हटिया-आसनसोल एक्सप्रेस ट्रेन में लगने वाले तीन जनरल चेयर कार कोच को हटा कर उसके स्थान में तीन जनरल कोच लगा कर चलाया जाएगा। इस प्रकार आसनसोल-हटिया-आसनसोल एक्सप्रेस में जनरल के 09 कोच लगे होंगे। जिसमें से तीन जनरल कोच में यात्री आरक्षण कर यात्रा कर सकेंगे।

डायन-बिसाही प्रथा के खिलाफ बरही पुलिस की जागरूकता रैली, छात्रों ने दिए प्रभावशाली संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। शुक्रवार को बरही पुलिस प्रशासन द्वारा डायन-बिसाही जैसी अमानवीय कुप्रथा के विरुद्ध एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली बरही हजारीबाग रोड से शुरू होकर पटना रोड, बरहीझधनबाद रोड होते हुए गया रोड स्थित इंस्पेक्टर बंगला में संपन्न हुई।

इस रैली में सरकारी एवं निजी विद्यालयों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से लोगों को संदेश दिया—'डायन कहना बंद करो', ताकि समाज में फैले अंधविश्वास और हिंसक कुरीतियों को समाप्त किया जा सके।

रैली में अधिकारियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, प्रशिक्षु आईपीएस श्रुति, बरही एसडीओ जोहान टुडू, एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, बीडीओ जयपाल महतो, सीओ चंद्रशेखर, बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार, विष्णुगढ़, गोरहर और बरकट्ठा थाना प्रभारी सहित कई पुलिस अधिकारी शामिल हुए। एसपी अंजनी अंजन ने अपने संबोधन में कहा कि— 'डायन-बिसाही जैसी अमानवीय और हिंसक प्रथा को बढ़ावा देने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी और समाज को भी इसके खिलाफ एकजुट होना चाहिए।'

विद्यालयों को पौधा वितरण, पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

कार्यक्रम के दौरान सभी भाग लेने वाले विद्यालयों को एक-एक पौधा प्रदान किया गया और पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक जागरूकता का संकल्प दिलाया गया। इनमें शामिल थे—श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल बरही, प्लस टू हाई स्कूल बरही, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बरसोत, आइलेक्स स्कूल, रेनबो स्कूल, सनराइज एकेडमी, भामाशाह सरस्वती शिशु मंदिर, डीएवी पब्लिक स्कूल, आरएनवाईएम कॉलेज, मध्य विद्यालय, प्रोजेक्ट विद्यालय और जेएमएस स्कूल पदमा। नुक्कड़ नाटक से समझाया—अफवाह कैसे बनती है हिंसा का कारण श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिखाया कि अफवाहें किस तरह लोगों को भड़काकर हिंसा और सामाजिक अन्याय को जन्म देती हैं।

जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं की बड़ी भागीदारी

रैली में जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, प्रमुख मनोज रजक, मुखिया संघ अध्यक्ष विजय कुमार, मंडल अध्यक्ष भगवान केसरी, मुखिया नारायण यादव, कांग्रेस ओबीसी अध्यक्ष दीपक गुप्ता, मुखिया शमशेर आलम, मुखिया प्रतिनिधि मुकेश कुमार, मुखिया मोतीलाल चौधरी, भाजपा नेता मुन्ना यादव, रवि केशरी, गुरुदेव गुप्ता, प्रीति गुप्ता, डॉ. निजामुद्दीन, मो. सगीर, सोनू यादव सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रैली का संदेश

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट कहा कि—'सामाजिक कुरीतियों का अंत तभी संभव है जब समाज और प्रशासन दोनों मिलकर जागरूकता व कानून के माध्यम से इसका विरोध करें।'

बाल दिवस पर मर्सी हॉस्पिटल में मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बाल दिवस पर मर्सी हॉस्पिटल में मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन, लगभग 200 लोगों की निःशुल्क जांच बाल दिवस के अवसर पर आज मर्सी हॉस्पिटल, गिरिडीह द्वारा एक भव्य मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया।

इस कैंप में लगभग 200 बच्चों एवं वयस्कों का निःशुल्क उपचार एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।कैंप में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं- डॉ. विशाल शाहबादी एवं डॉ. स्क्वाड लीडर सौरभ जगनी ने बच्चों तथा वयस्कों के दंत स्वास्थ्य की जांच की डॉ. प्रियंका अग्रवाल ने बच्चों की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच की। डॉ. आनंद कुमार ने डायबिटीज से ग्रस्त मरीजों को परामर्श एवं आवश्यक मार्गदर्शन दिया कैंप में आए सभी बच्चों को मुफ्त डेंटल किट प्रदान की गई मर्सी हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. परम हर्ष मिश्रा ने इस कैंप को "अत्यंत सफल" बताते हुए कहा कि अस्पताल समाज की सेवा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि कैंप में रजिस्टर्ड सभी मरीजों को इलाज एवं जांच पर 20% तक की विशेष छूट प्रदान की गई।उन्होंने आश्वासन दिया कि मर्सी हॉस्पिटल आगामी दिनों में भी विभिन्न स्थानों पर ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करता रहेगा, ताकि अधिक से अधिक लोग गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

मूक बधिर आवासीय विद्यालय में बच्चों के बीच गर्म कपड़े, कंबल, कालीन व खाने हेतु बर्तन का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज बाल दिवस के अवसर पर रोटरी गिरिडीह द्वारा अजीडीह स्थित नेत्रहीन एवं मूक बधिर आवासीय विद्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों के बीच गर्म कपड़े, कंबल,कालीन एवं खाने हेतु बर्तन का वितरण किया गया, साथ ही एक हजार लीटर क्षमता की पानी की टंकी भी विद्यालय में लगाया गया,उसके बाद बच्चों को दोपहर का भोजन भी कराया गया इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में रोटरी गिरिडीह के अध्यक्ष पीयूष मुसद्दी, कार्यक्रम संयोजक हर्ष केडिया, राजेंद्र बगड़िया, बिजय सिंह,अमित गुप्ता, विकास बसईवाला, तरनजीत सिंह, नंदन दारूका, श्रेयांस जैन, प्राची मुसद्दी, कृति गुप्ता,संगीता बसईवाला, रिप्सी जैन, सेजल केडिया,निधि जैन इत्यादि का अहम योगदान रहा।

झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में बगोदर प्रखंड अंतर्गत विद्यालयों में निबंध लेखन, भाषण व पेंटिंग कार्यक्रमों का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड झारखंड राज्य स्थापना दिवस 2025 समारोह के उपलक्ष्य में बगोदर प्रखंड अंतर्गत वीर सपूतों के इतिहास, संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने हेतु कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही विभिन्न विद्यालयों में निबंध लेखन, भाषण, पेंटिंग आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस दौरान विभिन्न विद्यालयों में छात्र एवं छात्राओं के द्वारा झारखंड की महान विरासत, शख्सियत, संस्कृति एवं सोहराय से संबंधित पेंटिंग और निबंध लेखन प्रतियोगिता कराया गया जिसमें उत्साहपूर्वक बच्चों ने हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यार्थियों ने आयोजित क्विज, निबंध, नृत्य, संगीत, ड्रामा, कहानी लेखन एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओ में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इनमें स्कूली बच्चों को राज्य के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध कला संस्कृति और जनजातीय गौरव के बारे में अवगत कराया जा रहा है।

झारखंड राज्य स्थापना समारोह के उपलक्ष्य में झंडा मैदान में जसलपीएस द्वारा जतरा कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय कलाकार एवं नुक्कड़ नाटक दल झारखंड की संस्कृति, पहचान, विरासत, सशक्त एवं विकसित झारखंड के संदेश को अपने लोक नृत्य नटुआ नृत्य अन्य लोक कलाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया गया झारखंड राज्य स्थापना समारोह 2025 के उपलक्ष्य में आज झंडा मैदान में जसलपीएस विभाग द्वारा जतरा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक समेत अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम की शुरूआत की। इस कार्यक्रम में हमारे स्थानीय कलाकार एवं नुक्कड़ नाटक दल झारखंड की संस्कृति, पहचान, विरासत, सशक्त एवं विकसित झारखंड के संदेश को अपने लोक नृत्य नटुआ नृत्य अन्य लोक कलाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस दौरान उप विकास आयुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम सबके लिए गर्व का क्षण है, क्योंकि झारखंड अपनी राज्य स्थापना के 25वें वर्ष अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी अस्मिता, हमारे संघर्ष, हमारी समृद्ध संस्कृति और हमारे विकास की उपलब्धियों का प्रतीक है। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से हम सब झारखंड की उस आत्मा को महसूस किया जो हमारी मिट्टी की खुशबू में रची-बसी है, जहां लोकगीतों की धुन, मांदर की थाप की झलक हमारी एकता, विविधता और गौरवशाली परंपरा को दशार्ती है। झारखंड की सांस्कृतिक पहचान, झारखंड की धरती जितनी संसाधनों से समृद्ध है, उतनी ही समृद्ध है इसकी लोक-संस्कृति। यहाँ के गीत, नृत्य, लोककथाएँ, प्रकृति से जुड़े जीवन मूल्य—सभी मिलकर झारखंड को एक विशिष्ट पहचान देते हैं। हमारी आज की यह जतरा भी झारखंड की इसी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतिबिंब है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हमारे स्थानीय कलाकार, नुक्कड़ कलाकार और लोकनृत्य दल, झारखंड की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को मंच पर जीवंत करने वाले हैं।

जागरूकता ही मधुमेह से बचाव का सबसे बड़ा उपाय : सिविल सर्जन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर पलामू सिविल सर्जन कार्यलय में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान पलामू सिविल सर्जन डॉ. अनिल श्रीवास्तव ने मधुमेह बीमारी को लेकर कई बाते बताई।

सिविल सर्जन ने कहा कि हर साल 14 नवंबर को पूरी दुनिया विश्व मधुमेह दिवस मनाती है। इसका उद्देश्य बढ़ते मधुमेह (डायबिटीज) के खतरों के प्रति लोगों को जागरूक करना और इसके नियंत्रण के उपायों पर जोर देना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में मधुमेह के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बदलती जीवनशैली, अनियमित खानपान और शारीरिक गतिविधि की कमी इसके मुख्य कारण हैं। इस वर्ष विश्व मधुमेह दिवस की थीम मधुमेह देखभाल तक पहुंच पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि डायबिटीज का समय पर पता चलना, नियमित जांच और सतर्क जीवनशैली अपनाना इसके जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है। सिविल सर्जन डॉ. अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि मधुमेह के शुरूआती लक्षणो ज्यादा प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, थकान, वजन घटना, भूख बढ़ना को नजरअंदाज न करें। समय पर जांच और उपचार जीवन को सुरक्षित बनाते हैं। स्वास्थ्य विभाग ने जिलेभर में जागरूकता रैलियों, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों, परामर्श कार्यक्रमों और स्कूलों में पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन कर लोगों को डायबिटीज से बचाव के प्रति प्रेरित किया। डॉ. अनिल श्रीवास्तव ने अंत मे कहा कि थोड़ा चलें, थोड़ा संभलें मधुमेह को खुद से दूर रखें।

पुलिस प्रशासन द्वारा 'आपका मोबाइल फिर से आपका' कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिलान्तर्गत आम जनता के खोए गुम हुए 313 मोबाईल फोन को तकनीकी सहायता से बरामद कर मोर्बाल के धारक को वापस लौटाने के लिये आज पुलिस केन्द्र, गिरिडीह परिसर अवस्थित मल्टी परपोज हॉल में "आपका मोबाईल फिर से आपका" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह के साथ, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, सदर, डुमरी, बगोदर-सरिया, पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय-1 एवं 2, अंचल पुलिस निरीक्षक तथा सभी थाना ओ०पी० के प्रभारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह के द्वारा आम जनता को संबोधित किया गया एवं खोए हुए मोबाईल फोन को उनके वास्तविक धारक को हस्तगत किया गया। विगत माह में भी "आपका मोबाईल फिर से आपका" कार्यक्रम का आयोजन कर 100 से अधिक खोए हुए मोबाईल फोन को बरामद कर उनके वास्तविक धारक को हस्तगत कराया गया था।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती की पूर्व संध्या पर जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा में शुक्रवार को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती की पूर्व संध्या पर जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया।

प्रभारी अजीत मिश्रा ने भगवान बिरसा मुंडा के समक्ष दीप जलाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।इस अवसर पर ब्यूटी कुमारी, दिज्ञासा कुमारी, अरुणिमा राज, अंजली कुमारी, हर्षिता राजन, दिवेश मिश्रा एवं रक्षिता कुमारी ने भगवान बिरसा के जीवनी पर प्रकाश डाला। वहीं बहनों ने आदिवासी भाव नृत्य प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन और रजत जयंती वर्ष पर भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर काव्य पाठ डॉ. ब्रजेश बरनवाल ने किया। मौके पर अजीत मिश्रा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जनजाति समाज के ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए गौरव थे। उन्होंने अपने धर्म, संस्कृति, जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत से लड़ते हुए महज 25 वर्ष की अल्पायु में देश के लिए अपना प्राण न्योछावर कर दिए।हम सभी को उनकी जीवनी से प्रेरणा लेनी चाहिए।इसके साथ ही आज झारखंड राज्य अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इस अवसर पर विद्यालय में कई कार्यक्रम संपन्न हुए।कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त आचार्य दीदी का सराहनीय योगदान रहा।

इंटर्न ने किया श्री कृष्ण विज्ञान केंद्र का भ्रमण

पटना/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। श्री कृष्ण विज्ञान केंद्र पटना की ओर से वाल दिवस समारोह का आयोजन किया गया । समारोह को संबोधित करते हुये विज्ञान केंद्र के परियोजना निदेशक श्रीनू अप्पिकोंडा ने कहा कि विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए सर्व प्रथम वैज्ञानिक सोच पैदा करने की जरूरत है । उन्होंने विज्ञान को बरदान बताया साथ ही अपने लक्ष्य को निर्धारित कर उस पर ध्यान केंद्रित करें। वही मो. आफताब आलम ने आलौकिक चमत्कारो की वैज्ञानिक व्याख्या किया। पानी से अग्नि पैदा करना, स्वर्ग में पानी भेजना, कुमकुम का रंग बदलना, जैसे दर्जनों करतब दिखाया ।उन्होंने बताया कि इसमें कोई तंत्र मंत्र का प्रयोग नही हुआ है यह सब रासायनिक प्रतिक्रिया एवं हाथ की सफाई है।

जैन विद्यालय जूनियर में छोटे बच्चों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बाल दिवस के अवसर पर रोटरी गिरिडीह द्वारा जैन विद्यालय जूनियर में छोटे बच्चों के बीच चित्रकला में रंग भरने की प्रतियोगिता आयोजित की गई,जिसमें कुल 120 बच्चों ने भाग लिया इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में रोटरी गिरिडीह के अध्यक्ष पीयूष मुसद्दी,सचिव रोहित जैन, कार्यक्रम संयोजक अजय जैन,अमित गुप्ता, विकास बगड़िया,प्राची मुसद्दी,निशा जैन, विनीता जैन,रेणु जैन,रिप्सी जैन,कृति गुप्ता,श्वेता बगड़िया , स्कूल की प्राचार्या मल्लिका तिवारी इत्यादि का अहम योगदान रहा।

नई सोच, नया सफर : नुक्कड़ नाटक के जरिए महिलाओं व किशोरियों को मिला जागरूकता का संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चरही हजारीबाग। झारखंड महिला उत्थान चुरचू, हजारीबाग द्वारा सोशल एक्शन प्लान के सहयोग से पंचायत जरबा स्थित शिव मंदिर के पास महिलाओं और किशोरियों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सेल्फ लीडर और ट्रेनर माही कुमारी व सुनीता कुमारी ने स्टोरी टेलिंग सर्कल के माध्यम से समाज में मौजूद चुनौतियों और कुरीतियों पर आधारित प्रभावी प्रस्तुति दी। नाटक के माध्यम से बताया गया कि किस तरह अधिकांश महिलाएं और किशोरियां रोक-टोक, भेदभाव, दबाव और हिंसा जैसी समस्याओं का सामना करती हैं, लेकिन अक्सर समाज के डर से अपनी बातें खुलकर नहीं कह पातीं। नुक्कड़ नाटक में जल्दी शादी, शिक्षा में रोक-टोक, पीरियड्स से जुड़ी समस्याएं, रूढ़िवादी सोच, अंधविश्वास और लिंग आधारित असमानता जैसे मुद्दों को सरल और प्रभावी रूप में प्रस्तुत किया गया। संदेश दिया गया कि आज भी महिलाएं कई सामाजिक बंधनों में जकड़ी हुई हैं, जबकि पुरुषों को अधिक स्वतंत्रता दी जाती है। ट्रेनर्स ने समुदाय से अपील की कि— 'हमारी कहानी, हमारी ताकत है। हमें नई सोच और एकजुटता के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है, ताकि हम अपने सपनों को साकार कर सकें।' नाटक के जरिए यह संदेश दिया गया कि यह सिर्फ एक महिला या किशोरी की कहानी नहीं, बल्कि पूरे समुदाय की आवाज है और परिवर्तन लाने के लिए सामूहिक कदम उठाने होंगे। संदेश के साथ अभियान को आगे बढ़ाते हुए कहा गया— 'एक साथ चलें, बदलाव की ओर बढ़ें!'कार्यक्रम में रानी कुमारी (टीम लीडर), लक्ष्मी, सुधा, आकांक्षा, लवली, सहित कई महिलाओं और किशोरियों ने सक्रिय भागीदारी की।

एनडीए की प्रचण्ड जीत पर गिरिडीह के जदयू के लोगों में उत्साह और उल्लास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बिहार विधानसभा में एनडीए के प्रचंड बहुमत होने से खुशी में जिला जादू गिरिडीह द्वारा दुर्गा मंडप अलकापुरी चौक पर लोगों के बीच मिठाई बटा जिला अध्यक्ष त्रिभुवन दयाल ने अपने परिवार के सदस्य को दिखाने एम्स देवघर गए हुए हैं जदयू के कार्यकर्ता में उल्लास था एस्कॉर्ट क्रम में उपस्थित लखेश्वर प्रसाद वर्मा अभय शंकर प्रसाद पवन कुमार वर्मा राज किशोर साहू केदार वर्मा विद्या प्रसाद सिंह संजय रजक सुरेंद्र प्रसाद राय डॉक्टर संजीव कर्ण आदि उपस्थित थे।

दिल्ली धमाके का प्लान और नक्शे शेयर करने संदिग्ध डॉक्टर स्विस ऐप का करते थे इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली लाल किले के बाहर कार ब्लास्ट के बाद जांच के घेरे में आए फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े 3 डॉक्टर डॉ. उमर उन नबी, डॉ. मुजम्मिल गनई और डॉ. शाहीन शाहिद 'थ्रीमा नामक एक स्विस कम्युनिकेश ऐप के जरिये लगातार संपर्क में थे। पुलिस ने गुरुवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि तीनों संदिग्धों ने कथित तौर पर इस एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप का इस्तेमाल आतंकी साजिश से जुड़ी अपनी गतिविधियों की योजना बनाने और आपस में कॉर्डिनेट करने के लिए किया था।

जांचकर्ताओं को यह भी शक है कि सोमवार को विस्फोट वाली हुंडई द्व20 कार चलाने वाला उमर और उसकी टीम ने फरीदाबाद से जब्त की गई एक लाल इकोस्पोर्ट कार का इस्तेमाल अमोनियम नाइट्रेट के परिवहन और भंडारण के लिए किया था।

सूत्रों ने उमर को मॉड्यूल का सबसे कट्टरपंथी सदस्य और सभी आरोपी डॉक्टरों के बीच सेतु बताते हुए कहा कि मुजम्मिल और आतंकी साजिश से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी के बाद उसने कथित तौर पर अपने फोन बंद कर दिए और डिजिटल संपर्क तोड़ दिए।

संदिग्धों ने राजधानी में कई बार रेकी की थी। यह ग्रुप कई सिलसिलेवार विस्फोटों की साजिश रच रहा था और पकड़े जाने के समय अपने आकाओं से अंतिम आदेश का इंतजार कर रहा था। एक सूत्र ने कहा, ''पारंपरिक मैसेजिंग मंच के विपरीत, 'थ्रीमा' को रजिस्ट्रेशन के लिए फोन नंबर या ईमेल आईडी की जरूरत नहीं होती है, जिससे यूजर्स का पता लगाना बेहद मुश्किल हो जाता है।''

यह ऐप प्रत्येक उपयोगकर्ता को एक विशिष्ट आईडी प्रदान करता है जो किसी भी मोबाइल नंबर या सिम कार्ड से नहीं जुड़ी होती है। ये ऐप निजी सर्वर पर चलाने के विकल्प के साथ 'एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन' प्रदान करता है। जांचकर्ताओं को शक है कि आरोपी डॉक्टरों ने सुरक्षित रूप से संवाद करने और पहचान से बचने के लिए एक प्राइवेट 'थ्रीमा' सर्वर स्थापित किया था। इस सर्वर का कथित तौर पर दिल्ली विस्फोट की साजिश से संबंधित संवेदनशील दस्तावेज और नक्शे शेयर करने के लिए इस्तेमाल किया गया था।

पुलिस के एक सूत्र ने कहा, ''माना जाता है कि स्थान की जानकारी साझा करने और काम बांटे जाने सहित विस्तृत साजिश इसी निजी नेटवर्क के माध्यम से बनाई गई थी।'' सूत्र ने बताया कि अतिरिक्त गोपनीयता के लिए 'थ्रीमा' दोनों तरफ से संदेशों को हटाने की अनुमति देता है और डेटा स्टोर नहीं करता है, जिससे मैसेजों को रिट्राइव करना और जटिल हो जाता है। जांचकर्ता अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ग्रुप द्वारा इस्तेमाल किया गया प्राइवेट सर्वर भारत के अंदर था या विदेश में, और क्या मॉड्यूल के अन्य सदस्यों की उस तक पहुंच थी। पुलिस को यह भी पता चला है कि राजधानी में ऐतिहासिक स्थलों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के पास विस्फोट करने के लिए लगभग 32 कारें तैयार की जा रही थीं।

डॉ. शाहीन ही नहीं, आतंक के आकाओं की लेडी मास्टरमाइंड की लिस्ट

दिल्ली ब्लास्ट में डॉ. शाहीन की भूमिका सामने आई है। शाहीन ही नहीं, आकाओं की लिस्ट में कई और लेडी मास्टरमाइंड का नाम भी है। दरअसल, भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने में लगे आतंकी आकाओं की फेहरिस्त में भी अब लेडी मास्टरमाइंड अहम भूमिका में नज़र आने लगी हैं। कभी ये आंका अपनी टीम की महिलाओं को हनीट्रैप के लिए इस्तेमाल करते थे लेकिन अब महिलाओं को मुख्य कमाण्डर के तौर पर भर्ती कर रहे हैं। जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन से इसकी शुरुआत बताई जाती है। भारत में इन लेडी मास्टरमाइंड ने खुफिया एजेन्सियां, एटीएस और एनआईए तक को अपनी दुस्साहसिक कार्यशैली से चौंका दिया है। दिल्ली विस्फोट में टापर रही डॉ. शाहीन मुख्य भूमिका के तौर पर सामने आई। एमबीबीएस-एमडी कर चुकी शाहीन ने अपराध के इस दलदल में अपने हर कदम को सुनियोजित तरीके से चला। खुफिया एजेन्सी के अधिकारी स्वीकारते हैं कि शाहीन फरीदाबाद से सहारनपुर, जम्मू-कश्मीर से लखनऊ और फिर पड़ोसी देशों तक अपनी साजिश के जाल बुनती रही। पाक समर्थित आतंकवादी संगठनों के इशारे पर उसने वह सब किया जो वह चाहते थे। बलरामपुर जैसे छोटे जिले में अवैध धर्मातरण का बड़ा नेटवर्क खड़ा करने वाले जलालुद्दीन उर्फ छांगुर ने अपने आकाओं के कहने पर मुम्बई में रहे नवीन रोहरा के परिवार को फंसाया। फिर उसने भी नवीन की पत्नी नीतू का धर्मांतरण कराकर उसे नसरीन नाम दिया। नसरीन का इस तरह से ब्रेनवॉश किया कि वह छांगुर के कहने पर देशी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने लगी। इस गिरोह में मुख्य भूमिका के तौर पर वह उभरी। आगरा पुलिस ने धर्मातरण कर रहे एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया। कोलकाता से जब गिरोह की कमाण्डर आयशा को पकड़ा तो सब चौंक गए थे। आयशा का पहले नाम एसबी कृष्णा था। वह गोवा में रही, वर्ष 2020 में उसने पंजाब यूनिवर्सिटी से एमएससी डाटा साइंस की पढ़ाई की। इस दौरान ही वह कश्मीरी छात्राओं के सम्पर्क में आई। फिर आतंकी संगठन के अब्दुल रहमान ने उसे अपने जाल में फंसा, धर्म परिवर्तन कराकर आयशा बना दिया। अब्दुल रहमान जब जेल गया तो आयशा ही गिरोह की कमाण्डर बनकर धर्मांतरण गिरोह का संचालन करने लगी थी। 90 के दशक में मुम्बई बम कांड के बाद डान दाऊद इब्राहिम पाकिस्तान भाग गया था। वह भारत में मोस्ट वान्टेड है। उसके जाने के बाद मुम्बई में लम्बे समय तक उसकी बागडोर बहन हसीना पारकर ने संभाली। बेहद दुस्साहसी रही हसीना के आगे बड़े-बड़े अपराधी भी कांपते थे। उसके पति की हत्या कर दी गई थी। छह जुलाई, 2014 को हार्ट अटैक से उसकी मौत हो गई थी।

संक्षिप्त समाचार

645 करोड़ का जीएसटी घोटाला आया सामने, 229 फर्जी फर्मों से लगाया चूना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में फर्जी फर्मों के जरिये 645 करोड़ की धोखाधड़ी का बड़ा मामला सामने आया है। 645 करोड़ का आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) लेने के लिए 229 फर्जी फर्मों को जीएसटी में रजिस्टर्ड कराया गया था। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की टीम ने आरोपी मुकेश शर्मा को गिरफ्तार किया है। उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। डीजीजीआई के मुताबिक, टीम को फर्जी फर्मों के जरिए आईटीसी क्लेम लेने वाले सिंडिकेट की जानकारी मिली थी। खुफिया जानकारी के आधार पर डीजीजीआई अधिकारियों ने दिल्ली में तलाशी अभियान चलाया। इसमें बड़ी मात्रा में दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और बहीखाते बरामद हुए। जांच में पता चला कि कंपनियों के नाम पर उत्पादों और सेवाओं आपूर्ति के चालान जारी किए जा रहे थे जो अस्तित्व में नहीं थीं। इसमें 162 मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया गया था। 44 डिजिटल हस्ताक्षर और विभिन्न फर्मों की 200 से अधिक चेकबुक भी बरामद की गईं। प्रारंभिक जांच में यह भी पता

चला है कि मुकेश शर्मा नाम के व्यक्ति ने फर्जी संस्थाओं के इस सिंडिकेट का संचालन किया। साक्ष्य जीएसटी पंजीकरण और रिटर्न तथा फर्जी फर्मों के रिकॉर्ड, बैंकिंग लेन-देन समेत अन्य कई कई स्तरों के जरिये पता चला है कि इस फर्जीवाड़े में उसकी सक्रिय भूमिका रही है। डीडीजीआई का कहना है कि जांच में पता चला है कि यह मामला मनी लॉन्ड्रिंग से भी जुड़ा हो सकता है। इसमें धोखाधड़ी से अर्जित धनराशि को कथित तौर पर एनजीओ और एक राजनीतिक संगठन के जरिये इधर-उधर किया गया। विभाग का कहना है कि इस मामले में कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है। बरामद किए गए दस्तावेजों की गहन जांच और आरोपी से पूछताछ में अन्य अहम जानकारियां मिल सकती हैं।

अमोनियम नाइट्रेट गुजरात से आने का शक

नईदिल्ली लाल किला विस्फोट में इस्तेमाल किए गए अमोनियम नाइट्रेट के संबंध में जांच एजेंसियों को संदेह है कि यह गुजरात से आया हो सकता है। विस्फोटक के मूल स्रोत की पहचान करने के लिए फोरेंसिक जांच जारी है। इस बीच, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल और दिल्ली विस्फोट के संबंध में गुरुवार को कश्मीर में 13 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की और एक और डॉक्टर सहित लगभग 10 लोगों को हिरासत में लिया। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अंतर-राज्यीय कट्टरपंथियों के नेटवर्क के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। पिछले दो सप्ताह में, पुलिस ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में 500 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की है। हिरासत में लिए गए संदिग्धों को बडगाम, अनंतनाग, पुलवामा और कुलगाम जिलों से रात भर के छापे के दौरान उठाया गया। एक अधिकारी ने बताया, बडगाम से एक और डॉक्टर, कुछ अन्य व्यक्तियों के साथ हिरासत में लिया गया है और छापेमारी जारी रहेगी। संदिग्धों से उनकी हाल की विदेश यात्राओं के बारे में पूछताछ की गई। पुलिस अधिकारियों ने संदिग्धों के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी इस हमले की जांच कर रही है। वह विभिन्न राज्यों में फैले सफेदपोश आतंकी नेटवर्क के तार जोड़ रही है। इस मामले में अब तक एक महिला सहित तीन डॉक्टरों को गिरफ्तार किया गया है। चौथा डॉक्टर, डॉ. उमर नबी ने घबराहट में कार में बम का इस्तेमाल करके हमला किया, जिससे 13 लोगों की मौत हुई। उत्तर प्रदेश में आतंकवाद निरोधी दस्ते ने कानपुर से एक मेडिकल छात्र डॉ. मोहम्मद आरिफ को हिरासत में लिया। वह राज्य संचालित गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज में डीएम का प्रथम वर्ष का छात्र है। अनंतनाग के मूल निवासी आरिफ पर पूर्व जीएसवीएम प्रोफेसर डॉ. सईद की पूछताछ के दौरान किए गए खुलासे के बाद एटीएस की नजर पड़ी। डॉ. सईद को जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल की जांच के तहत गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली-सोनीपत के बीच डीटीसी की ई-बसें शुरू, बड़ौत के बाद दूसरा अंतरराज्यीय रूट शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली से हरियाणा के सोनीपत तक का बस सफर अब और भी आसान हो जाएगा। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने कश्मीरी गेट आईएसबीटी से सोनीपत के लिए अंतरराज्यीय ई-बस सेवा शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने गुरुवार को कश्मीरी गेट बस अड्डे से इन बसों को हरी झंडी दिखाकर सोनीपत के लिए रवाना किया। इस दौरान सीएम ने कहा कि दिल्ली सरकार जल्द ही एनसीआर के अन्य पड़ोसी शहरों के लिए बस सेवा शुरू करेगी। इससे पहले दिल्ली के कश्मीरी गेट आईएसबीटी से बड़ौत (यूपी) के लिए अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू कर चुका है। अब एनसीआर के दूसरे रूट के रूप में दिल्ली-सोनीपत रूट पर बसों का संचालन शुरू किया गया है। इस रूट पर 12 मीटर लंबी तीन बसों को उतारा गया है। ये बसें सुबह 4:45 बजे से रात 10:30 बजे तक छह फेरे लगाएंगी। जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन, मुकरबा चौक, अलीपुर, दिल्ली-सिंधु बॉर्डर पहुंचेंगी। यहां से कुंडली औद्योगिक क्षेत्र, टीडीआई सिटी, रसोई, नांगल मोड़, बिस्वा मिल, राय, बहालगढ़, जट जोशी, फाजिलपुर होते हुए सोनीपत बस स्टैंड पर पहुंचेंगी।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी में तालिबानी हुक्म चलाता था डॉ. उमर

नई दिल्ली एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लाल किला के पास सोमवार को हुए शक्तिशाली धमाके के बाद फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी सुर्खियों में है क्योंकि इस आतंकी साजिश के तार इसी यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं। 10 नवंबर को जिस 20 कार में धमाका हुआ था, उसे 28 वर्षीय डॉ. उमर नबी चला रहा था। वह दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड का रहने वाला था। उमर की मां के डीएनए नमूनों का घटनास्थल पर मिले अंगों से मिलान होने के बाद उसकी संलिप्तता की पुष्टि हुई है। डॉ. उमर भी अल-फलाह यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर था। माना जाता है कि वह सबसे ज्यादा कट्टरपंथी था। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लाल किले धमाकों का आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर मोहम्मद अपनी क्लास में तालिबानी रूल लागू करता था। एक छात्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि डॉ. उमर अपने लेक्चर के दौरान क्लासरूम में तालिबान मॉडल लागू करता था।

तीसरे बाजार की तलाश तेज, अमेरिकी टैरिफ से भारत जैसे देशों पर कोई खास असर नहीं

वाशिंगटन एजेंसी।
जोखिम परामर्श फर्म वेरिस्क मैपलक्रोफ्ट की एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं, जैसे भारत, चीन और ब्राजील पर अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ का कोई खास असर नहीं होगा। यह निष्कर्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की व्यापारिक नीतियों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करता है।

रिपोर्ट में 20 प्रमुख उभरते बाजारों का मूल्यांकन कर्ज स्तर, निर्यात पर निर्भरता और व्यापारिक अस्थिरता और तेजी से बदलते वैश्विक गठजोड़ जैसी कसौटियों पर किया गया। इसमें पाया गया कि अधिकांश निर्माण केंद्र, जिनमें एशिया के देश भी शामिल हैं, अमेरिकी टैरिफ के झटकों से निपटने के लिए अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में हैं।

एशिया रिसर्च की प्रमुख और रिपोर्ट की सहलेखक रीमा भट्टाचार्य ने कहा, दुनिया के अधिकांश देश इस टैरिफ तूफान से निपटने की बेहतर स्थिति में हैं। यहां तक कि अगर अमेरिका पूरी क्षमता से टैरिफ बढ़ाता है, तब भी असर सीमित रहेगा।

मेक्सिको और वियतनाम को अमेरिकी व्यापार पर सबसे ज्यादा निर्भर माना गया है, लेकिन वहां की प्रगतिशील नीतियां, बेहतर बुनियादी ढांचा और राजनीतिक स्थिरता उन्हें लचीला बनाती हैं। वहीं ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश वैकल्पिक व्यापारिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत कर रहे हैं, जो भविष्य में उन्हें सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं।

बढ़ रही तीसरे बाजार की तलाश

भट्टाचार्य ने कहा, लगभग हर उभरता बाजार समझता है कि अमेरिका और चीन दोनों के साथ व्यापार जरूरी है, लेकिन किसी एक पर अधिक निर्भर नहीं रहा जा सकता। इसलिए अब तीसरे बाजार की तलाश बढ़ रही है।

उन्होंने बताया कि चीन, हालांकि अमेरिकी तनावों से ज्यादा प्रभावित है, फिर भी उसका विविध निर्यात ढांचा और मानव संसाधन उसे प्रतिस्थापित करना लगभग असंभव बनाते हैं। चीन ने रेनमिन्बी मुद्रा में व्यापार निपटान को बढ़ावा देने की रणनीति अपनाई है ताकि आर्थिक स्थिरता और भू-राजनीतिक जोखिमों से बचाव किया जा सके।

● इस साल के अंत तक फाइनल होगा भारत अमेरिका ट्रेड डील?

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर लगेगी मुहर ? ट्रंप के अधिकारी ने बता दी डेडलाइन

वाशिंगटन एजेंसी।
भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बात आगे बढ़ रही है। अमेरिका ने संकेत दिया है कि भारत के साथ व्यापार वार्ता आगे बढ़ रही है। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने दोनों देशों के बीच हालिया चर्चाओं को काफी सकारात्मक बताया है।

पत्रकारों से बात करते हुए अधिकारी ने पुष्टि की कि वाशिंगटन नई दिल्ली के साथ एक पारस्परिक व्यापार समझौते पर काम कर रहा है और साथ ही भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद पर चिंताओं का समाधान भी कर रहा है। अधिकारी ने कहा, मुझे लगता है कि हाल ही में उनके साथ हमारी कई सकारात्मक प्रगति हुई है।

उन्होंने आगे कहा कि वार्ता इस साल के अंत तक रिजल्ट दे पाएगी। अधिकारी ने बताया, मुझे लगता है कि हाल ही में उनके साथ हमारी कई सकारात्मक प्रगति हुई है। उनके साथ हमारे दो मुद्दे चल रहे हैं। बेशक, हमारे बीच एक पारस्परिक व्यापार वार्ता

चल रही है, लेकिन रूसी तेल का मुद्दा भी है, जिस पर हमने बाजार में सुधार देखा है। इसलिए मुझे लगता है कि हम आराम कर सकते हैं और थोड़ा आराम कर सकते हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है, लेकिन पहले से ही काफी सकारात्मक प्रगति हो रही है और साल के अंत तक हमें और भी प्रगति देखने को मिल सकती है।

अमेरिकी प्रशासन भारत के साथ दो समानांतर मुद्दों पर काम कर रहा है। पहला, पारस्परिक व्यापार वार्ता से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य आमतौर पर देशों के बीच टैरिफ और बाजार तक पहुंच को संतुलित करना होता है। दूसरा, अधिकारियों की ओर से रूसी तेल को लेकर भारत पर दबाव बनाना। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार 2024 में लगभग 190 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया और दोनों देशों ने द्विपक्षीय वाणिज्य को बढ़ाने की बात कही है।

चीन में 1500 साल पुराने मंदिर में लगी भीषण आग, सदियों पुराना पैविलियन जलकर नष्ट

ोजिंग एजेंसी।
ीन के जियांगसू प्रांत के झांगजियागांग इलाके में 12 वंबर 2025 को 1500 साल पुराने योंगचिंग मंदिर भीषण आग लग गई। आग सुबह करीब 11:24 जे लगी और देखते ही देखते मंदिर के प्रसिद्ध नचांग पैविलियन को अपनी चपेट में ले लिया। यह मारत मंदिर परिसर में स्थित एक बहुमंजिला लकड़ी ो संरचना थी, जिसे प्राचीन शैली में बनाया गया ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग इतनी तेज थी क धुआं और लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। ोशल मीडिया पर भी इसके कई वीडियो तेजी से ायरल हुए, जिनमें पूरा ढांचा आग की लपटों में घिरा खा। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि दमकलकर्मियों तुरंत मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। ोपहर तक स्थिति नियंत्रित हो गई और राहत की बात ह रही कि कोई हताहत नहीं हुआ।हालांकि, आग ने नचांग पैविलियन को पूरी तरह नष्ट कर दिया, ोकिन मंदिर की मुख्य संरचनाएं, जो छठी सदी

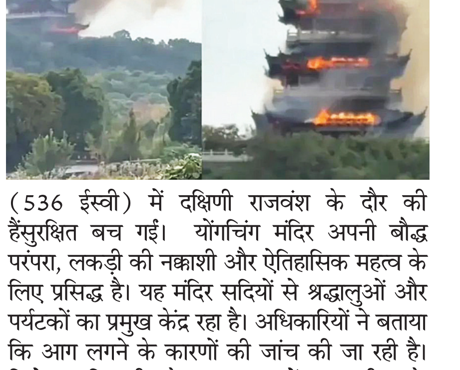

(536 ईस्वी) में दक्षिणी राजवंश के दौर की हैंसुरक्षित बच गईं। योंगचिंग मंदिर अपनी बौद्ध परंपरा, लकड़ी की नक्काशी और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर सदियों से श्रद्धालुओं और पर्यटकों का प्रमुख केंद्र रहा है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। विशेषज्ञ बिजली के खराब तारों, धूप-दीप के इस्तेमाल या पुरानी लकड़ी की संरचना में खामी जैसे कारणों की जांच कर रहे हैं।

एडिटेड एपिसोड चलाने के लिए ट्रंप से बीबीसी ने मांगी माफी, मुआवजे की मांग ठुकराई

वाशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और बीबीसी के बीच चल रहे विवाद के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। बीबीसी ने अपने इंवेस्टिगेटिव प्रोग्राम पैनोरामा के लिए ट्रंप ने माफी मांगी है। हालांकि, इस दौरान बीबीसी ने ट्रंप की मुआवजे की मांग को खारिज कर दिया।

दरअसल, बीबीसी ने कहा कि इस मामले में मानहानि का कोई आधार नहीं है। बीबीसी के चेयरपर्सन समीर शाह ने व्हाइट हाउस को एक पत्र लिखा है, जिसमें कहा कि गया कि बीबीसी इस दुर्भाग्यपूर्ण गलती के लिए क्षमा चाहते हैं। अपने माफीनामा में बीबीसी ने कहा कि हम यह मानते हैं कि एडिटेड स्पीच लोगों के बीच अनजाने में यह धारणा पैदा कर दी गई कि वे पूरा भाषण देख और सुन रहे थे। जबकि उस भाषण के अलग-अलग हिस्सों को जोड़कर तैयार किया गया था। इससे लगा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने यूएस कैपिटल हिल पर धावा बोलने के लिए अपने समर्थकों को उकसाया था।

मानहानि के दावे को बीबीसी ने बताया निराधार वहीं, इस पत्र में बीबीसी की ओर से कहा गया कि वह इस डॉक्यूमेंट्री को किसी भी प्लेटफॉर्म पर दोबारा नहीं प्रसारित करेगा। बीबीसी ने आगे कहा कि इस वीडियो एडिटिंग पर हमें गहरा अफसोस है, लेकिन हम दृढ़ता से असहमत हैं कि इसमें मानहानि के दावे का कोई आधार नहीं है।

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने 6 जनवरी, 2021 के यूएस कैपिटल हिल दंगे से कुछ घंटे पहले दिए गए अपने भाषण के साथ छेड़छाड़ प्रसारित करने के मामले में 9 नवंबर को बीबीसी को पत्र लिखकर कानूनी कार्रवाई की धमकी दी थी। इसके बाद ट्रंप ने बीबीसी से माफी मांगने, अपनी डॉक्यूमेंट्री को सभी प्लेटफॉर्म से वापस लेने और मुआवजे की मांग की थी।

राज्य को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने की क्षमता युवा शक्ति में है : राज्यपाल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज बोकारो स्टील सिटी स्थित डीपी स्कूल में आयोजित 'नक्षत्र' - स्कॉलर बैज समारोह-2025 में विद्यार्थियों को ''बाल दिवस' की शुभकामनाएँ दी। राज्यपाल ने कहा कि यह प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों, जनजातीय गौरव और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर से संपन्न है, परंतु राज्य को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की क्षमता इसकी युवा शक्ति में निहित है। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार, विज्ञान, उद्यमिता, सेवा और नैतिक नेतृत्व के माध्यम से झारखंड तथा राष्ट्र के निर्माण में योगदान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में शिक्षा भोजन, वस्त्र और आवास के बाद मनुष्य की चौथी मूल आवश्यकता बन चुकी है। शिक्षा न केवल सही विचार और निर्णय क्षमता प्रदान करती है, बल्कि सामाजिक बुराइयों से बचने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देती है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'परीक्षा पे चर्चा' यही प्रेरणा देती है की परीक्षा को तनाव नहीं, बल्कि उत्सव की तरह लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा वातावरण बनाना है जहाँ प्रत्येक बच्चा सुरक्षित, सम्मानित और समर्थ महसूस करे, ताकि वह बिना भय के अपने सपनों की उड़ान भर सके। राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन की वास्तविक सफलता केवल अंकों में नहीं आँकी जाती। प्रत्येक चुनौती एक नया अवसर लेकर आती है और विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, धैर्य और साहस के साथ अपने लक्ष्यों की ओर अग्रसर होना चाहिए।

डीसी-एसपी ने राज्यपाल को पुष्प गुच्छ देकर किया स्वागत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को पेटरवार जिला बॉर्डर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का आगमन हुआ। जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा तथा पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका हार्दिक स्वागत किया। राज्यपाल के स्वागत के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखा गया तथा प्रशासन ने आगमन कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किया। स्वागत उपरांत राज्यपाल को औपचारिक प्रोटोकॉल के तहत आगे की यात्रा हेतु प्रेषित किया गया।

आगमन कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किया

एक महिला दूसरी महिला की बहन बनकर साथ खड़ी हो : डीसी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को माँ लक्ष्मी ग्राम संगठन, अम्बाडीह, प्रखण्ड पेटरवार में झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस वर्ष के उपलक्ष्य में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा शामिल हुए।

उपायुक्त द्वारा 10 सूत्र, जेंडर एवं स्वास्थ्य पर शपथ दिलाई

प्रार्थना सत्र के उपरांत उपायुक्त ने ग्राम संगठन की दीदियों को समूह का 10 सूत्र, जेंडर समानता और स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि समूह की मजबूती, आर्थिक सशक्तिकरण एवं सामाजिक जागरूकता पर विस्तृत रूप से चर्चा की।

ग्राम संगठन सदस्यों के साथ किया संवाद - ग्रामीण समस्याओं से हुए अवगत

शपथ ग्रहण के बाद उपायुक्त ने दीदियों के साथ खुली बातचीत की। इस संवाद के दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं, स्थानीय आवश्यकताओं और विकास संबंधी मुद्दों को विस्तार से सुना। उपायुक्त ने कहा कि समूह विकास की मजबूत नींव हैं। उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किए गए मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के माध्यम से दीदियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है ताकि वे अपने छोटे-छोटे खर्च आसानी से पूरा कर सकें। यह उनका लिए सम्मान है। उन्होंने यह भी कहा कि आज की दीदी न तो बेबस है और न ही लाचार। उन्होंने एकल एवं विधवा महिलाओं को चिन्हित कर उन्हें आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उपायुक्त ने सभी दीदियों से आपसी एकजुटता बनाए रखने, स्वरोजगार से जुड़ने और गरीबी उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने समूह की बैठकों को नियम, अनुशासन और नियमितता के साथ करने की सलाह दी। उन्होंने कहा- एक महिला दूसरी महिला की बहन बनकर साथ खड़ी हो - यही असली शक्ति है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मना जनजातीय गौरव दिवस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9डी, बोकारो में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया गया। जिसमें विद्यालय की आचार्या मिनाक्षी कुमारी के नेतृत्व में भैया- बहनों ने जनजातीय क्रांतिकारी बंधुओं, स्वतंत्रता सेनानियों जैसे भगवान बिरसा मुंडा,सिद्धू-कान्हू,नीलांबर - पीतांबर एवं फूलो-झानो आदि का रूप धारण कर प्रभात फेरी निकाली।उसके बाद विद्यालय के सभागार में भैया-बहनों एवं आचार्य जी के द्वारा जनजातीय वीर सेनानियों एवं भगवान बिरसा मुंडा के जीवनी पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव जी.पी.सिंह ने कहा कि झारखंड के कई वीर बलिदानी जिन्होंने भारत माता के चरणों में अपने शीश बलिदान किया उन्हें आज के दिन नमन करने का दिवस है। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने अपने संदेश में कहा कि भारत सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।विद्या भारती एवं विद्या विकास समिति झारखंड के द्वारा भी शिशु मंदिर विद्यालयों में पूरे एक सप्ताह जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम करने का निर्देश प्राप्त हुआ है जिसके तहत भैया बहनों के बीच पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता,क्विज प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया।जिसमें विद्यालय के भैया बहनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा उन वीर बलिदानियों के विषय में गहराई से जान सके।इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य उपेंद्र विद्यार्थी ने भैया बहनों को बिरसा मुंडा के जीवनी से अवगत कराया।भैया बहनों ने जनजातीय लोक नृत्य एवं गीत प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया।धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय की वरिष्ठ आचार्य पूनम दीदी ने किया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी आचार्य चंदन सरकार के साथ-साथ सभी आचार्य दीदी जी एवं भैया बहन उपस्थित रहे।

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत पर भाजपाइयों ने मनाया जश्न

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भाजपा जिला महामंत्री संजय त्यागी के नेतृत्व में बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण के आवास पर बिहार जीत का जश्न ढोल नगाड़े आतिशबाजी व मिठाई बांट कर मनाया गया। बिहार के एनडीए की बंपर जीत पर बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने बिहार के जनता को बधाई दी है ' बिरंची नारायण ने कहा बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार पर विश्वास जताया है। बिहार की जीत डबल इंजन सरकार की जीत है। यह जीत विकास और सुशासन की जीत है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ,गृह मंत्री अमित शाह केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के साथ बिहार की जनता के प्रति आभार जताया है। बिहार में जिस तरह एनडीए द्वारा विकास किए गए हैं। उसी का परिणाम है। आज प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बन रही है बिहार में रोड का जाल बिछाया गया 24 घंटे बिजली, हर घर नल जल की योजना, फ्लाई ओवर का निर्माण, अपराधियों पर लगाम, बिहार में मेट्रो का परिचालन, शिक्षा का विस्तार सहित कई ऐसे महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। सबसे बड़ी बात बिहार के महिलाओं के सशक्तिकरण पर सबसे ज्यादा काम किए गए हैं।आज बिहार में महिलाएं सुरक्षित है और अपना रोजगार कर रहे हैं बिहार की जनता ने इस बार सभी जाति धर्म से ऊपर उठकर एनडीए के पक्ष में मतदान किया। जश्न मनाने वालों में संजय त्यागी, माथुर मंडल, अवधेश यादव, ऋतुरानी सिंह,हरीश सिंह, सुजीत चक्रवर्ती, पन्ना लाल कांदू,उमेश शर्मा, राजीव मालाकार, गोलू उपाध्याय, निमाय महथा, बुद्धेश्वर घोषाल, राजेश घोषाल, प्रकाश प्रमाणिक, अविनाश झा, प्रकाश प्रमाणिक, राजू गुप्ता, नीरज सिन्हा, संतोष सिंह, झंटू दे आनंद सिंह, दिलीप पाल हरेराम, नीलम उपाध्याय, शांतिलाल कांदु, विकाश कुमार, अभिषेक कुमार, नारायण महतो, आनंद सिंह, विकास साव, गुड्डू शर्मा, अगम महतो शामिल रहे।

जैनामोड़ में भाजपाइयों ने निकला विजय जुलूस

जैनामोड (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के प्रचंड बहुमत की खुशी में आज जैनामोड़ में भारतीय जनता पार्टी जरीडीह प्रखण्ड के द्वारा विजय जुलूस निकला गया। मिठाई बांटकर एव पटाखा फोड़ कर खुशी मनाई। जूलूस में किसान मोर्चा प्रदेश महामन्त्री,अर्जुन सिंह जिला मंत्री सुभाष चन्द्र महतो, मंडल अध्यक्ष मनोज ठाकुर, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विनोद कुमार,पूर्व मंडल अध्यक्ष जगतपति सिंह,मंडल महामंत्री सुनील मंडल,बिक्रम गोस्वामी, जयनरायण मरांडी, हिरालाल महतो, कमल किशोर सिंह,रामलाल महतो, शयामल मंडल, मनोज सिंह,मेघनाथ गोस्वामी, रंजीत महतो, राजेन्द्र महतो,अंगद मिश्रा, श्रवण दास, सुभम बनर्जी,देवाशिष मुखर्जी, राजेन्द्र मंडल, मोहन महतो,मनोज जयसवाल, सुरेश बर्णवाल, विजय बर्णवाल, महेश सिंह, वकील कुमार शामिल हुए।

बोकारो स्टील प्लांट, राष्ट्र निर्माण और झारखंड की विकास यात्रा का विश्वसनीय संबल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट की कहानी बोकारोवासियों की दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम और आकांक्षाओं की कहानी है। लगभग छह दशक पूर्व स्थापित बोकारो स्टील, सार्वजनिक क्षेत्र के चौथे एकीकृत इस्पात संयंत्र के रूप में 1965 में तत्कालीन सोवियत संघ के सहयोग से आकार लेने लगा। 29 जनवरी 1964 को एक लिमिटेड कंपनी के रूप में इसका औपचारिक गठन हुआ और निर्माण कार्य 6 अप्रैल 1968 से आरंभ के साथ इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना ने नई दिशा पाई। आगे चलकर सार्वजनिक क्षेत्र के लौह एवं इस्पात कंपनियों (पुनर्गठन एवं विविध प्रावधान) अधिनियम, 1978 के तहत यह पहले स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की अनुषंगी और बाद में एक पूर्ण इकाई के रूप में उससे विलयित हो गया। देश के पहले स्वदेशी इस्पात संयंत्र के रूप में विशेष पहचान रखने वाले बोकारो स्टील प्लांट ने 2 अक्टूबर 1972 को अपने प्रथम ब्लास्ट फर्नेस का कमीशनिंग किया। 26 फरवरी 1978 को तीसरे ब्लास्ट फर्नेस के साथ 1.7 एमटी इनगॉट स्टील उत्पादन क्षमता के प्रथम चरण की पूर्णता हुई। निरंतर आधुनिकीकरण एवं विस्तारीकरण के क्रम में आज प्लांट की तरल इस्पात क्षमता 4.65 मिलियन टन तक पहुँच चुकी है। फ्लैट प्रोडक्ट्स के उत्पादन के लिए डिजाइन यह प्लांट आज हॉट रोल्ड कॉइल्स, प्लेट्स व शीट्स, कोल्ड रोल्ड कॉइल्स व शीट्स, तथा गैल्वेनाइज्ड प्लेन/कोरुगेटेड शीट्स जैसे विविध उत्पादों का विश्वसनीय उत्पादक है। इन उत्पादों ने देश के आधुनिक इंजीनियरिंग क्षेत्रों जैसे ऑटोमोबाइल, पाइप एवं ट्यूब, बैरल व ड्रम उद्योग को मजबूत कच्चा माल का आधार प्रदान किया है। देश की सामरिक चुनौतियों का उत्तर-बोकारो का इस्पात कई वर्षों से अपनी सार्थकता सिद्ध करता आ रहा है। अपनी उत्पादन यात्रा में बोकारो स्टील प्लांट ने स्थापना से वर्ष 2024-25 तक 15,40,03,874 टन क्रूड स्टील का सफल उत्पादन किया है जो न केवल प्लांट की तकनीकी प्रगति को दर्शा रही है, बल्कि झारखंड के विकास और स्थानीय लोगों की समृद्धि से उसके गहरे संबंध को भी रेखांकित कर रहा है। प्लांट की यह बढ़ती क्षमता झारखंड की धरती से मिलने वाले श्रम, ऊर्जा और सहयोग की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत कर रही है। बोकारो स्टील भारत में विश्व-स्तरीय फ्लैट स्टील के लिए वन-स्टॉप-शॉप बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। राष्ट्रीय इस्पात नीति के अनुरूप रअक्छ एवं बोकारो स्टील प्लांट अपनी आगामी विस्तारीकरण योजनाओं को गति दे रहे हैं, जिनका उद्देश्य उत्पादन क्षमता वृद्धि के साथ-साथ स्पेशल ग्रेड स्टील्स का बड़े पैमाने पर उत्पादन करना है, जिससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और मजबूती मिलेगी। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट इकाई के रूप में बोकारो स्टील प्लांट पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और ग्रीन स्टील आधारित सतत विकास को लेकर पूर्णतः प्रतिबद्ध है। समावेशी विकास के प्रति कटिबद्ध यह संयंत्र सीएसआर के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, पेरीफेरल डेवलपमेंट, ग्रामीण खेल-कूद और कौशल विकास के माध्यम से स्थानीय समुदायों एवं युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव के माध्यम से उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। झारखंड स्थापना दिवस पर बोकारो स्टील प्लांट अपने गौरवशाली इतिहास, उत्कृष्ट उपलब्धियों और भविष्य की महत्त्वाकांक्षी योजनाओं के साथ राज्य एवं राष्ट्र के समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्ध है और आने वाले वर्षों में भी उद्योग, अर्थव्यवस्था और समाज में अपने प्रभावशाली योगदान से भारत और झारखंड को नई ऊँचाइयों पर ले जाने में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

चास में आतिशबाजी कर भाजपाइयों ने जाहिर की खुशी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार चुनाव में प्रचंड बहुमत से एनडीए की जीत की खुशी में भाजपा जश्न मान रही है। बोकारो भाजपा जिला अध्यक्ष जयदेव राय की अगुवाई में चास के धर्मशाला मोड़ में बीजेपी के नेताओं और कार्यकताओं ने आतिशबाजी कर और मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। इस दौरान नरेंद्र मोदी और भाजपा के पक्ष के नारेबाजी भी की। जिला अध्यक्ष जयदेव राय ने कहा कि यह जीत पार्टी के लिए बहुत बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि भाजपा की बड़ी जीत और महागठबंधन की बड़ी हार है। जिस प्रकार से चुनावी नतीजा आया है हम कह सकते हैं कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव की यह बड़ी हार है ।उन्होंने कहा कि राहुल गांधी महागठबंधन के लिए अशुभ और एनडीए के लिए शुभ है। वह जहां जाते हैं वहां भाजपा एनडीए जीतती है और महागठबंधन हारती है। उन्होंने कहा कि बंगाल के साथ झारखंड में भी हम लोग आने वाले चुनाव में जीत दर्ज करेंगे। घाटशिला चुनाव में भी भाजपा में अच्छा प्रदर्शन किया है।

विश्व मधुमेह दिवस पर आयोजित शिविर में 6048 व्यक्तियों की गई जांच

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर बोकारो जिला के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में मधुमेह जांच हेतु विशेष कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें समुदाय स्तर पर 30 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों की मधुमेह जांच की गई। केवल आज के दिन पूरे बोकारो में 6048 व्यक्तियों की मधुमेह जांच की गई में कुल 572 लोगो को मधुमेह निकला जिनका इलाज जारी किया गया। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के बताया गया कि विश्व मधुमेह दिवस कैम्प की जांच हेतु जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ सेलीना टूडू एवं राज्य से डब्लयूएचओ की टीम डॉ देवोजीत सरकार के द्वारा बीजीएच में संचालित एनसीडी क्लीनिक की जांच की गई। डॉ देवोजीत सरकार ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग बोकारो एवं बीजीएच पहल से जो बीजीएच में एनसीडी क्लीनिक संचालित किया जा रहा है। इसका परिणाम बहुत अच्छा है। पिछले एक माह के अन्दर केवल एनसीडी क्लीनिक से ही 1227 मरीजों का मधुमेह जांच एवं उच्च रक्तचाप की जांच करते हुए आनलाईन इन्ट्री भी किया गया है।

सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण का समापन, प्रमाण पत्र वितरित

कसमार (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड इकाई, बोकारो द्वारा उद्योग विभाग, झारखंड के तत्वावधान में विशेष घटक योजना अंतर्गत आयोजित 25 दिवसीय सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज को खैराचातर पंचायत में सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली सभी महिलाओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जो उनके कौशल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित जिला उद्यमी, किशोर रजक ने प्रशिक्षणार्थियों को भविष्य के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि सभी सफल प्रशिक्षणार्थियों को स्टाइपेंड (आर्थिक सहायता) और वर्क आर्डर (कार्य आदेश) दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि विभाग द्वारा इन सभी ग्रामीण महिला उद्यमियों को आगे भी बेहतर कार्य करने के लिए शत-प्रतिशत सहयोग प्रदान किया जाएगा।

झारखंड स्थापना दिवस पर पेटरवार में जन जातीय उत्सव, राज्यपाल ने जतरा का किया आगाज

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड स्थापना दिवस रजत जयंती वर्ष के अवसर पर शुक्रवार को पेटरवार पूरी तरह जनजातीय रंग में रंग चला। पारंपरिक परिधान और ढोलझनगाड़ों की थाप के बीच राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भव्य जतरा का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने स्वयं जन समूह के साथ कदम मिलाते हुए इस सांस्कृतिक पदयात्रा में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति - परंपरा के संरक्षण के लिए इस जतरा का आयोजन जरूरी था। राज्यपाल ने जतरा को आगे के लिए विदा किया एवं शुभकामनाएं दी। उपायुक्त अजय नाथ झा, डीडीसी शताब्दी मजूमदार सहित जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तर के अधिकारी भी जतरा में उपस्थित थे। सड़क के दोनों किनारों पर खड़े ग्रामीणों ने जनजातीय नृत्य, गीत और पारंपरिक स्वागत से वातावरण को उत्सवी बना दिया। सूबे के पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेन्द्र प्रसाद भी जतरा में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। सरना धर्म स्थल से शुरू होकर प्रखंड परिसर तक पहुंची इस यात्रा में जन जातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक शक्ति साफ दिखाई दी। मंत्री ने रजत जयंती वर्ष को राज्य के लिए नया पड़ाव और नए संकल्पों का वर्ष बताते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि झारखंड अपनी सांस्कृतिक धरोहर और संघर्ष की विरासत के कारण अनूठा है। मंत्री ने जतरा में शामिल महिलाओं - महिला पदाधिकारियों की भूमिका पर भी जोर देते हुए कहा कि आज की महिलाएं नेतृत्वकारी भूमिका में आगे बढ़ रही हैं - अबला नहीं, बलवान हैं।

पुनः शुरू होगा - सरकार आपके द्वार... कार्यक्रम

कार्यक्रम में मंत्री ने यह घोषणा किया कि पुनः ह्यसरकार आपके द्वारह्न अभियान शुरू किया जा रहा है, जिसके माध्यम से प्रशासन ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों की समस्याएं स्थल पर ही समाधान करेगा।

अपनी परंपरा को थामे आगे बढ़े झारखंड : डीसी

जतरा के समापन पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि झारखंड की आत्मा उसकी संस्कृति और परंपरा में बसती है। उन्होंने कहा जोहार झारखंडङ्क हम अपनी जड़ों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। विकास को बरगद की तरह फैलाना है ताकि हर नागरिक उसकी छाया में सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें।

उत्साह, रंग और एक जुटता - जतरामय रहा पूरा पेटरवार

जन जातीय महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की पारंपरिक सहभागिता के कारण जतरा पेटरवार के लिए एक बड़े सांस्कृतिक महोत्सव का रूप लेता दिखाई दिया। प्रशासनिक तैयारियों और स्थानीय समुदाय के सहयोग से यह आयोजन अत्यंत सफल और आकर्षक रहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK